{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 30 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 245
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 74,775.74
निफ्टी - 23,547.75
सोना - 1,57,640
चांदी - 2,80,000
डॉलर - 94.63

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पूर्व सपा नेता नवाब सिंह को 8 साल की सजा

कन्नौज। नाबालिग से रेप के आरोपी और पूर्व सपा नेता नवाब सिंह यादव और उसके भाई नीलू को गैंगस्टर मामले में 8-8 साल की सजा हुई है। कन्नौज कोर्ट ने शुक्रवार को इसी मामले में सहआरोपी पूजा तोमर को भी 6 साल की सजा सुनाई। कोर्ट ने नवाब और नीलू पर 10-10 लाख रुपए और पूजा तोमर पर 5 लाख का जुर्माना लगाया है। नवाब सिंह यादव को दो साल पहले 15 साल की नाबालिग से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित को पूजा तोमर नवाब सिंह के पास लेकर पहुंची थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे सह-आरोपी बनाया था। जांच में सामने आया कि नवाब सिंह के भाई नीलू ने साक्ष्य मिटाने और जांच को प्रभावित करने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने नीलू और नाबालिग की रिश्तेदार को भी गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी।

गुजरात को मिलेगा भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल

अहमदाबाद । भारत सरकार द्वारा लिए गए एक ऐतिहासिक फैसले से गुजरात के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। खंभात की खाड़ी पर देश का सबसे लंबा समुद्री पुल बनाया जाएगा। इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना के तहत लगभग 30 किलोमीटर लंबा भव्य सी-ब्रिज तैयार किया जाएगा, जो केवल इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना ही नहीं बल्कि दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र को जोड़ने वाली मजबूत कड़ी भी साबित होगा। लंबे समय से लोग जिस आधुनिक कनेक्टिविटी की प्रतीक्षा कर रहे थे, अब वह सपना जल्द हकीकत बनने जा रहा है। इस समुद्री पुल के निर्माण के बाद गुजरात में यात्रा व्यवस्था पूरी तरह बदल जाएगी। खास तौर पर भावनगर और भरूच के बीच सफर करने वाले यात्रियों को सबसे बड़ा लाभ मिलेगा।

ट्रेन के टॉयलेट में बर्तन धोने पर आईआरसीटीसी को एफएसएसएआई का नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुरुवार को सरकारी कंपनी भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को नोटिस जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए वीडियो का स्वत: संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है। इस वीडियो में ट्रेन के एक डिब्बे के शौचालय वाले हिस्से में बर्तन धोए जाते हुए दिखाया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने इस हरकत को आपत्तिजनक बताया है क्योंकि इससे भोजन दूषित हो

कुछ ना कहना

फैसले सुरक्षित रखने के मामलों में होने वाली देरी पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

हाईकोर्ट 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित न रखें

जमानत पर आदेश उसी दिन या अगले दिन दें, अपलोड तुरंत करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसले सुरक्षित रखने के मामलों में होने वाली देरी पर चिंता जताई और इससे जुड़े 13 निर्देश देशभर के सभी हाईकोर्ट को दिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी भी मामले का फैसला रिजर्व रखने के बाद उसे 3 महीने में सुना दिया जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो रजिस्ट्रार जनरल मामले को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने रखेंगे।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि जमानत के मामलों पर आदेश भी उसी दिन सुनाए जाएं। अगर फैसला रिजर्व रखा जाता है, तो उसे अगले दिन जरूर सुना दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने ये निर्देश पिला पहन और झारखंड सरकार से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान दिए। इससे जुड़ी याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट ने 2022 से मामले पर कोई फैसला नहीं सुनाया है। सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि हाईकोर्ट जज के रूप में 15 साल के कार्यकाल में कभी भी किसी मामले में फैसला सुरक्षित नहीं रखा, न ही तीन महीने के भीतर फैसला नहीं सुनाया। उन्होंने कहा- न्याय की कीमत पर ऐसी देरी को जारी रहने नहीं दिया जा सकता।

पहले उस मामले को जानें, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिए

यह मामला अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के 4 दोषियों की याचिका से जुड़ा था। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि झारखंड हाईकोर्ट में उनकी क्रिमिनल अपील 2022 से बिना किसी फैसले के पेंडिंग है। याचिका में तर्क दिया गया कि इस प्रकार की देरी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उनके जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है, जिसमें जल्द सुनवाई का अधिकार भी शामिल है। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट से अपने फैसलों की टाइम लिमिट रिपोर्ट सबमिट करने का आदेश दिया था, जिसमें फैसले रिजर्व रखने की तारीखें, फैसले सुनाए जाने की तारीखें और उन्हें वेबसाइट पर अपलोड करने की तारीखें शामिल थीं।

धारा 142, जिसने सुप्रीम कोर्ट को स्पेशल पावर दिए

भारत के संविधान ने धारा 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को स्पेशल पावर दिए हैं। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट कम्पलीट जस्टिस के लिए स्पेशल ऑर्डर जारी कर सकता है। यानी किसी मामले में सामान्य कानून तुरंत या पूरा न्याय नहीं कर पा रहा हो, तो सुप्रीम कोर्ट अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में 92 हजार से ज्यादा केस पेंडिंग

सुप्रीम कोर्ट में इस समय 92,385 पेंडिंग मामले हैं। कोविड के बाद ई-फाइलिंग बढ़ने से मामलों की संख्या लगातार बढ़ी है। केंद्र सरकार ने 11 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में बताया था कि देशभर के कोर्ट में कुल 5.49 करोड़ से ज्यादा केस पेंडिंग हैं। इसमें 90,897 मामले सुप्रीम कोर्ट और देश के 25 हाईकोर्ट में 63,63,406 मामले पेंडिंग थे।

टीईटी अनिवार्यता : सुप्रीम कोर्ट से लाखों शिक्षकों को थोड़ी राहत, समय सीमा बढ़ी पर खतरा बाकी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कार्यरत शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करने की समय सीमा को एक साल और बढ़ा दिया है। शीर्ष अदालत ने अब डेडलाइन 31 अगस्त 2028 तय की है, जो पहले 31 अगस्त 2027 थी। यह फैसला कई पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई के बाद आया है। हालाँकि, शीर्ष अदालत ने उन याचिकाओं को फिर से खारिज किया है, जिसमें 2009 से पहले नियुक्त हुए सभी शिक्षकों को टीईटी के दायरे से बाहर रखने की मांग की गई थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अगुवाई वाली डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि देश के सभी कार्यरत शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। इसके बाद टीईटी अनिवार्यता के मामले में देश के लाखों शिक्षकों की नौकरी पर खतरा अभी भी कायम है। शीर्ष अदालत ने पूर्व में राहत मांग रहे शिक्षकों को कड़े शब्दों में चेताया था कि वे स्वार्थी न बनें और केवल अपनी नौकरी की सुरक्षा के बारे में ही न सोचें, बल्कि उन बच्चों के बारे में भी विचार करें जिन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता है। अदालत ने टिप्पणी तब की जब वह मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारों तथा पश्चिम बंगाल व केरल के शिक्षक संघों द्वारा दायर की गई कई टीईटी अनिवार्यता विरोधी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में सितंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश की समीक्षा की मांग की गई थी, जिसमें देशभर के गैर-अल्पसंख्यक स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले कार्यरत शिक्षकों को दो वर्षों के भीतर टीईटी पास करने का निर्देश दिया गया था। दरअसल, शिक्षकों को नौकरी में बने रहने या पदोन्नति पाने के लिए टीईटी को अनिवार्य करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से देशभर के हजारों प्राथमिक शिक्षकों की नौकरी पर तलवार लटकी हुई है। उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में लाखों ऐसे शिक्षक हैं जो बिना टीईटी पास किए वर्षों से स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। अब इन शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक टीईटी पास करना अनिवार्य होगा, अन्यथा उन्हें इस्तीफा देना पड़ सकता है या जबरन सेवानिवृत्त किया जा सकता है।

नीट पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट सख्त...एनटीए को परीक्षा लापरवाही पर अदालत ने कड़ी फटकार, कहा-छात्रों के लिए यह बेहद दर्दनाक

जिम्मेदार कौन...जवाबदारी तय होनी चाहिए

-सुप्रीम कोर्ट करेगा नीट-यूजी 2026 जांच की सीधी निगरानी, शिक्षा मंत्रालय से नई परीक्षा व्यवस्था पर हलफनामा मांगा

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा कदम उठाते हुए कहा कि वह इस पूरे मामले की जांच की कुछ समय तक स्वयं निगरानी करेगा। कोर्ट ने परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इस तरह की घटनाएं युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि छात्रों को इस प्रकार निराश नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि नीट पेपर लीक कैसे हुआ इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। सभी सिफारिशों को लागू किया गया तो ऐसा कैसे हुआ, आखिर सच्चाई क्या है? कोर्ट ने समिति के अध्यक्ष से कहा कि हम आपसे पूछना चाहते हैं कि आप मूल रूप से विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे, कार्यान्वयन की निगरानी कितनी हुई? यह विफलता कैसे हुई?

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह एक अलग हलफनामा दाखिल करे। इस हलफनामे में यह बताया जाए कि नीट परीक्षाओं के संचालन की प्रक्रिया को किस प्रकार संस्थागत रूप से मजबूत बनाया जाएगा, ताकि एनटीए हर वर्ष बेहतर और पारदर्शी तरीके से परीक्षा आयोजित कर सके। कोर्ट ने कहा कि हलफनामे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि विशेष प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति और विशेषज्ञों की व्यापक टीम के जरिए एनटीए के भीतर संस्थागत अनुभव और विशेषज्ञता कैसे विकसित की जाएगी।

भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने पर जोर

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एनटीए के पास पर्याप्त भौतिक और बौद्धिक संसाधन उपलब्ध हों। अदालत ने कहा कि 2024 और 2026 की नीट परीक्षा विवादों जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने

के लिए ठोस व्यवस्था जरूरी है। कोर्ट ने केंद्र सरकार और एनटीए को अपनी विस्तृत कार्ययोजना पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने एनटीए और इस मामले के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष डॉ. के राधाकृष्णन द्वारा दाखिल जवाबों और हलफनामों का भी संज्ञान लिया।

प्रधानमंत्री स्वयं रख रहे मामले पर नजर

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को भरोसा दिलाया कि सरकार इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पूरे घटनाक्रम पर सीधे नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने अदालत को आश्वस्त किया कि सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत और प्रभावी कदम उठाने की दिशा में कार्य कर रही है।

हमने एनटीए को मजबूत करने की सिफारिश की थी

सुनवाई के दौरान डॉ. राधाकृष्णन ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हमने 60 सुझाव दिए थे। पहले 60 में से अधिकतर लागू हो चुके हैं। कुछ अभी भी प्रक्रियाधीन हैं। 2025 में नीट-यूजी परीक्षा संतोषजनक ढंग से आयोजित की गई थी। कुछ केंद्रों में बिजली गुल होने की घटनाएं हुईं, अन्यथा सिफारिशों को लागू किया गया और परीक्षा सफल रही। हमने एनटीए को मजबूत करने की सिफारिश की थी।

री-नीट परीक्षा के लिए इन सभी का ध्यान रखा गया

उन्होंने कहा कि सवाल कागजों में हेराफेरी का था। कई उपाय लागू किए जा चुके हैं, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अगले महीने होने वाली री-नीट परीक्षा के लिए इन सभी का ध्यान रखा गया है। इस पर जस्टिस नरसिम्हा ने पूछा कि क्या समिति नियमित रूप से बैठक करती है? राधाकृष्णन ने जवाब में कहा- जी हां। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि असली समस्या, तब तक हल नहीं होगी जब तक वास्तविक जवाबदेही तय नहीं हो जाती।

यूपीएससी में कभी समस्या नहीं रही, आपको ये समझना होगा

जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, जब तक हम जिम्मेदारी तय नहीं कर लेते, तब तक आपको सही जानकारी नहीं मिलेगी। यह बेहद संवेदनशील मामला है। एसजी ने कहा कि हम युवाओं से जुड़े मामलों को देख रहे हैं और सरकार इस बारे में बेहद गंभीर है। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, यूपीएससी में कभी भी कोई समस्या नहीं रही है, आपको यह समझना होगा।

क्षमता व्यक्ति में नहीं, संस्था में है

एसजी ने कहा कि रेलवे परीक्षाएं भी। अध्यक्ष ने कुछ बातें इसलिए नहीं कहीं क्योंकि व्यवस्था पहले से बनी हुई है। हमने 21 तारीख को होने वाली परीक्षा के लिए कुछ नई व्यवस्था बनाई है, जिसकी निगरानी उच्चतम स्तर पर की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारी अधिकांश संस्थाओं की समस्या तदर्थवाद है। ज्ञान का प्रसार नहीं होता। क्षमता व्यक्ति में नहीं, संस्था में है।

पंजाब निकाय चुनाव : दूसरे और तीसरे नहीं चौथे नंबर पर भगवा दल

नए अध्यक्ष को कमान मिलते ही लगा करारा झटका

नई दिल्ली। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में बड़े बदलाव की उम्मीदों पर निकाय चुनाव के नतीजों ने पानी फेर दिया है। केवल सिंह ढिल्लों को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के महज 24 घंटे के अंदर नगर निकाय चुनाव परिणामों ने भगवा दल को तगड़ा झटका दिया है। भाजपा ने ढिल्लों के रूप में एक नया चेहरा पेश कर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने और विधानसभा चुनाव से पहले सकारात्मक माहौल बनाने की उम्मीद की थी, लेकिन इन नतीजों ने उन उम्मीदों पर ठंडा पानी डाल दिया। पार्टी पूरे राज्य में सिर्फ 52 सीटों पर सिमट गई, जो उसके लिए गंभीर चिंता का विषय है।

इन परिणामों की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि भाजपा न सिर्फ आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल से पीछे रही, बल्कि अन्य उम्मीदवारों और निर्दलियों से भी पिछड़ गई। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पंजाब में भाजपा अभी भी अपनी जमीन तलाश रही है और भगवा दल को राजनीतिक रूप से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए लंबा सफर तय करना है। किसान आंदोलन के बाद बनी दूरी, स्थानीय नेतृत्व का अभाव और क्षेत्रीय राजनीतिक मुद्दों की गहरी समझ की कमी पार्टी को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। अब नए अध्यक्ष ढिल्लों के सामने सिर्फ संगठन चलाने की नहीं, बल्कि पार्टी को कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने और जनता का विश्वास फिर से जीतने की बड़ी चुनौती खड़ी है। नगर निकाय चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए केवल हार नहीं, बल्कि एक गहरी चेतावनी की घंटी हैं। पंजाब जैसे राज्य में जहां लोकल और क्षेत्रीय मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श पर हावी रहते हैं, वहां भाजपा अभी तक एक मजबूत जनाधार स्थापित नहीं कर सकी है। इन चुनावों में आम आदमी पार्टी ने फिर अपनी संगठनात्मक शक्ति और लोकल स्तर पर मजबूत पकड़ का प्रदर्शन किया। भगवंत मान सरकार की मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी लोक-लुभावन योजनाओं ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पार्टी को जनसमर्थन दिलाया। वहीं, कांग्रेस अपनी पारंपरिक ताकत बचाने में सफल रही और अकाली दल भी भाजपा से बेहतर प्रदर्शन कर उससे आगे निकलने में कामयाब रहा। इसके बाद भाजपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ चेहरा बदलने से पंजाब में उसके हालात बदल जाएंगे? ढिल्लों को अब केवल कार्यकर्ताओं में भरोसा बहाल करने की नहीं, बल्कि बूथ स्तर से लेकर किसान और सिख समुदाय तक पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी होगी। पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव कर केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर लोकल मुद्दों जैसे किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी, व्यापार और नशे की समस्या पर ठोस कार्य करना होगा।

टीसीएस मामले में एसआईटी ने 1500 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में की पेश

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में टीसीएस की यूनिट से जुड़े कथित सेक्स रैकेट, और जबरन धर्म परिवर्तन मामले में एसआईटी की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। अब इस मामले में 1500 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की गई है, जिसमें आरोपी निदा खान और दानिश शेख समेत कई लोगों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड और डिजिटल सबूतों ने पूरे नेटवर्क की परतें खोल दी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईटी ने नासिक की कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में कहा है कि महिला कर्मचारियों को पहले दोस्ती और भरोसे के जाल में फंसाया गया।

महाराष्ट्र में जहरीली शराब से 15 की मौत, 8 आरोपी गिरफ्तार

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ इलाकों में जहरीली शराब पीने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। इस भयावह घटना के बाद राज्य और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले पर संज्ञान लेकर 8 संदिग्ध आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि कर बताया है कि पूरे अवैध शराब के इकोसिस्टम का पता लग गया है, जिस पर आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यह चौंकाने वाली घटना पुणे के काले पड़ल, हडपसर और पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी, फुगेवाड़ी जैसे इलाकों से सामने आई है, जहां लोगों ने अवैध रूप से निर्मित जहरीली शराब का सेवन किया। जानकारी के अनुसार, जहरीली शराब का सेवन करने वाले लोगों की हालत अचानक बिगड़ी, उनके मुंह से झाग निकलने लगा और इलाज मिलने से पहले ही कई लोगों ने दम तोड़ दिया। पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी और फुगेवाड़ी में आठ, जबकि पुणे के काले पड़ल में तीन और हडपसर में दो लोगों की मौत हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस अवैध और स्पिरिट-युक्त शराब को योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति ने तैयार किया था, इस जहरीली शराब को पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ के विभिन्न इलाकों में बेचा गया था। वानखेड़े कथित तौर पर अवैध शराब कारोबार से जुड़ा है और उसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े का गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मामले में अभी तक 8 संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और पूरे अवैध शराब के इकोसिस्टम का पता लग गया है, इसके बाद इस पूरे इकोसिस्टम की कमर तोड़ दी जाएगी। पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस के डीसीपी संदीप अटोले ने पुष्टि की है कि सात लोगों की मौत हुई है और तीन घायल अस्पताल में उपचाराधीन हैं, जबकि आठ आरोपियों से पूछताछ जारी है।

लोकल नागरिकों में फुगेवाड़ी जैसे इलाकों में अवैध हाथभट्टी और देशी शराब के अड्डों के धड़ल्ले से चलने को लेकर भारी आक्रोश है। हालांकि, शुरुआत में दापोडी पुलिस ने जहरीली शराब से हुई मौतों की बात को अफवाह बताकर दावा किया था कि ये सभी मौतें अलग-अलग और स्वतंत्र कारणों से हुई हैं।

निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा, 6 की मौत

हमीरपुर। यूपी के हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब शुक्रवार देर रात 2 बजे गिर गया। हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई। स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स ने मलबे में फंसे 3 मजदूरों को निकाला। साढ़े 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। उत्तर प्रदेश ब्रिज कॉरपोरेशन के एमडी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आंधी-बारिश के कारण स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर दब गए। हादसे के बाद सहायक अभियंता गजेंद्र कुमार चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। डीपीएम दिलीप कुमार पर विभागीय कार्रवाई शुरू की जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, हमीरपुर में देर रात 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली थी। हादसा शहर से 25 किमी. दूर ललपुरा इलाके में हुआ। मृतकों में 4 बांदा और 2 हमीरपुर के रहने वाले थे। एसडीआरएफ के अधिकारियों ने बताया कि रात ढाई बजे से शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है।

सहमति से बने शारीरिक संबंध को बाद में नहीं माना जा सकता दुष्कर्म

- ओडिशा उच्च न्यायालय ने दुष्कर्म के मामले में आरोपी को किया रिहा

अनुगुल। ओडिशा उच्च न्यायालय ने एक बेहद महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि दो वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंध को बाद में दुष्कर्म का मामला नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति एस.के. पाणिग्राही की एकल पीठ ने आरोपी पंकज चौधरी द्वारा दायर अपील पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। इसके साथ ही उच्च न्यायालय ने निचली अदालत द्वारा आरोपी को दी गई 10 साल की कठोर कारावास की सजा को रद्द करते हुए उसे तुरंत रिहा करने का आदेश जारी किया है।

मामले के अनुसार, पीड़ित महिला के पति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 21 मई, 2022 को जब वह बाली यात्रा देखने गया था, तब आरोपी पंकज चौधरी ने उसके घर में घुसकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद जाजपुर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट) ने जुलाई 2025 में पंकज चौधरी को दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई थी। आरोपी ने इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और साक्ष्यों की गहन जांच के बाद पाया कि मामले की परिस्थितियां पूरी तरह से आपसी सहमति (कंसेंसुअल रिलेशनशिप) की ओर इशारा करती हैं। अदालत ने साफ कहा कि सहमति से बने संबंधों को बाद में नाराजगी या किसी अन्य वजह से दुष्कर्म का नाम नहीं दिया जा सकता। फैसले में कोर्ट ने मुख्य बिंदुओं को रेखांकित करते हुए बताया कि चिकित्सकीय परीक्षण में पीड़िता के शरीर पर संघर्ष या चोट के कोई निशान नहीं मिले।

इसके अलावा, घटना और एफआईआर दर्ज कराने के बीच हुई देरी को लेकर अभियोजन पक्ष कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका। साथ ही, पीड़िता ने स्वयं स्वीकार किया कि आरोपी उसके पति का परिचित था और अक्सर उनके घर आता-जाता था। इन साक्ष्यों के आधार पर हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को खारिज कर पंकज चौधरी को बरी कर दिया। मामले में अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुबोध कुमार मोहंती ने पैरवी की।

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को दिया बड़ा झटका

विनेश फोगाट मैट पर लौटेंगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 2026 एशियन गेम्स के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी. ये ट्रायल्स 30 और 31 मई को आयोजित होने हैं. जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यह आदेश उस याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसे भारतीय कुश्ती महासंघ ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर किया था. हाईकोर्ट ने पहले ही विनेश फोगाट को ट्रायल्स में भाग लेने की इजाजत दी थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि विनेश फोगाट का मामला सामान्य खिलाड़ियों से अलग है, क्योंकि उन्होंने देश को कई मौकों पर गौरवान्वित किया है. कोर्ट ने कहा कि अगर कोई और खिलाड़ी होता तो मामला अलग होता. उन्होंने देश का नाम रोशन किया है. हालांकि, कोर्ट ने खेल मामलों में बार-बार न्यायिक हस्तक्षेप को लेकर चिंता भी जताई. जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि आप शानदार रेसलर हैं, आपने देश को गर्व महसूस कराया है, लेकिन देश पहले है. हाईकोर्ट पूरे शेड्यूल को बाधित नहीं कर सकता।

बाढ़ आपदा राहत एवं प्रबंधन को लेकर हुई अधिकारियों की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षा ऋतु के दौरान अतिवर्षा एवं बडे जलाशयों से नदियों में पानी छोडे जाने के कारण बाढ की स्थिति निर्मित होने पर बचाव एवं राहत प्रबंधन के लिए कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 29 मई को अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई और इसमें आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी एवं बाढ आपदा प्रबंधन से जुडे सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से इस बैठक में उपस्थित थे।

बाढ प्रभावित ग्रामों की जानकारी

बैठक में बताया गया कि वैनगंगा, घिसर्री, देवनदी, सोननदी, मानकुंवर, चंदन, बाघ, महकारी, नदी में बाढ आने से बालाघाट तहसील के मगरदर्रा, तुमडीटोला, रोशना, टवेझरी, जागपुर, कुम्हारी, खैरी, बूढी(डीमरटोला), गायखुरी, हीरापुर, अमेडा, चिचगांव, भमोडी, गोंगलई, भानपुर, खुटिया, कटंगी, लिंगा, देवरी, हट्टाटोला, छिंदगांव, मंगोलीकला, नेवरगांव कला, धडी, भालेवाडा, चरेगांव, घंघरिया, बकवाडा, देवसर्रा, सकरी, तीनगढी, नगरवाडा, वारासिवनी तहसील के ग्राम दीनी, पुनी, सिकंद्रा, किरनापुर तहसील के ग्राम बटरमारा, खारा, बोडुंदाकला, देवगांव, परसवाडा, कोस्ते, कटंगी, मुर्री, बक्कर, नीलागोंदी, बम्हनवाडा, मुण्डेसरा, मुरकुटा, जामडी, ढोरिया-परसवाडा, बिनोरा, कडकना, बोरगांव, पल्हेरा, अकोला, गुवा, पिपलगांव, पौनी, सर्रा, मौदा, बगडमारा, कोहका, लांजी तहसील के ग्राम टेमनी, कोचेवाही, बडगांव, दुल्हापुर, पौसेरा, देवरबेली, नेवरवाही, बेलगांव, देवलगांव, लोडामा, बहेला, ठेमा, अमेडा, मिरिया, टेकेपार, कारंजा, दहेगांव, कटंगी, रिसेवाडा, औंधियाटोला, खैरलांजी तहसील के ग्राम चिचोली, कुम्हली, मानेगांव, मोवाड, किन्ही, टेमनी, सावरी, अतरी, चुटिया, डोंगरिया, गुनई, घोटी, फुटारा, लावनी एवं लालबर्रा तहसील के ग्राम धपेरा प्रभावित होते है।

कंट्रोल रूम की स्थापना एवं व्यवस्था

बैठक में बताया गया कि बाढ आपदा नियंत्रण एवं राहत के लिए कलेक्?ट्रेट कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 07632-240102 है। इसके साथ ही सभी तहसील स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनाये गए है। यह सभी कंट्रोल रूम 01 जून से 24 घंटे चालू रहेंगे। कंट्रोल रूम में अलग अलग शिफ्ट में कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी जाएगी।

वर्षा ऋतु से पूर्व पुल-पुलियों की मरम्मत एवं सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि वर्षा ऋतु के पूर्व सभी संबंधित विभाग क्षतिग्रस्त पुल पुलियों की मरम्मत एवं सुधार कार्य करवा ले। वर्षा के दिनों में जिन पुल पुलियों पर बाढ का पानी आ जाता है, वहाँ पर बाढ की स्थिति में पुल पार न करने संबंधी नोटिस बोर्ड या सूचना पटल अनिवार्य रूप से लगाया जाए। इसके साथ ही बाढ की स्थिति में ऐसे पुल पुलियों के दोनो ओर बेरिकेट लगाकर आवागमन को रोकने की व्यवस्था की जाए और उसके लिए स्थानीय स्तर पर कर्मचारी नियुक्त किया जाए। नगरीय क्षेत्रों में वर्षा एवं बाढ की स्थिति में कहीं भी जल भराव न हो इसके लिए नालों एवं नालियों की सफाई करने एवं जल निकासी के मार्ग पर किये गए अतिक्रमण को सख्ती से हटाने के निर्देश दिये गए।

राहत शिविर एवं बचाव कार्यों की तैयारी करने के निर्देश

बैठक में निर्देशित किया गया कि बाढ एवं आपदा की स्थिति में बचाव राहत के लिए कोई भी व्यक्ति कंट्रोल रूम में मदद के लिए सम्पर्क कर सके इसके लिए जिला एवं तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहना चाहिए। बाढ की स्थिति में जिन ग्रामों में पानी भर जाता है और वहां के लोगो को अन्य स्थान पर शिफ्ट करना पडता है इसके लिए ऊंचे स्थानों पर भवन चिन्हित करने कहा गया। प्रभावित लोगो के लिए राहत शिविर चलाने, राशन एवं अन्य सामग्री की व्यवस्था करने कहा गया। बाढ की स्थिति में बचाव एवं राहत के लिए होमगार्ड के जवानों की टीम जिले के विभिन्न मुख्य स्थलों पर तैनात रखने कहा गया। इसके साथ ही सभी तहसीलों में स्थानीय स्तर पर बचाव एवं राहत के लिए तैराक एवं गोताखोर चिन्हित करने के निर्देश दिये गए। वर्षा ऋतु में पहुंच विहिन ग्रामों के लिए तीन माह के खाद्यान्न का अग्रिम भण्डारण करने के निर्देश दिये गए।

जोखिम वाले स्थलों पर सतर्कता के निर्देश

बैठक में निर्देशित किया गया कि वर्षा एवं बाढ की स्थिति में कोई भी व्यक्ति जोखिम वाले स्थानों पर नहाने एवं पिकनिक आदि के लिए न जाए, इसके पुख्ता इंतजाम किये जाए। स्थानीय स्तर पर पंचायत सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक इसके लिए सतर्क एवं सतर्कता से कार्य करने कहा गया। जिले के वनक्षेत्रों में स्थित झरने आदि में कोई भी व्यक्ति नहाने न जाए इसके लिए वन विभाग को समुचित कार्यवाही करने कहा गया।

जलाशयों से पानी छोड़े जाने की सूचना समय पर दी जाए

अतिवर्षा की स्थिति में बडे जलाशयों से नदियों में पानी छोडे जाने की सूचना समय पर प्रभावित होने वाले ग्रामों तक पहुंचाने की व्यवस्था करने कहा गया। इसके लिए कंट्रोल रूम एवं सभी संबंधित विभागों को आपस में समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये गए। जिससे सूचनाओं का त्वरित आदान प्रदान हो सके।

सांप काटने पर झाडफूंक न कराये तत्काल अस्पताल जाए

वर्षा ऋतु के दौरान सांप काटने की घटनाओं को देखते हुए लोगो को झाडफूंक एवं पंडेपुजारी के चक्कर में न पडकर तुरंत अस्पताल पहुंचने के लिए जागरूक करने कहा गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी स्नेक वेनम के पर्याप्त डोज उपलब्ध रखे। इसी प्रकार वर्षा के दिनों में कुओं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण मौत होने की घटनाये होती है, इसकी रोकथाम के लिए किसानों एवं ग्रामीणों को कुए में जहरीली गैस की जांच के बाद ही उतरने के लिए जागरूक करने कहा गया।

बालाघाट के नवाज खान बॉलीवुड फिल्म गवर्नर में आएंगे नजर

मनोज बाजपेयी अभिनित फिल्म में निभाया अहम किरदार, थिएटर से मुंबई तक का सफर किया तय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश के वर्ष 1998 के आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि पर आधारित अभिनेता मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म गवर्नर में बालाघाट की माटी से जुड़े युवा कलाकार नवाज खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में उस दौर की आर्थिक परिस्थितियों और तत्कालीन आरबीआई गवर्नर, प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव तथा वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने की कहानी को दर्शाया गया है। बताया जा रहा है कि फिल्म जून माह में रिलीज होगी। फिल्म में काम करने वाले युवा कलाकार नवाज खान ने बालाघाट पहुंचकर अपने फिल्मी सफर, संघर्ष और आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर पत्रकारों से चर्चा की। नवाज खान ने बताया कि उनका किरदार भले छोटा हो, लेकिन कहानी में वह काफी महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि फिल्म देखने के बाद ही दर्शकों को उनके किरदार की अहमियत समझ आएगी। बालाघाट में थिएटर से जुड़कर अभिनय की शुरुआत करने वाले नवाज खान, नेवी अधिकारी मोहम्मद फैयाज खान के पुत्र हैं। उन्होंने बालाघाट के केंद्रीय विद्यालय से आठवीं तक की पढ़ाई की, जिसके बाद परिवार राजनांदगांव चला गया। कला और रंगमंच के माहौल में पले-बढ़े नवाज को शुरू से अभिनय का शौक था। यही कारण रहा कि उन्होंने थिएटर को अपने करियर का आधार बनाया। नवाज खान ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) से थिएटर में मास्टर्स किया और परिवार की सहमति के बाद अपने सपनों को पूरा करने मुंबई पहुंचे। उन्होंने बताया कि मुंबई में शुरुआती दौर आसान नहीं था। लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा और कई बार निराशा भी हाथ लगी, लेकिन अभिनय के जुनून ने उन्हें कभी हार नहीं मानने दी। उन्होंने बताया कि लगातार प्रयासों के बाद कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के माध्यम से उन्हें गवर्नर फिल्म में काम करने का अवसर मिला। नवाज का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री में सफलता उन्हीं को मिलती है जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर डटे रहते हैं। उन्होंने युवा कलाकारों को संदेश देते हुए कहा कि थिएटर अभिनय की सबसे मजबूत पाठशाला है और यही कलाकार को वास्तविक रूप से निखारता है। वर्तमान में वह एक नए प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहे हैं, हालांकि उन्होंने उसके बारे में अधिक जानकारी साझा नहीं की। वहीं नवाज खान के पिता फैयाज खान भी लंबे समय से रंगमंच से जुड़े रहे हैं। नेवी सेवा के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में रहते हुए उन्होंने कई नाटकों में अभिनय किया। विशाखापट्टनम और पोर्ट ब्लेयर अंडमान में भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित नाटकों में उन्होंने भगवान राम की भूमिका निभाकर अपनी अभिनय प्रतिभा का परिचय दिया।

दो दिनो से लापता मोटर मैकेनिक का शराब दुकान के पीछे मिला शव

अक्सर घर से गायब रहता था हुकुमचंद्र,हट्टा थाना का मामला

पीएम के बाद परिजनों के सुपुर्द किया गया शव, मामले की जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा पुलिस ने पिछले 2 दिनों से लापता मोटर मैकेनिक का शव ,थाना क्षेत्र की एक शराब दुकान के पीछे से बरामद किया है।मृतक का नाम मराठा बूढ़ी निवासी 45 वर्षीय हुकुमचंद्र पिता युवलाल हरिन्द्रवार बताया गया है।जिसके शव का शुक्रवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।वही पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।बताया जा रहा है कि पत्नी के मायके जाने के बाद से हुकुमचंद आए दिनों शराब के नशे में रहता था, जो अक्सर 2-3 दिनो तक घर नही आता था।

हुकुमचंद्र को छोड़कर पिछले 5 वर्षो से मायके में रह रही थी पत्नी

प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब 20 वर्ष पूर्व हुकुमचंद्र का विवाह हुआ था, जबकि बीते 5 सालो से पत्नी अपने मायके भरवेली रह है।जो पति हुकुमचंद्र को शराब की आदत के कारण छोड़ गई थी।पत्नी द्वारा छोड़े जाने के बाद हुकुमचंद्र अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन करने लगा था।जो अक्सर घर नही जाता था।वही पिछले 2 दिनों से वह घर नही गया था।जिसका शव शराब दुकान के पीछे से बरामद किया गया है।हुकुमचंद्र की मौत की जानकारी परिजनों को पुलिस ने दी। जिसके बाद अग्रिम कार्यवाही कर पुलिस ने शव को बरामद कर पीएम के लिए जिला अस्पताल लाया। जहां उसके शव का पीएम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। घटना की जानकारी के बाद आज पीएम के दौरान परिजन और ग्रामवासी मौजूद रहे।

अत्यधिक मात्रा में शराब के सेवन से मौत होने की शंका जता रहे परिजन

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान भाई नागेन्द्रसिंह ने बताया कि हालिया दिनो में हुकुमचंद्र, ज्यादा शराब पीने लगा था। जिससे संभावना व्यक्त की जा रही है कि हुकुमचंद्र ने शराब पी होगी और गर्मी के कारण, समय पर पानी नहीं मिलने से उसकी मौत हो गई।उन्होंने आगे बताया कि अक्सर, भाई के घर नहीं आने के कारण, ज्यादा फिक्र नहीं होती थी। चूंकि अक्सर वह समीपस्थ रिश्तेदारों के यहां चले जाते थे और बाद में घर लौट जाते थे। दो दिन पहले, घर से निकले थे। जिसके बाद पुलिस से हमें सूचना मिली कि भाई का शव शराब भट्टी के पीछे पड़ा हैं।

पुलिस द्वारा हर एंगल से जांच करने की कही जा रही बात

औपचारिक चर्चा के दौरान पुलिस ने बताया कि अभी मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है, मामले की जांच और पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वास्तविकता का पता चल पाएगा कि हुकुमचंद्र की मौत, कब और कैसे हुई है। मृतक की मौत की जांच हर एंगल से की जाएगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापुर, जिला बालाघाट म.प्र.

रा0प्र0क0/0012/ड-154/वर्ष 2025-26 साकिन: मडकापार प0ह0नं0. 34
रा0नि0मं0 माटे तहसील किरनापुर

// समाचार पत्र प्रकाशन //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चिंतामन पिता रूपचंद जाति पंवार निवासी ग्राम मडकापार तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. द्वारा अपनी माताजी केशर पति रूपचंद बघेले की मृत्यु दिनांक 24/04/2024 को ग्राम मडकापार में मृत्यु हो जाने से मत्युु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अत: उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 28/05/2026 को या तो स्वयं, किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जायेंगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 13/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

आवश्यकता है
- पाईप शोरूम कार्य हेतु युवक-02 पद, वेतन-10,000+
- पाईप शोरूम कार्य हेतु युवती-02 पद, वेतन-7,000+

नोट-अनुभवी को प्राथमिकता
दुकान का समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 08.30 बजे तक
आदिनाथ इंटरप्राइजेज
श्याम टॉकीज के पीछे, इतवारी गंज, बालाघाट
9424766066

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई . की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

कान्हा नेशनल पार्क में पदस्थ डॉक्टर पर कर्मचारी ने लगाया मारपीट का आरोप

एसपी कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर की कार्रवाई की मांग, आदिवासी नेता कोर्राम ने भी जताई नाराजगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कान्हा नेशनल पार्क के मुक्की गेट क्षेत्र में कार्यरत एक दैनिक मजदूर ने, पार्क में पदस्थ डॉक्टर पर गाली गलौज कर मारपीट करने, और उसे जातिगत रूप से प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। मामले में आदिवासी नेता भुवन सिंह कोर्राम के साथ शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पीड़ित कर्मचारी ने एक ज्ञापन सौपा है जिंसमे कर्मचारी ने आरोपी डॉ के खिलाफ अनुसूचित जनजाति अत्याचार अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मुक्की निवासी रायसिंह उइके, जो कान्हा नेशनल पार्क मुक्की गेट अंतर्गत दैनिक मजदूर के रूप में कार्यरत है, जिनका आरोप है कि 26 मई की सुबह लगभग 10 बजे वह पार्क क्षेत्र स्थित टाइगर रूम (कैंच) की सफाई कर रहा था। इसी दौरान वहां डॉ, परिक्षेत्र अधिकारी एवं अन्य अधिकारी पहुंचे। सफाई के दौरान किसी बात को लेकर डॉ. नाराज हो गए और गाली-गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की। घटना से आहत होकर वह तत्काल थाना बैहर पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन उसकी शिकायत दर्ज नहीं की गई।

सीसीटीवी फुटेज में कैद है पुरी घटना, न्याय दिलाया जाए- रायसिंह उइके

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान कर्मचारी रायसिंह उइके ने बताया कि वह अनुसूचित जनजाति वर्ग से आता है और उसके साथ जातीय दुर्भावना के चलते अभद्र व्यवहार एवं मारपीट की गई। उसने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना स्थल पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जिनकी फुटेज में पूरी घटना कैद है। पीड़ित ने फुटेज की जांच कराने की मांग भी उठाई है।उन्होंने आगे बताया कि इससे पूर्व भी वन विभाग के एक अधिकारी द्वारा मारपीट की घटना सामने आई थी, लेकिन शिकायत के बाद भी मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो सकी थी। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही कर उन्हें न्याय दिलाए जाने की मांग की है।

निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर की जाए कड़ी कार्यवाही- कोर्राम

इधर मामले को लेकर आदिवासी नेता कोर्राम ने भी नाराजगी जाहिर की है। ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान आदिवासी नेता कोर्राम ने बताया की आदिवासी कर्मचारियों को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है, जो बेहद गंभीर विषय है। भारत देश सहित बालाघाट में लगातार आदिवासियों पर अत्याचार हो रहे हैं, उन्होंने प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर मामले में आरोपी चिकित्सक के विरुद्ध अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर न्याय दिलाने और संबंधित चिकित्सक पर कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट

भवन हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि वैनगंगा कॉलोनी सिकंदरा वारासिवनी जिला बालाघाट स्थित भवन क्रमांक LIG-60 श्री संतोष सचदेव को इस कार्यालय के आदेश क्रं.373 दिनांक 16/05/2016 के द्वारा आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 20/03/2019 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है, उक्त भवन श्री संतोष सचदेव पिता स्व. श्री भोजराज सचदेव ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 26/05/2026 के माध्यम से श्रीमती चंद्रशिला शकरपूडे पति श्री चितरंजन शकरपूडे को विक्रय किया है। अत: श्रीमती चंद्रशिला शकरपूडे द्वारा उक्त भवन की लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज आवेदन/इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है, यदि व्यक्ति संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवनभूखण्ड/) बावत आपत्ति हो, तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

संपदा अधिकरी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना
विकास मंडल संभाग बालाघाट।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

तेज रफ्तार यात्री बस ने मोटरसाइकिल को चपेट में लिया-पीजी कॉलेज के एक छात्र की मौत-दो घायल

तीनों दोस्त एक ही मोटरसाइकिल में लौट रहे थे बालाघाट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र अंतर्गत बालाघाट रोड पर ग्राम चिखलाझोड़ी के पास जंगल में शुक्रवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बालाघाट की ओर से आ रही तेज रफ्तार यात्री बस ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य छात्र घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बस चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतक छात्र महेश मरावी पिता भवन सिंह मरावी 19 वर्ष ग्राम बीजाटोला थाना बिरसा निवासी है। घायल छात्र नितिन पिता खूबसियाल परते 18 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है एक अन्य छात्र शिवम पिता बुधन सिंह मरावी 20 वर्ष को मामूली चोटें आई। दोनों छात्र ग्राम बरझरी कोना बिरसा निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश मरावी, नितिन परते और शिवम मरावी तीनो दोस्त हैं। तीनों बालाघाट में रहकर पीजी कॉलेज में पढ़ाई करते हैं। महेश बीए प्रथम वर्ष का छात्र था जबकि शिवम बीकॉम का छात्र है। ये तीनों छात्र इन दिनों अपने घर गए हुए थे। 29 मई को शाम करीब 4:30 बजे तीनों एक ही मोटरसाइकिल से अपने घर से बालाघाट लौट रहे थे। मोटरसाइकिल महेश मरावी चला रहा था। चिखलाझोड़ी जंगल के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार यात्री बस ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। बस की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महेश मरावी और नितिन परते गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि शिवम मरावी को मामूली चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने महेश मरावी को मृत घोषित कर दिया। घायल नितिन परते को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। शिवम को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई रात होने के कारण जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक छात्र महेश मरावी का शव कब्जे में लेकर फीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। शव का पोस्टमार्टम 30 मई को किया जाएगा। इस मामले की आगे जांच रूपझर पुलिस द्वारा की जा रही है बस को जप्त कर लिया गया है।

बढ़ते विद्युत लोड से राहत की तैयारी, शहर में लगेंगे नए ट्रांसफार्मर

एमपीईबी अधिकारियों और नपा. अध्यक्ष ने किया निरीक्षण, लो-वोल्टेज और ओवरलोडिंग समस्या दूर करने बनी कार्ययोजना

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर में लंबे समय से चली आ रही विद्युत समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में नगर पालिका और विद्युत विभाग ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। शहर में लगातार बढ़ रही बिजली की मांग, ओवरलोडिंग, लो-वोल्टेज और बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने जैसी समस्याओं को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने एमपीईबी के सहायक अभियंता अंकित मार्को एवं कनिष्ठ अभियंता अविनाश देशमुख के साथ नगर के विभिन्न वार्डों और क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्युत वितरण व्यवस्था का जायजा लेने के साथ-साथ आगामी आवश्यकताओं को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि नगर के कई हिस्सों में वर्तमान में स्थापित 100 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों पर आवश्यकता से अधिक लोड आ रहा है, जिसके कारण नागरिकों को लो-वोल्टेज, बार-बार बिजली बाधित होने और ट्रांसफार्मर जलने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के निराकरण के लिए अब कई क्षेत्रों में ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। गौसनगर टावर क्षेत्र, कन्हार टोला वार्ड क्रमांक 4, करुणा नगर वार्ड क्रमांक 13 में बूढ़ी रमेश पांडे जी के घर के पास तथा मार्डीकर गली में जैन मैडम के पास स्थित 100 केवीए ट्रांसफार्मरों को बढ़ाकर 200 केवीए किया जाएगा। इसके अलावा नगर के कई वार्डों में नए ट्रांसफार्मर भी लगाए जाएंगे। वार्ड क्रमांक 32 में जैन बेकरी के पास दुर्गा मंदिर क्षेत्र में 200 केवीए, वार्ड क्रमांक 26 में गायत्री मंदिर के सामने 200 केवीए, वार्ड क्रमांक 25 में गायत्री मंदिर के पीछे 200 केवीए, वार्ड क्रमांक 24 के सागौन वन क्षेत्र में 100 केवीए, इंदिरा नगर स्थित विवेक ज्योति स्कूल के पास 200 केवीए तथा वार्ड क्रमांक 3 बैहर रोड

स्थित अंजुमन शादी हॉल के पास 200 केवीए क्षमता के नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 25 में गायत्री मंदिर के पीछे नया 315 केवीए एवं 200 केवीए ट्रांसफार्मर पहले ही स्थापित किया जा चुका है, जिससे स्थानीय उपभोक्ताओं को तत्काल राहत मिलने लगी है। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि पूर्व में गायत्रीपुरी एवं निर्मल नगर क्षेत्रों में भी विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए आवश्यक कार्य किए जा चुके हैं, जिनका लाभ अब नागरिकों को मिल रहा है। नई कार्ययोजना पूरी होने के बाद शहर के मध्य क्षेत्र सहित वार्ड क्रमांक 1, 3, 4, 10, 11, 24, 25, 26, 27, 28, 32 और 33 के अलावा बैहर रोड, भटेरा रोड, बूढ़ी, देवटोला, सरेखा तथा आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से बनी ओवरलोडिंग और लो-वोल्टेज की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। इससे उपभोक्ताओं को अधिक सुचारू, गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष को अवगत कराया कि नगर के कई स्थानों पर ट्रांसफार्मरों के नीचे और आसपास दुकानें संचालित की जा रही हैं, जो सुरक्षा की दृष्टि से बेहद खतरनाक हैं और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। इस पर नगर पालिका अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी स्थानों को तत्काल चिन्हित कर ट्रांसफार्मरों के नीचे अथवा आसपास संचालित अवैध दुकानों को हटाने की सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि नगर में लगातार बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत विद्युत अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। बैहर रोड पर नवीन विद्युत उपकेंद्र यानी सब-स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसे शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इसके शुरू होने से नगर की विद्युत वितरण व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा बढ़ते विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। इसके साथ ही नगर में चरणबद्ध तरीके से पुराने, जर्जर और खुले विद्युत तारों को हटाकर एबी केबल लगाने की योजना पर भी कार्य किया जाएगा। इससे बिजली आपूर्ति अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बनेगी तथा दुर्घटनाओं की संभावना में भी कमी आएगी।

अलग-अलग वार्डों में नए ट्रांसफार्मर लगाये जायेगें - भारती

नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने कहा कि बीते कुछ दिनों से भीषण गर्मी के कारण शहर में बिजली का लोड काफी बढ़ गया था। इसके चलते कई वार्डों में ट्रांसफार्मर खराब होने और तकनीकी समस्याएं सामने आई थीं। अब विभाग के साथ मिलकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत अलग-अलग वार्डों में नए ट्रांसफार्मर लगाने और क्षमता वृद्धि के कार्य किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि योजना पूरी होने के बाद शहर के अधिकांश क्षेत्रों में विद्युत समस्याओं का स्थायी समाधान होगा और नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी।

वन विभाग पश्चिम बैहर सामान्य ने की आमगांव में छापेमार कार्यवाही

अवैध काष्ठ चिरान एवं भंडारण जप्त कर, 3 आरोपियों के खिलाफ बनाया प्रकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वन परिक्षेत्र पश्चिम बैहर सामान्य के अंतर्गत आने वाले वृत बैहर भाग-II के बीट परसाटोला में, वनकर्मियों ने छापेमार कार्यवाही करते हुए लाखों रुपए कीमत के अवैध काष्ठ चिरान जप्त किए हैं। जिन्हें बिना किसी अनुमति व शासकीय दस्तावेज के अवैध तौर पर अपने पास रखने और उन चिरान से घरेलू सामान बनाने के आरोप में वनकर्मियों ने तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण बनाया है।आरोपियों में आमगांव निवासी छबिलाल पिता लखन सिंह धुर्वे, रूपलाल पिता लखन सिंह धुर्वे, और बाबा मंडी निवासी संतोष पिता मंगरू सहारे,के नाम का शमावेश है जिनके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उक्त चिरान काष्ठ एवं 02 नग चिरान आरा जप्त किए गए है। प्रकरण में पी.ओ.आर. क्रमांक 2681/23 दि. 29 मई जारी कर इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

तीन टीमों का गठन कर, की छापेमार करवाई

बताया गया कि मुखबिर ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी थी, कि कुछ लोग जंगल जाकर वहां लगे पेड़ों की अवैध रूप से कटाई कर,उन पेड़ों का उपयोग चिरान बनाने और घरेलू आवश्यक सामग्री बनाने में कर रहे हैं।वहीं उन सामग्रियों को ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है।मुखबिर से मिली इसी सूचना पर उपवन मंडलाधिकारी बैहर सामान्य के मार्गदर्शन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी पश्चिम बैहर सामान्य के निर्देशन में 3 टीमो का गठन किया गया था।जो टीम वन कक्ष क्रमांक 1561 के समीप तत्तीर नदी राजस्व क्षेत्र आमगांव बस्ती पहुची, जहां इस टीम ने छापेमार कार्यवाही कर, घर पर छिपाकर रखी गई अवैध काष्ठ चिरान जप्त की है।

कार्यवाही से बचने आरोपी भागने का कर रहे प्रयास, घेराबंदी कर पकड़ा गया

बताया गया कि मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वृत बैहर भाग-II के स्टाफ द्वारा रणनीति के तहत तीन अलग-अलग टीमों का गठन कर आरोपियों की घेराबंदी की गई। कार्यवाही के दौरान आरोपियों को बीजा काष्ठ का अवैध चिरान करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपियों द्वारा टीम को देख मौके से भागने का प्रयास किया गया, किंतु टीम की तत्परता एवं मुस्तैदी से उन्हें तत्काल पकड़ लिया गया।छापेमार कार्यवाही के दौरान इस टीम ने मौके से बीजा सिल्वी 01 नग एवं बीजा लट्ठा 01 नग, कुल 02 नग, कुल आयतन 0.395 घनमीटर अवैध लकड़ी जप्त की गई। काष्ठ संबंधी किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर आरोपियो के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

आरोपी के मकान हाथ बाड़ी में भी छिपाकर रखी गई थी अवैध चिरान

उधर उपवन मंडलाधिकारी बैहर सामान्य द्वारा जारी सर्च वारंट क्रमांक 4432 दिनांक 29 मई के पालन में, वन परिक्षेत्र अधिकारी के निर्देशन में आरोपी संतोष सहारे पिता मंगरू सहारे के मकान एवं हाथा-बाड़ी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान खमेर चिरान 28 नग, कुल आयतन 0.168 घनमीटर अवैध काष्ठ बरामद किया गया। संबंधित काष्ठ के वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर उक्त सामग्री जप्त कर पी.ओ.आर. क्रमांक 2681/24 दिनांक 29मई जारी किया गया।दोनों प्रकरणों की जप्त वनोपज को वन चौकी परसा टोला में सुरक्षित जमा कराया गया।

कार्यवाही में इनका रहा सरहानीय योगदान

उक्त कार्यवाही में अरुणेंद्र शेखर तिवारी, परिक्षेत्र सहायक बैहर भाग-II, अक्षय कुमार यादव वनरक्षक एवं बीट प्रभारी बला/परसाटोला द्वारा जप्ती एवं पी.ओ.आर. की कार्यवाही संपादित की गई। साथ ही संतोष सरोते (बीट पिपरिया), संतोष मेरावी (बीट तुमडीभाट), सूरज नायक (बीट बैहर) एवं सुरक्षा श्रमिक बुधराम, विजय, जियालाल, नागेश एवं घनश्याम का सराहनीय योगदान रहा।

आदिवासियों को वनवासी कहने का मप्र आदिवासी विकास परिषद ने जताया विरोध

केंद्रीय ग्रहमंत्री अमित शाह का फूंका पुतला, की जमकर नारेबाजी कहा- हम वनवासी नही आदिवासी है, इस देश के मूल निवासी है

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा आदिवासियों को वनवासी कहकर संबोधित किए जाने का विरोध पूरे देश मे देखने को मिल रहा है जहां समाज संगठन द्वारा उनके इस बयान पर आपत्ति जताते हुए जगह-जगह उनका पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है जिसका एक नजारा शुक्रवार को बालाघाट नगर में भी देखने को मिला जहां मप्र आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले,सामाजिक बंधुओ ने नगर के काली पुतली चौक में केंद्रीय ग्रहमंत्री अमित शाह के खिलाफ जमकर नारीबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया।प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। पदाधिकारियो ने बताया कि देश के सभी आदिवासी आदिवासी हैं, वनवासी नहीं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहने के पीछे एक सुनियोजित सोच काम कर रही है।

दिल्ली के आदिवासी सांस्कृतिक सम्मेलन में दिए गए बयान का जताया विरोध

आपको बताए कि पिछले दिनों रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की प्रमुख उपस्थित में दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला परिसर में जनजाति सांस्कृतिक समागम' (आदिवासी सांस्कृतिक सम्मेलन) का आयोजन किया गया था इस सम्मेलन को स्वयं केंद्रीय ग्रहमंत्री अमित शाह ने संबोधित किया था, आरोप है कि सम्मेलन को संबोधित करने के दौरान उन्होंने आदिवासियों को वनवासी कहकर सम्बोधित किया, जिसका विरोध आदिवासी समाज व उनके संगठनों द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन करके किया गया है जिसको लेकर शुक्रवार की शाम करीब 5.30 बजे, आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले, पदाधिकारी व सामाजिक बन्धु एकत्र हुए, जिन्होंने काली पुतली चौक पर गृहमंत्री का प्रतिकात्मक पुतला दहन किया।

वनवासी कहा जाना आदिवासियों का अपमान है- दिनेश धुर्वे

पुतला दहन को लेकर की गई चर्चा के दौरान मप्र आदिवासी विकास परिषद, अध्यक्ष दिनेश धुर्वे, और आदिवासी महिला कांग्रेस,जिला अध्यक्ष श्रीमती सन्देश सैयाम ने संयुक्त रूप से बताया कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा आदिवासियों को वनवासी कहे जाने से नाराज सामाजिक लोगो ने गृहमंत्री का पुतला दहन किया है। हम देश के मूलनिवासी है, हम आदिवासी है वनवासी नहीं। उन्होंने बताया कि हम किसी भी कीमत में आदिवासी को वनवासी कहे, जाना बर्दाश्त नहीं करेंगे। गृहमंत्री आदिवासियों को वनवासी कह रहे है, जो आदिवासियों का अपमान है। उसी के विरोध में आज उनका पुतला दहन किया गया है।

भैंस धोने गए एक व्यक्ति की ताला में डूबने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खोड़सिवनी में तालाब में भैंस को धोने गए इसी ग्राम के एक व्यक्ति नरेश पिता फूलचंद तिवड़े की तालाब में डूबने से मौत हो गई। हट्टा पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर के परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेश अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करता था जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं बताया गया है कि नरेश अपने घर की भैंस चराने के लिए जाता था रोज की तरह 29 मई को सुबह अपने नरेश अपने घर की भैंस चराने के लिए ले गया था और भैंस चराने के बाद 11 बजे वह अपने गांव के देवी तालाब में भैंस को धोने के लिए ले गया था किंतु भैंस तालाब के गहरे पानी में चली गई। जिसे निकालने के लिए नरेश तालाब में घुसा किंतु गहराई में जाने से वह निकल नहीं सका और उसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई। खबर मिलती है गांव मोहल्ले के लोग दौड़े और नरेश को बाहर निकले किंतु तब तक उसकी मौत हो चुकी थी सूचना मिलते ही हट्टा पुलिस थाने से सहायक उप निरीक्षक विजय पटले स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और शव पंचनामा करवाई पश्चात नरेश का शव जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए। धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

महिला कांग्रेस में नई टीम गठन की तैयारी, सक्रिय महिलाओं को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

प्रभारी मंजू मिश्रा आज लेंगी बैठक, संगठन विस्तार और नई कार्यकारिणी पर होगा मंथन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में महिला कांग्रेस संगठन को एक बार फिर सक्रिय और मजबूत बनाने की कवायद तेज हो गई है। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा मंजू मिश्रा को बालाघाट जिले का प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद संगठन विस्तार और नई कार्यकारिणी गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रभारी मंजू मिश्रा 30 मई को पहली बार बालाघाट प्रवास पर पहुंचेंगी, जहां वे महिला कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और पार्टी से जुड़ी सक्रिय महिलाओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगी। जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव शफकत खान ने जानकारी देते हुए बताया कि दोपहर 3 बजे स्थानीय सर्किट हाउस में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जिलेभर की महिला कांग्रेस सदस्य, पूर्व पदाधिकारी और सक्रिय महिला कार्यकर्ता शामिल होंगी। इस दौरान महिला कांग्रेस संगठन को बूथ और वार्ड स्तर तक मजबूत करने, नई कार्यकारिणी गठन तथा संगठन में सक्रिय महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बताया जा रहा है कि लंबे समय से जिले में महिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का गठन नहीं हो पाने के कारण संगठनात्मक गतिविधियां लगभग ठप पड़ी थीं। कई महिला कार्यकर्ता लगातार संगठन को सक्रिय करने और नई जिम्मेदारियां तय किए जाने की मांग उठा रही थीं। अब प्रदेश नेतृत्व के निर्देश के बाद महिला कांग्रेस को नए स्वरूप में पुनः सक्रिय करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार बैठक में उन महिलाओं के नामों पर विशेष रूप से चर्चा हो सकती है जो लंबे समय से पार्टी और संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। पार्टी कार्यक्रमों, आंदोलनों और जनसंपर्क अभियानों में लगातार भागीदारी निभाने वाली महिलाओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां मिलने की संभावना जताई जा रही है। माना जा रहा है कि प्रभारी मंजू मिश्रा अपने बालाघाट दौरे के दौरान सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं की सूची तैयार करेंगी और बाद में इन्हीं नामों के आधार पर नई महिला कांग्रेस कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। महिला कांग्रेस प्रभारी के दौरे को लेकर जिले की महिला कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। कई महिला नेता इसे संगठन में नई ऊर्जा भरने और निष्क्रिय पड़ी महिला कांग्रेस इकाई को पुनर्जीवित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मान रही हैं। राजनीतिक जानकारों का भी मानना है कि इस बैठक के बाद जिले में महिला कांग्रेस की नई टीम जल्द घोषित हो सकती है। हालांकि राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी बनी हुई है कि बीते दिनों प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी से खुर्शीद अंसारी भी बालाघाट प्रवास पर पहुंची थीं। उस दौरान भी महिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी और संगठन विस्तार को लेकर चर्चाएं तेज हुई थीं, लेकिन उनके दौरे के बाद संगठन में कोई बड़ा बदलाव या सक्रियता दिखाई नहीं दी। महिला कांग्रेस कार्यकारिणी गठन को लेकर भी कोई ठोस हलचल सामने नहीं आई थी। ऐसे में अब सभी की नजरें प्रभारी मंजू मिश्रा के इस दौरे पर टिकी हुई हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि क्या यह दौरा महिला कांग्रेस संगठन को नई दिशा और मजबूती देगा या फिर पूर्व दौरों की तरह यह बैठक भी केवल चर्चा तक सीमित रह जाएगी। फिलहाल महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि इस बार संगठन में नई जिम्मेदारियों का वितरण और नई टीम का गठन जल्द देखने को मिलेगा।

मंडी परिसर से हटाये गये चौपाटी दुकानदारों को मिली राहत, जवाहर भवन के पास मिली अस्थाई जगह

22 दुकानदारों ने पांढरवानी सरपंच अनीस खान को सौंपा ज्ञापन, स्थाई जगह की भी मांग की

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

फुटपाथ पर चाट, गुपचुप एवं अन्य व्यवसाय करने वाले छोटे दुकानदारों की रोजी-रोटी का संकट फिलहाल टल गया है। राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर से हटाये जाने के बाद परेशान 22 दुकानदारों ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत पांढरवानी पहुंचकर सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपा और दुकान लगाने के लिए जगह उपलब्ध करवाने की मांग की। वहीं दुकानदारों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सरपंच श्री खान ने उन्हें वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति (सोसायटी) के पीछे पुराने जवाहर सामुदायिक भवन की खाली जगह पर अस्थाई रूप से दुकान लगाने की अनुमति दे दी है, जिससे दुकानदारों ने बड़ी राहत की सांस ली है।

क्यों हटाए गये दुकानदार?

गौरतलब है कि पूर्व में ये दुकानदार हाई स्कूल मार्ग स्थित राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स के सामने सड़क किनारे फुटपाथ पर दुकान लगाते थे, जिससे यातायात बाधित होता था और आवागमन में परेशानी होती थी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की पहल पर इन्हें वैकल्पिक व्यवस्था के तहत विगत माह पूर्व राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स परिसर के अंदर जगह दी गई थी। जहां दुकान लगाकर अपना व्यवसाय करते थे। किन्तु अब मंडी प्रशासन के द्वारा राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स में बने 72 कमरों के आवंटन और नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके तहत परिसर में साफ-सफाई का काम शुरू हो चुका है एवं जल्द ही कमरों की नीलामी की जायेगी। साथ ही मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों में जिन्होंने अवैध अतिक्रमण किया है उसे खाली करने एवं परिसर में दुकान लगा रहे है उन्हे हटाने के निर्देश पूर्व में मंडी प्रशासन के द्वारा दे दिये गये थे। इसी वजह से मंडी प्रशासन ने वहां लग रही चौपाटी की दुकानों को हटा दिया था। दुकान हटने से इन 22 परिवारों के सामने अचानक आर्थिक संकट खड़ा हो गया था।

सरपंच ने दिखाई संवेदनशीलता, पर चुनौती अभी बाकी

मंडी परिसर में चौपाटी का दुकान लगाने के बाद अचानक उन्हे हटा देने से परेशान दुकानदारों के ज्ञापन पर पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने त्वरित निर्णय लेते हुए जवाहर सामुदायिक भवन परिसर में अस्थाई रूप से व्यवसाय शुरू करने की अनुमति दुकानदारों को दे दी है। हालांकि, यह व्यवस्था केवल कुछ समय के लिए ही है। जिस जगह पर अभी दुकानदारों को अस्थाई रूप से दुकाने लगाने के लिए जगह दी गई है। वहां ग्राम पंचायत द्वारा भविष्य में एक कॉम्पलेक्स का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। निर्माण कार्य शुरू होने पर दुकानदारों को पुनः वहां से हटना पड़ेगा। वहीं बार-बार विस्थापन का दंश झेल रहे सभी 22 दुकानदारों ने पांढरवानी सरपंच से गुहार लगाई है कि उन्हें बार-बार हटने की परेशानी से बचाया जाये। सभी दुकानदारों ने पांढरवानी पंचायत से मांग की है कि उनके व्यवसाय के लिए कोई स्थान चिन्हित कर उन्हें स्थाई जगह उपलब्ध करवाई जाये। ताकि वे बिना किसी डर और रूकावट के अपना स्वरोजगार चला सकें।

मंडी परिसर से हटा दिया गया है दुकान - रंजू

दुकानदार संजू यादव ने बताया कि राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में पूर्व में हम लोग दुकान लगाते थे लेकिन अब काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी होने वाली है। जिस कारण से हम लोगों की दुकानों को हटा दिया गया है और दुकाने सड़क पर लगाने नही दी जा रही है। जिसके कारण दो दिनों से गुपचुप, चाट एवं अन्य छोटे व्यवसाय करने वालों को दुकानें बंद है, जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री यादव ने बताया कि 22 दुकानदार मंडी परिसर में अपनी दुकान संचालित कर अपनी आजीविका का चला रहे थे, लेकिन उक्त स्थान से दुकानें हटा दिये जाने के बाद से सभी परेशान है। पांढरवानी सरपंच से मांग है कि दुकान लगाने के लिए जगह उपलब्ध करवाये ताकि स्वरोजगार चला सकें।

सरपंच को जगह उपलब्ध करवाने सौंपा है ज्ञापन - अजय

दुकानदार अजय बिठले ने बताया कि चाट, गुपचुप एवं अन्य व्यवसाय करने वाले छोटे दुकानदारों के पास अब अपनी दुकानों को लगाने के लिए जगह नहीं है। पूर्व में हम सड़क के किनारे अपनी दुकानों का संचालन करते थे उसके बाद हमें मंडी परिसर में स्थान दिया गया परंतु वर्तमान में मंडी की दुकानों की नीलामी होना है। इसलिए हमें वहां से हटा दिया गया है, जिसके बाद से अब हमें अपनी दुकान के संचालन में समस्या आ रही है जिससे सभी 22 दुकानदार बेहद परेशान है। श्री बिठले ने बताया कि दुकान लगाने की समस्या को लेकर पांढरवानी सरपंच को ज्ञापन सौपकर दुकान लगाने के लिए जगह उपलब्ध करवाने की मांग की है। जिनके द्वारा हमें आश्वास्त करते हुए जवाहर सामुदायिक भवन के खाली जगह पर वैकल्पिक व्यवस्था के तहत दुकाने लगाने की अनुमति दी गई है जहां अब दुकान का संचालन करेंगे। लेकिन यह स्थाई समाधान नही है, प्रशासन से मांग है कि हमें स्थाई जगह उपलब्ध करवाये ताकि बार-बार विस्थापन के दंश से निजात मिल सके।

पुराने जवाहर भवन के खाली जगह पर अस्थाई रूप से लगा सकते है दुकान - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और वहां जो चौपाटी का अस्थाई रूप से संचालन हो रहा था उन्हें हटा दिया गया है। चौपाटी की दुकानदारों के द्वारा ग्राम पंचायत पहुंचकर अपनी दुकानों के संचालन के लिए स्थाई रूप से जगह उपलब्ध करवाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया है और जगह की मांग की गई है। श्री खान ने बताया कि सड़क के किनारे दुकानों का संचालन होने से यातायात व्यवस्था बाधित होती है इसलिए उन्हें समझाईश दी गई है कि वह सड़क के किनारे दुकान ना लगाये और अस्थाई रूप से पुराने जवाहर भवन वाले स्थान पर अपनी दुकानों का संचालन करें। साथ ही बाद में ग्राम पंचायत इन दुकानदारों के लिए उच्च अधिकारियों से विचार विमर्श करने के पश्चात चौपाटी की व्यवस्था करने का प्रयास करेंगी।

बिना अनुमति के सर्राटी जलाशय तालाब से हो रहा अवैध मत्स्याखेट, शासन को राजस्व का हो रहा नुकसान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जल संसाधन विभाग और मत्स्य विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय में इन दिनों कुछ लोगों के द्वारा बिना किसी वैधानिक अनुमति के खुलेआम धड़ल्ले से मत्स्याखेट (मछली पकड़ने) का कार्य किया जा रहा है। इस अवैध गतिविधि के कारण जल संसाधन विभाग, मत्स्य और शासन को लाखों रूपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि कुछ ग्रामीणों के द्वारा बिना वैधानिक कार्यवाही किये जलाशय से जाल

लगाकर मछली पकड़ने वाले लोगों पर कार्यवाही करने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही है। जबकि इस सरकारी जलाशय को एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत किसी स्थानीय पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति को पट्टे (लीज) पर दिया जाना चाहिए था। यदि इसे नियमानुसार समिति को सौंपा जाता, तो न केवल शासन को निश्चित राजस्व प्राप्त होता, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों और मछुआरा समुदाय को रोजगार के अवसर भी मिलेगें। लेकिन तालाब को लीज पर नही दिया गया है। जिसके कारण कुछ असामाजिक लोग सुबह-शाम अपनी मर्जी से सर्राटी जलाशय तालाब में जाल डालकर मछलियां चोरी कर रहे है। जिससे जागरूक नागरिकों व ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं चोरी-छिपे पकड़ी जा रही इन मछलियों को सीधे बाजार में लाकर खुलेआम ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी निगरानी के लिए मौजूद नहीं रहता। वहीं क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों ने इस अवैध मत्स्याखेट पर सख्त आपत्ति जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि जलाशय से लगातार मछलियां गायब हो रही हैं, जिससे जल पारिस्थितिकी पर भी बुरा असर पड़ रहा है। ग्रामीण व जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से इस अवैध गतिविधि को तुरंत रोकने और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

तालाब से बिना अनुमति मछली पकड़ने वालों पर कार्यवाही करे प्रशासन - दीपसिंह

दीपसिंह परते ने बताया कि लालबर्रा मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के अंतर्गत सर्राटी जलाशय तालाब आता है। लेकिन जल संसाधन विभाग के द्वारा इस तालाब को अभी तक किसी मत्स्य समिति को ठेका (लीज) पर नही दिया गया है बावजूद उसके कुछ लोगों के द्वारा प्रशासन से बिना अनुमति लिये अपनी मनमर्जी से प्रातः 5 बजे से जाल डालकर मछली पकड़ने का कार्य किया जा रहा है और उसे बाजार में लाकर बेच रहे है। इस तरह से मछलियों की चोरी हो रही है जिससे शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है, साथ ही जल पारिस्थितिकी पर बुरा असर पड़ रहा है। श्री परते ने बताया कि शासन-प्रशासन से मांग है कि सर्राटी जलाशय टेकाड़ी ला. तालाब को मत्स्य समितियों को मछली पालन के लिए विधिवत ठेका (लीज) पर दिया जाना चाहिए, जिससे शासन को राजस्व प्राप्त होगा और क्षेत्र के लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जो लोग बिना अनुमति लिये तालाब से मछली पकड़ रहे है उन पर प्रशासन कार्यवाही करें।

इनका कहना है-

टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय तालाब में बिना अनुमति लिये मछली पकड़ने की जानकारी आपके माध्यम से संज्ञान में आया है और तालाब में मछली बीज मत्स्य विभाग के द्वारा डाली जाती है। जिनके द्वारा देख-रेख भी की जाती है। उनके द्वारा देख-रेख की जा रही है या नही इसकी जानकारी लेकर जल्द ही स्थल का निरीक्षण कर अवैध रूप से तालाब से मछली पकड़ने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

उदयसिंह परस्ते
ईई
जल संसाधन विभाग बालाघाट।

बघोली प्रवेशद्वार के सामने रोड़ के बीच और अन्य स्थानों पर बना गड्ढा, दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण

आवागमन में हो रही परेशानी, राहगीर एवं ग्रामीणों ने सड़क के बीच में बने गड्ढो का मरम्मत करवाने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली के प्रवेश द्वार (गेट) के सामने सड़क के बीच में गड्ढा बन गया है। इसी तरह सड़क कुछ स्थानों से खराब भी हो चुका है जिसके कारण आने-जाने वाले को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं हर समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। वहीं पूर्व में दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है किन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपको बता दे कि लालबर्रा से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग का निर्माण प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा विगत वर्ष पूर्व किया गया है और बघोली प्रवेशद्वार (गेट) के सामने से यह मार्ग तीन ओर जाती है और बघोली प्रवेशद्वार एक मुख्य चौक बना हुआ है जहां से तीन ओर सड़क कटती है। जिसमें एक साल्हे ला., दुसरा टेकाड़ी ला. एवं तीसरा मार्ग बघोली होते हुए पंढरापानी-रानीकुठार की ओर जाती है। साथ ही इस बघोली चौक प्रवेशगेट के सामने रोड़ के बीच में गड्ढा बन गया है। इसी तरह बघोली से पंढरापानी-रानीकुठार पहुंच मार्ग में जगह-जगह से डामर उखड़ गये है एवं गड्ढे बन गये है। जिसके कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं जिस स्थान पर जानलेवा गड्ढा बन गया है, वह दुर से दिखाई नही देता है। ऐसी स्थिति में मोटरसाइकिल, साइकिल व चौपहिया वाहन चालक तेज गति से आते है एवं अचानक गड्ढा दिखाई देने पर वे अनियंत्रित हो जाते है और गिरने से चोटिल भी हो रहे है। जबकि यह एक व्यस्तम मार्ग है, इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आना-जाना करते है और बघोली प्रवेशद्वार (गेट) के सामने सहित अन्य स्थानों पर सड़क में बने गड्ढों एवं खराब सड़क का मरम्मत कार्य करवाने के संबंध में कई बार जिम्मेदारों को अवगत करवा चुके है। किन्तु कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। चर्चा में ग्रामीणजनों ने बताया कि लालबर्रा से बघोली, पंढरापानी-रानीकुठार पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया है और इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आना-जाना करते है। लेकिन बघोली प्रवेशद्वार (गेट) के सामने एवं अन्य स्थानों पर सड़क खराब होने के साथ ही बड़ा सा गड्ढा बन गया है सड़क के बीच में। जिसके कारण आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है एवं जल्द सड़क के बीच में बने जानलेवा गड्ढे सहित अन्य गड्ढों का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि मार्ग के बीच में बने गड्ढे एवं खराब सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

अज्ञात डम्फर की टक्कर से कार चालक घायल

प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रिफर, देर रात मानपुर बैरियर चौक पर हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के बैरियर चौक पर बीती देर रात एक भीषण सड़क हादसा घटित हुआ है। यहां एक अज्ञात डम्फर ने कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान छिंदवाड़ा निवासी 47 वर्षीय निर्मल कुंडे के रूप में हुई है। जिनका लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा निवासी निर्मल कुंडे अपनी कार से बालाघाट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गुरूवार एवं शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे मानपुर बैरियर चौक के पास एक अज्ञात डम्फर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। वहीं दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद डम्फर चालक मौके से वाहन सहित फरार हो गया।

आवाज सुनकर जागे स्थानीय लोग, पुलिस को दी सूचना

हादसा देर रात का होने के कारण सड़क पर सन्नाटा था। घटना स्थल के समीप स्थित मकानों में सो रहे लोगों को जब किसी चीज के टकराने की जोरदार आवाज आई, तो वे जाग गये और बाहर आकर देखने पर उन्होंने देखा कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और कार चालक घायल अवस्था में था। जिसके बाद स्थानीयजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी और कार के चालक को तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए घायल को जिला चिकित्सालय रिफर किया है। वहीं बताया जा रहा है कि कार में घायल व्यक्ति अकेला ही था।

वारासिवनी में भीषण गर्मी का तांडव

लू की चपेट में आने से ४० वर्षीय किसान की मौत क्षेत्र में दहशत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जारी नौतपा जैसे हालात और आसमान से बरसती आग अब इंसानी जिंदगी पर भारी पड़ने लगी है। वारासिवनी क्षेत्र में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित होने लगी है। गुरूवार को लू की चपेट में आने से ग्राम बरबसपुर निवासी एक ४० वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे ग्रामीण अंचल में शोक और दहशत का माहौल है। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद मौत का मुख्य कारण अत्यधिक गर्मी और लू सनस्ट्रोक लगना बताया है।

साइकिल से घर लौटते ही बिगड़ी तबीयत पेड़ के नीचे तोड़ा दम

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बरबसपुर निवासी ४० वर्षीय मनोज पटले गांव में अकेले रहकर खेती किसानी का कार्य करता था। बुधवार की सुबह वह किसी काम से अपनी बड़ी बहन के घर वारासिवनी आया हुआ था। दोपहर के समय जब सूर्यदेव अपने पूरे शबाब पर थे और आसमान से आग के गोले बरस रहे थे तब मनोज साइकिल से वापस अपने गांव बरबसपुर के लिए रवाना हुआ। कड़ी धूप और झुलसाने वाली गर्म हवाओं के बीच साइकिल चलाते हुए वह जैसे-तैसे अपने घर पहुंचा और असहज महसूस होने पर राहत पाने के लिए घर के पास ही एक पेड़ के नीचे आराम

करने चला गया। लेकिन भीषण गर्मी के कारण उसके शरीर का तापमान इस कदर बढ़ चुका था कि वह फिर कभी उठ नहीं सका। काफी देर तक जब मनोज के शरीर में कोई हलचल नहीं हुई और वह पेड़ के नीचे अचेत पड़ा रहा तो मोहल्ले के लोगों को शंका हुई। पास जाकर देखने पर जब उसने कोई जवाब नहीं दिया तो ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। परिजन आनन फानन में एक निजी वाहन की व्यवस्था कर उसे बेहोशी की हालत में सिविल अस्पताल वारासिवनी लेकर पहुंचे। अस्पताल लाते ही डॉक्टरों ने उसका परीक्षण किया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने मनोज पटले को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक प्रथम दृष्टया मौत का कारण तेज लू लगना सामने आ रहा है।

४४ डिग्री तक पहुंचा पारा रातें भी हुईं बेचैन

वैसे भी वर्तमान में पूरा वारासिवनी क्षेत्र भीषण गर्मी और उमस के दौर से गुजर रहा है। क्षेत्र का तापमान लगातार ४२ से ४४ डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है और गर्म हवा के थपेड़े लू लोगों को झुलसा रहे हैं। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि अब केवल दिन ही नहीं बल्कि रात में भी भीषण गर्मी का अहसास हो रहा है जिससे लोगों का घरों में बैठना भी मुहाल हो गया है। इस दुखद घटना के बाद जागरूक नागरिकों ने आम जनता से अपील की है कि बहुत जरूरी काम होने पर ही दोपहर के समय घरों से बाहर निकलें। धूप में निकलते समय सिर को सूती कपड़े से ढकें छाते का प्रयोग करें और लगातार पानी ओआरएस या नींबू पानी का सेवन करते रहें ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो। मृतक के बड़े भाई ने बताया कि वारासिवनी में हमारी बड़ी दीदी रहती है मेरा भाई मनोज पटले ढोंगरमाली के पास बरबसपुर में रहता है। वह सुबह दीदी के घर वारासिवनी आया था और उसके बाद वह गांव आया तो फिर उसने साइकिल घर के सामने खड़ा कर कुछ दूरी में पेड़ है उसके नीचे जाकर बैठ गया। वहां लेट भी गया गांव वालों ने पानी भी पिलाया बेहोश पड़ा हुआ था हमको जानकारी लगी तो हम वहां जाकर देखें तो इसके शरीर का बहुत ज्यादा तापमान था पूरा शरीर गर्म हो गया था। उसे अस्पताल लाये डॉक्टर ने यहां मौत होना बता दिया लू लगने के कारण यह मौत हुई है।

वारासिवनी रामपायली हाईवे पर बड़ा हादसा टला

टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलटी किराना सामान से भरी पिकअप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी रामपायली हाईवे मार्ग पर गुरुवार की रात को एक बड़ा सड़क हादसा होते होते टल गया। मेंहदीवाड़ा और झालीवाड़ा के बीच स्थित एक राइस मिल के पास किराना सामान से भरी एक पिकअप गाड़ी का अचानक टायर फट गया। टायर फटते ही वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे झाड़ियों में जाकर पलट गया। राहत की बात यह रही कि इस भीषण दुर्घटना में वाहन के चालक और परिचालक पूरी तरह सुरक्षित हैं उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

रफ्तार के दौरान अचानक फटा टायर

प्राप्त जानकारी के अनुसार टाटा एस ई गोल्ड प्लस पिकअप वाहन क्रमांक एमपी ५० जेड एक्स ७९६४ वारासिवनी से खैरलांजी क्षेत्र के ग्राम सावरी के लिए रवाना हुआ था। गाड़ी में भारी मात्रा में किराना का सामान लोड था। जैसे ही वाहन मेंहदीवाड़ा और झालीवाड़ा के बीच राइस मिल के पास पहुंचा तभी अचानक एक जोरदार आवाज के साथ गाड़ी का टायर फट गया। टायर फटने के कारण चालक वाहन पर से अपना नियंत्रण खो बैठा।

रफ्तार में होने की वजह से पिकअप लहराते हुए सड़क से नीचे उतरी और झाड़ियों में जाकर पलट गई।

मौके पर जुटी भारी भीड़ टल गया बड़ा खतरा

हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के खेतों और राइस मिल में काम करने वाले लोग तुरंत मौके पर दौड़ पड़े। देखते ही देखते वहां ग्रामीणों और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए वाहन के भीतर फंसे चालक और परिचालक को सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि दोनों को मामूली खरोंचें ही आईं और एक बहुत बड़ा हादसा होने से बच गया।

चपेट में नहीं आया कोई राहगीर

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जिस समय यह हादसा हुआ उस वक्त हाईवे के उस हिस्से पर कोई अन्य वाहन या पैदल यात्री मौजूद नहीं था। अन्यथा अनियंत्रित पिकअप की चपेट में आने से कोई बड़ी जनहानि या गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। हादसे के बाद गाड़ी में लदा किराना सामान सड़क किनारे बिखर गया जिसे बाद में सुरक्षित निकाला गया।

धान से भरा ट्रक पलटा पोहा मशीन से टकराकर रुका टला बड़ा हादसा

टायर फटने से अनियंत्रित हुआ आइशर वाहन चालक को आई मामूली चोटें

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर शुक्रवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होने से टल गया। ग्राम पंचायत वारा के तरफ बढ़ने लगा। गनीमत यह रही कि उस मकान के सामने बनने के लिये आई एक पोहा बनाने वाली मशीन रखी हुई थी। अनियंत्रित ट्रक सीधे उस पोहा मशीन से

जाकर टकराया और वहीं रुक गया। यदि वह मशीन वहां ना होती तो ट्रक सीधे मकान के भीतर घुस जाता जिससे घर में सो रहे या मौजूद लोग इसकी चपेट में आ सकते थे और एक बड़ी जनहानि हो सकती थी।

मंडी पहुंचाई गई धान की बोरियां

दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना पाकर वाहन मालिक भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद अन्य साधनों की मदद से दुर्घटना ग्रस्त ट्रक को सीधा किया गया। सड़क पर बिखरी धान की बोरियों को एकत्रित कर ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से वारासिवनी मंडी भिजवाया गया। इस हादसे में चालक सुरक्षित है जिसे केवल मामूली खरोंचें आई हैं। वर्तमान में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है लगातार बढ़ रहे तापमान के कारण डामर की सड़कें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों के टायरों के भीतर की हवा प्रेशर फैलती है जिससे चलते वाहनों के टायर फटने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। वाहन स्वामियों और चालकों को सलाह दी जाती है कि वे सफर पर निकलने से पहले टायरों की स्थिति और हवा के दबाव की जांच जरूर कर लें।

काली मंदिर के पास धान की बोरियों से लदा एक आइशर ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रक चालक को मामूली चोटें आई हैं जबकि सड़क किनारे रहने वाले एक परिवार का मकान मलबे की चपेट में आने से बाल बाल बच गया।

वारा के वरकड़े परिवार के अपहरण और जमीन हड़पने वाले लोगों पर हुई कार्यवाही

पुलिस ने मुख्य आरोपी से पूछताछ में दो नये आरोपी किये गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के शिवधाम से एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया था। यहाँ एक आदिवासी वरकड़े परिवार को बंधक बनाकर, डरा-धमकाकर और उनका अपहरण कर उनकी करीब ८ एकड़ पुश्तैनी जमीन को कीड़ीयों के मोल हड़पने और उसे आपस में बंदरबांट कर बेचने वाले एक सक्रिय सिंडिकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

साम-दाम-दंड-भेद से हड़पी आदिवासियों की जमीन

प्राप्त जानकारी के अनुसार वारातोला के पीड़ित आदिवासी वरकड़े परिवार के नाम पर ग्राम वारातोला के शिवधाम में लगभग ८ एकड़ बेशकीमती जमीन थी। इस जमीन पर क्षेत्र के एक शातिर और सक्रिय सिंडिकेट की नजर थी। आरोपियों ने मिलकर वरकड़े परिवार पर मानसिक और शारीरिक दबाव बनाया , उनका अपहरण किया और साम-दाम-दंड-भेद का सहारा लेकर जबरन जमीन के कागजातों पर दस्तखत करवा लिए। हैरानी की बात यह है कि इस जमीन की एवज में पीड़ीत वरकड़े परिवार को कोई भी राशि नहीं दी गई। नियम कानूनों को ताक पर रखकर आदिवासियों की इस जमीन को औने-पौने दामों पर कागजों में समेटकर दूसरे व्यक्तियों को बेच दिया गया।

एसपी आदित्य मिश्रा के संज्ञान लेते ही दर्ज हुई एफआईआर

जमीन छिन जाने और कोई भुगतान नही मिलने से आहत प्रार्थी दिनेश वरकड़े ने परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा के समक्ष न्याय की गुहार लगाई। मामले की संवेदनशीलता और आदिवासियों के शोषण को देखते हुए एसपी आदित्य मिश्रा ने इसे तुरंत संज्ञान में लिया। उनके सख्त निर्देश पर मामले की बारीकी से जांच शुरू की गई और वारासिवनी थाने में आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में अपराध क्रमांक २४१/२६ दर्ज किया गया।

मुख्य आरोपी के बाद दो नए गुर्गे गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस ने सबसे पहले मुख्य आरोपी सुनील अरोरा को गिरफ्तार किया था। आरोपी सुनील पहले से ही सूदखोरी के एक अन्य मामले में वारासिवनी उपजेल में बंद था जिसे पुलिस ने न्यायालय से रिमांड पर लेकर इस अपहरण व धोखाधड़ी मामले में पूछताछ शुरू की। मुख्य आरोपी से हुई कड़ाई से पूछताछ के बाद इस सिंडिकेट से जुड़े दो और सक्रिय आरोपियों के नाम सामने आए। वारासिवनी थाना पुलिस ने २८ मई की रात को दो नए आरोपियों में रजत कुमरे पिता स्व.मुन्नालाल कुमरे उम्र ३१ वर्ष निवासी वार्ड नंबर १ अमृत नगर, अक्षय उइके पिता महिपाल उइके उम्र २६ वर्ष निवासी ग्राम बकेरा थाना रामपायली को धरदबोचा जिन्हें २९ मई को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है । इन दोनों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा ३३६ (३), ३३८, ३४० (२) ,१४०(३) ,३०८ (५),३१८(४), और ६१,२ के तहत मामला दर्ज है जो अपहरण , जबरन वसूली, जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र जैसी गंभीर श्रेणियों को दर्शाती हैं।

जांच जारी नगर के कई और चेहरों से उठेगा पर्दा

हालाँकि इस पूरे घटनाक्रम और सिंडिकेट के नेटवर्क को लेकर पुलिस की ओर से अभी कोई आधिकाधिक प्रेस ब्रीफिंग या आधिकाधिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन सूत्रों और दस्तावेजों के मुताबिक वारासिवनी न्यायालय से दोबारा रिमांड मिलने के बाद पुलिस इन आरोपियों से बेहद गुह और बारीकी से पूछताछ कर रही है। बालाघाट पुलिस की इस त्वरित कार्यवाही से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

टायर फटने से अनियंत्रित हुआ वाहन

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब ७.३० बजे एक आइशर ट्रक जिसके सामने डीजे मॉर्ट साउंड लिखा हुआ था हरदीली से धान की बोरियां लोड करके वारासिवनी मंडी की ओर आ रहा था। जैसे ही ट्रक ग्राम पंचायत वारा के काली मंदिर के पास पहुंचा अचानक उसका एक टायर जोरदार धमाके के साथ फट गया। टायर फटने के कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे पलट गया। ट्रक पलटते ही उसमें भरी धान की बोरियां पूरी सड़क पर बिखर गईं। घटना इतनी भयानक थी कि ट्रक पलटते हुए सीधे सड़क किनारे बने एक रिहायशी मकान की

क्षेत्र के राज मिस्त्रियों ने रेत उपलब्ध करवाने विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्रामीणों क्षेत्र में इन दिनों प्रधानमंत्री आवास के तहत निर्माण कार्य प्रारंभ है। निर्माण कार्य के लिए रेत ना मिलने के चलते आवासीय कार्य रुके हुए हैं। कुछ दिनों बाद बरसात प्रारंभ होगी जिसके कारण अब मकान पूर्ण करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन सब परेशानियों को देखते हुए शुक्रवार को वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के राज मिस्त्रियों ने रेत उपलब्ध करवाने विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से राज मिस्त्रियों ने विधायक विवेक पटेल को बताया कि मकान निर्माण के अन्य छोटे कार्यों को पूर्ण करने के लिए रेत की आवश्यकता पड़ती है। वर्तमान में रेत घाट स्वीकृत नहीं होने कारण रेत की समस्या उत्पन्न हो रही है बरसात आने वाली है। काम रुके हुए है जिसके कारण हमें आर्थिक एवं मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान भवानी प्रसाद भगत, राधेश्याम जैतवार, प्रमोद राहंगडाले,गुड्डू पारधी, विजय पटले, राजेश खैरवार, हरिओम पटले,लंकेश रहांगडाले,अजय नागेश्वर, कोमल पंचेश्वर मौजूद रहे।

गैर पंजीकृत फार्मासिस्ट द्वारा दवा वितरण पर होगी सख्त कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मेडिकल स्टोर्स पर गैर पंजीकृत व्यक्तियों द्वारा दवा वितरण के मामलों की गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं पदेन उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, बालाघाट द्वारा स्पष्ट किया गया है कि फार्मेसी अधिनियम 1948 की धारा 42 के अनुसार केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट ही चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर दवाइयों का वितरण कर सकते हैं। गैर पंजीकृत व्यक्ति द्वारा दवा वितरण पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

सीएमएचओ कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल भोपाल द्वारा 8 अक्टूबर 2025 को जारी पत्र में यह स्पष्ट किया गया था कि मेडिकल स्टोर्स पर दवा डिस्पेंसिंग का कार्य केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट ही करेंगे। अधिनियम के तहत उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को तीन माह तक की सजा, दो लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड एक साथ दिए जाने का प्रावधान है।

इसी के परिपालन में कार्यालयीन आदेश दिनांक 11 नवंबर 2025 के माध्यम से जिले में पदस्थ औषधि निरीक्षक स्वाग्निल सिंह एवं जयप्रकाश कुमार को मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। निरीक्षण के दौरान गैर पंजीकृत व्यक्तियों द्वारा दवा वितरण पाए जाने पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की जानी थी।

जिले में 1000 से अधिक मेडिकल स्टोर्स, केवल दो औषधि निरीक्षक

जानकारी के अनुसार जिले में लगभग 1000 से अधिक थोक एवं फुटकर औषधि विक्रय प्रतिष्ठान संचालित हैं, जबकि निरीक्षण के लिए केवल दो औषधि निरीक्षक पदस्थ हैं। अब तक 14 मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस 4 से 10 दिनों तक के लिए निलंबित किए गए हैं। हालाँकि विभाग ने माना कि गैर पंजीकृत फार्मासिस्ट के विरुद्ध फार्मेसी अधिनियम की धारा 42 के तहत प्रत्यक्ष दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

बीएमओ को भी दिए गए निरीक्षण के निर्देश

कलेक्टर बालाघाट द्वारा समय-सीमा बैठक में समीक्षा के बाद 8 अप्रैल 2026 को जिले के सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने विकासखंडों में मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपलब्धता का सत्यापन करने के निर्देश दिए गए थे। इस क्रम में विकासखंड कटंगी के बीएमओ द्वारा पांच मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

फर्जी चिकित्सकों को दवा बिक्री रोकने बनेगा निगरानी तंत्र

विभाग के संज्ञान में यह भी आया है कि जिले के कुछ थोक दवा विक्रेताओं द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय फर्जी चिकित्सकों को सीधे औषधियों की बिक्री की जा रही है। इसे रोकने के उद्देश्य से जिला स्तर पर एक परीक्षण दल का गठन किया गया है। इस दल का नेतृत्व प्रभारी जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटेल करेंगे। दल में स्टोरकीपर सह फार्मासिस्ट विनोद कामड़े तथा खाद्य एवं औषधि प्रशासन कार्यालय के सहायक ग्रेड-3 मुबारक मंसूरी को शामिल किया गया है। यह दल केवल दवा विक्रेताओं के क्रय-विक्रय अभिलेखों एवं स्टॉक रजिस्टर का परीक्षण करेगा।

क्वांटम-सुरक्षित सोच

भारत की डिजिटल व्यवस्था (इकोसिस्टम) को क्वांटम-सुरक्षित बनाने से संबंधित डीएसटी टास्क फोर्स की नई रिपोर्ट एक ऐसे खतरे पर विचार करने का नतीजा है जो दीर्घकालिक और तात्कालिक, दोनों है। आज, 'पब्लिक-की क्रिप्टोग्राफी' ऑनलाइन पहचान की सुरक्षा और सुरक्षित संचार का आधार है। इसकी सुरक्षात्मक क्षमता उन गणितीय सवालों पर आधारित है जिन्हें पारंपरिक कंप्यूटर कुशलतापूर्वक हल नहीं कर सकते। इस तरह, जानकारियां एक ऐसे ताले के पीछे 'छिपी' होती हैं जिसकी कुंजी ऐसे सवालों के हल में निहित होती हैं। हालांकि, एक पर्याप्त रूप से सक्षम क्वांटम कंप्यूटर, मिसाल के तौर पर, शोर के एल्गोरिदम का इस्तेमाल करके इस ताले को मिनटों या घंटों में खोल सकता है। एईएस एन्क्रिप्शन जैसी संतुलित क्रिप्टोग्राफी को क्वांटम कंप्यूटरों के आगमन से कम खतरा है। लेकिन अस्तित्वगत जोखिम फिर भी एक ऐसे पब्लिक-की के बुनियादी ढांचे में केंद्रित है, जो एचटीपीएस से लेकर दूरसंचार नेटवर्क तक सब कुछ सुरक्षित करती है। अल्पकालिक समस्या यह है कि कोई बदमाश तत्व आज एन्क्रिप्टेड डेटा को इकट्ठा करके रख ले सकता है और बाद में क्वांटम कंप्यूटरों का इस्तेमाल करके उसे डिक्रिप्ट कर सकता है। 'पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी (पीक्यूसी)' एक ऐसा सॉफ्टवेयर है जो पारंपरिक कंप्यूटरों पर चल सकता है, लेकिन इसमें क्वांटम कंप्यूटरों की ओर से होने वाले हमलों का प्रतिरोध करने का अतिरिक्त लाभ भी है। डीएसटी की रिपोर्ट में क्वांटम कंप्यूटरों के आगमन के बाद (पोस्ट-क्वांटम) की परिस्थितियों से संबंधित तीन मानकों की सिफारिश की गई है। इन मानकों को 2024 में अंतिम रूप दिया गया था, ताकि पोस्ट-क्वांटम दौर से जुड़े भारत के प्रयासों की योजना बनाई जा सके और इस संरचना में स्थानांतरित होने का काम शुरू किया जा सके। इस विवेकपूर्ण सलाह का पालन किया जाना चाहिए। खासकर महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, वित्तीय सेवाओं, बिजली ग्रिड और रक्षा के संबंध में।

यह स्थानांतरण जारी रहना चाहिए, भले ही 'क्यू-डे' - जब क्वांटम कंप्यूटर व्यावहारिक रूप से 'पब्लिक-की क्रिप्टोग्राफी' के लिए खतरा बन जायेंगे ड्ड को इस रिपोर्ट के हिसाब से संभावित 2029 से आगे क्यों न बढ़ा दिया जाए। दरअसल, इस बिंदु पर विशेषज्ञों में मतभेद है। हालांकि मुख्यधारा का मत यह है कि 'क्यू-डे' और स्थानांतरण, दोनों में कम से कम एक दशक का वक्त लगेगा। व्यवहार में क्रिप्टोग्राफी निर्भरताओं का एक युग्म है जो अक्सर उदाहरण के लिए एक मंत्रालय के भीतर - डेटाबेस, पुराने हार्डवेयर, वेंडर सॉफ्टवेयर, प्रमाणीकरण प्रोटोकॉल और नियंत्रण प्रणालियों में फैला होता है। लिहाजा, व्यापक संगठनात्मक बदलाव की चुनौतियों को कम करके नहीं आंकना चाहिए। इसके अलावा, चूंकि उन्नत एआई आज सॉफ्टवेयर वाली तह को स्वायत्त रूप से भेद सकता है और क्वांटम कंप्यूटर कल एन्क्रिप्शन के गणित को खतरे में डाल सकते हैं, इसलिए खतरे का दायरा "क्यू-डे" से कहीं ज्यादा बड़ा है। रिपोर्ट में पीक्यूसी को व्यापक रूप से अपनाने की सिफारिश की गई है और साथ ही उच्च सुरक्षा आश्वासन की जरूरत वाले माहौलों में, तकनीकी रूप से ज्यादा जटिल 'क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (क्यूकेडी)' को भी अपनाने की सिफारिश की गई है। भारत के लिए इसका मतलब है कम से कम 5,000 करोड़ रुपये का नया बजटीय आवंटन; अंतरसंचालनीयता के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे का उन्नयन; वेंडर पर निर्भरता का युक्तिकरण; और मानव पूंजी को बढ़ावा देना और बनाए रखना, क्योंकि आज क्यूकेडी इंजीनियर दुर्लभ हैं। भारत को समय-समय पर अपनी जरूरतों का पुनर्मूल्यांकन भी करना चाहिए, क्योंकि क्यूकेडी सुरक्षा और संचालन संबंधी दक्षता के बीच एक गंभीर संतुलन बनाने में बाधा पैदा करता है।

दिल्ली में क्वॉड का मंथन आगाज़

वैश्विक स्तरपर नई दिल्ली में 26 मई 2026 को संपन्न हुई, क्वॉड विदेश मंत्रियों की बैठक केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि तेजी से बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन के बीच चार प्रमुख लोकतांत्रिक शक्तियों, भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का रणनीतिक मंथन थी। ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव ने पूरी दुनियाँ की ऊर्जा सुरक्षा,समुद्री व्यापार और सप्लाई चेन को अस्थिर कर दिया है,वहीं हिंद- प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता, समुद्री विस्तारवाद और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक शक्तियों की चिंताओं को और गहरा कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली में बैठे चार यार केवल बयान देने नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व-व्यवस्था के नए समीकरण तय करने के लिए एक मंच पर दिखाई दिए। भारतीय विदेश मंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक और संयुक्त प्रेस वार्ता ने स्पष्ट संकेत दिया कि क्वॉड अब केवल एक संवाद मंच नहीं,बल्कि वैश्विक रणनीतिक स्थिरता, समुद्री सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बचाने वाला प्रभावशाली समूह बन चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, अमेरिकी सैन्य गतिविधियों, ऊर्जा संकट की आशंकाओं और इंडो- पैसिफिक में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच दिल्ली में हुआ यह मंथन आने वाले समय की वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाला बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

साथियों भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो,ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी की उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्वॉड देशों के बीच रणनीतिक समन्वय अब पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुका है। यह बैठक ऐसे समय हुई जब पूरी दुनियाँ पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। ईरान से जुड़े घटनाक्रम, अमेरिकी सैन्य सक्रियता और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर बढ़ते खतरे ने वैश्विक आर्थिक अस्थिरता की आशंकाओं को बढ़ा दिया है।ऐसे में नई दिल्ली की यह बैठक केवल इंडो- पैसिफिक तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें वैश्विक भू - राजनीतिक चुनौतियों और आर्थिक सुरक्षा के व्यापक पहलुओं पर भी विचार हुआ।भारतीय विदेश मंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में स्पष्ट कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक विकास और स्थिरता का मुख्य इंजन बन चुका है। उन्होंने इस क्षेत्र में स्वतंत्र,खुले और समावेशी वातावरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का दबाव,आक्रामकता या एकतरफा शक्ति-प्रदर्शन क्षेत्रीय संतुलन के लिए खतरा है।उन्होंने भरोसेमंद और पारदर्शी साझेदारी को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उनका यह बयान अप्रत्यक्ष रूप से चीन की आक्रामक नीतियों और विस्तारवादी रणनीति की ओर संकेत माना गया। भारत ने साफ संदेश दिया कि वह इंडो-पैसिफिक में किसी भी प्रकार की अस्थिरता को स्वीकार नहीं करेगा और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।क्वॉड बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू समुद्री सुरक्षा और फ्रीडम ऑफ नेविगेशन पर हुआ व्यापक विचार- विमर्श रहा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व व्यापार का सबसे बड़ा समुद्री मार्ग है, जहां से वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक बढ़ती सैन्य गतिविधियों और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बना दिया है। बैठक में इस बात पर सहमति बनी किअंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी देश को एकतरफा तरीके से समुद्री नियंत्रण स्थापित करने की अनुमति न मिले। यह संदेश स्पष्ट रूप से चीन की समुद्री गतिविधियों और उसके बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की दिशा में सटीकता से देखा जा रहा है। साथियों,बैठक में वैश्विकसप्लाई चेन की मजबूती पर भी विशेष जोर दिया गया। कोविड महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध तथा पश्चिम एशिया संकट ने यह साबित कर दिया कि दुनियाँ किसी एक देश या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता का जोखिम नहीं उठा सकती। क्वॉड देशों ने महत्वपूर्णखनिजों यानी क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ सप्लाई चेन को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।आधुनिक तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उपकरणों के निर्माण में इन खनिजों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभी तक इन क्षेत्रों में चीन का दबदबा माना जाता रहा है,लेकिन क्वॉड देशों की नई रणनीति का उद्देश्य वैकल्पिक आपूर्ति तंत्र विकसित करना है ताकि सटीकता से किसी एक देश पर निर्भरता कम हो सके। साथियों, भारत और अमेरिका के बीच क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन को लेकर हुए समझौते को इस बैठक की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत तेजी से उभरती हुई विनिर्माण शक्ति बनना चाहता है और इसके लिए उसे सुरक्षित तथा विश्वसनीय संसाधन आपूर्ति की आवश्यकता है। वहीं अमेरिका चीन पर निर्भरता कम करने की वैश्विक रणनीति पर काम कर रहा है। ऐसे में दोनों देशों के बीच यह सहयोग भविष्य में तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और साइबर सुरक्षा पर भी बैठक में व्यापक चर्चा हुई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, साइबर डिफेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर आज वैश्विक शक्ति संतुलन के नए उपकरण बन चुके हैं। क्वॉड देशों ने इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर सहमति जताई। विशेष रूप से साइबर अपराध और डिजिटल जासूसी को लेकर साझा चिंता व्यक्त की गई। डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरों को देखते हुए यह सहयोग भविष्य में सामरिक सटिका से महत्व का आधार बन सकता है। साथियों,आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराना भी इस बैठक का महत्वपूर्ण संदेश रहा। क्वॉड देशों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार का आतंकवाद मानवता और वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है। भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है और इस बार भी उसने आतंकवाद के खिलाफ कठोर वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। यह संदेश केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि उन शक्तियों को भी संकेत था जो अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद को समर्थन देती हैं।मिडिल ईस्ट यानी पश्चिम एशिया के हालात पर हुई चर्चा ने इस बैठक को और अधिक वैश्विक महत्व प्रदान किया। ईरान से जुड़े तनाव, अमेरिकी सैन्य हमलों और क्षेत्रीय संघर्षों ने वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों को प्रभावित करने की आशंका पैदा कर दी है। क्वॉड देशों ने चिंता जताई कि यदि यह संकट और गहराया तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, सप्लाई चेन में बाधा और आर्थिक अस्थिरता पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि दिल्ली बैठक में पश्चिम एशिया के मुद्दे पर विशेष ध्यान दिया गया। साथियों, बैठक में यह भी स्पष्ट हुआ कि क्वॉड अब केवल सुरक्षा सहयोग तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी के व्यापक ढांचे में विकसित हो रहा है। यह समूह एक ऐसे वैकल्पिक वैश्विक सहयोग मॉडल के रूप में उभर रहा है जो लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और नियम- आधारित व्यवस्था पर आधारित है। क्वॉड की बढ़ती सक्रियता इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन बहुध्रुवीय स्वरूप की ओर बढ़ सकता है।हालांकि इस बार नेताओं का पूर्ण शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं हो सका, लेकिन विदेश मंत्रियों की बैठक ने यह साबित कर दिया कि क्वॉड की गति धीमी नहीं हुई है। भारत ने औपचारिक रूप से क्वॉड की अध्यक्षता ऑस्ट्रेलिया को सौंप दी। यह हस्तांतरण केवल प्रक्रियात्मक नहीं, बल्कि सहयोग की निरंतरता का प्रतीक भी है। ऑस्ट्रेलिया की नई भूमिका आने वाले समय में इंडो- पैसिफिक रणनीति को और सक्रिय बना सकती है।भारत के लिए यह बैठक विशेष महत्व रखती है क्योंकि उसने एक बार फिर वैश्विक कूटनीति में अपनी केंद्रीय भूमिका को स्थापित किया है। नई दिल्ली अब केवल दक्षिण एशिया की राजनीतिक राजधानी नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक विमर्श का महत्वपूर्ण केंद्र बनती जा रही है। रूस- यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया संकट और इंडो- पैसिफिक सुरक्षा तक, भारत ने संतुलित और बहुआयामी कूटनीति का प्रदर्शन किया है। क्वॉड बैठक की सफल मेजबानी ने यह संदेश दिया कि भारत विश्व राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है।क्वॉड को लेकर चीन की चिंताएं भी लगातार बढ़ती रही हैं। चीन लंबे समय से इस समूह को एशियाई नाटो जैसी संज्ञा देता रहा है, हालांकि क्वॉड देश लगातार यह कहते रहे हैं कि यह किसी के खिलाफ सैन्य गठबंधन नहीं है। फिर भी वास्तविकता यह है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती शक्ति और आक्रामक रणनीति ने क्वॉड को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। दक्षिण चीन सागर, ताइवान जलडमरूमध्य और हिंद महासागर में बढ़ती गतिविधियों ने क्षेत्रीय देशों को सामूहिक रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित किया है।दिल्ली में हुई यह बैठक वैश्विक राजनीति के उस संक्रमण काल की झलक भी है जहां सुरक्षा, तकनीक, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा एक-दूसरे से गहराई से जुड़ चुके हैं। अब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, बल्कि सप्लाई चेन, डेटा, साइबर स्पेस और समुद्री मार्गों पर भी शक्ति संघर्ष चल रहा है। क्वॉड की नई रणनीति इसी बदलती वैश्विक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नई दिल्ली में संपन्न क्वॉड विदेश मंत्रियों की बैठक ने यह स्पष्ट कर दिया कि विश्व राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है। इंडो -पैसिफिक की सुरक्षा, पश्चिम एशिया का संकट, ऊर्जा आपूर्ति,साइबर सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और वैश्विक सप्लाई चेन जैसे मुद्दे अब अलग-अलग नहीं रहे। इन सभी चुनौतियों का समाधान सामूहिक सहयोग और भरोसेमंद साझेदारी में ही निहित है। दिल्ली में हुआ यह रणनीतिक मंथन आने वाले वर्षों की वैश्विक राजनीति का आधार बन सकता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

कश्मीर पर भारत का अडिग संकल्प और चीन पाकिस्तान को करारा संदेश

-कांतिलाल मांडोत

जम्मू कश्मीर और लद्दाख को लेकर भारत की नीति हमेशा से स्पष्ट, दृढ़ और अटल रही है। भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने यह साफ कर दिया है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख उसके अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं और रहेंगे। चीन और पाकिस्तान द्वारा जारी संयुक्त बयान के बाद भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से दिया गया कड़ा जवाब केवल एक कूटनीतिक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि यह भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय स्वाभिमान और क्षेत्रीय अखंडता की स्पष्ट घोषणा थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि किसी भी देश को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन और पाकिस्तान लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर मुद्दे को जीवित रखने की कोशिश कर रहे हैं।

दरअसल पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की असफल कोशिश करता रहा है। उसे यह भय सताता है कि यदि दुनिया ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख को पूरी तरह भारत का हिस्सा मान लिया तो उसका दशकों पुराना प्रचार तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगा। दूसरी ओर चीन भी अपनी सामरिक और आर्थिक महत्वाकांक्षाओं के कारण पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई देता है।

चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपेक का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। भारत शुरू से इस परियोजना का विरोध करता आया है क्योंकि यह भारत की संप्रभुता का उल्लंघन है। भारत का स्पष्ट मत है कि जिस क्षेत्र पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है वहां किसी तीसरे देश की परियोजना स्वीकार नहीं की जा सकती।

चीन और पाकिस्तान यह भलीभांति जानते हैं कि यदि उन्होंने कश्मीर और लद्दाख का नाम लेना बंद कर दिया तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश जाएगा कि ये क्षेत्र पूरी तरह भारत के ही अंग हैं। यही कारण है कि दोनों देश समय समय पर संयुक्त बयान जारी कर इस मुद्दे को हवा देने का प्रयास करते रहते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया अब पाकिस्तान के पुराने दुष्प्रचार को गंभीरता से नहीं लेती। अधिकांश देशों ने यह समझ लिया है कि जम्मू कश्मीर भारत का आंतरिक विषय है और इसका समाधान भारत अपने संवैधानिक ढांचे के भीतर ही करेगा।

भारत ने वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू कश्मीर को पूर्ण रूप से भारतीय संविधान के दायरे में लाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। इसके बाद से पाकिस्तान लगातार बौखलाहट में दिखाई देता है। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि दुनिया भारत के खिलाफ खड़ी होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। संयुक्त राष्ट्र सहित अधिकांश वैश्विक शक्तियों ने इसे भारत का आंतरिक मामला माना। यही कारण है कि पाकिस्तान बार बार चीन का सहारा लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाने की कोशिश करता है।

चीन का रवैया भी पूरी तरह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। वह एक ओर भारत के साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंध बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को सामरिक सहयोग देकर दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की रणनीति पर काम करता है। लेकिन भारत अब पहले वाला भारत नहीं है। आज भारत आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक दृष्टि से दुनिया की बड़ी शक्तियों में शामिल हो चुका है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी संप्रभुता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा।

भारत की बढ़ती ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज दुनिया की बड़ी शक्तियां भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने में रुचि दिखा रही हैं। चाहे अमेरिका हो, फ्रांस हो, रूस हो या पश्चिम एशिया के देश, सभी भारत को एक विश्वसनीय और जिम्मेदार शक्ति के रूप में देखते हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की समस्या से जूझ रहा है। उसकी स्थिति इतनी कमजोर हो चुकी है कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और दूसरे देशों की आर्थिक मदद पर निर्भर है। ऐसे में भारत को चुनौती देना उसके लिए केवल राजनीतिक बयानबाजी भर रह गया है।

भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर भी हमेशा सख्त रुख अपनाया है। हाल ही में खुफिया एजेंसियों द्वारा अल बद्र और हिजबुल मुजाहिदीन के संभावित गठजोड़ को लेकर जारी अलर्ट इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अभी भी आतंकवाद को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाए हुए है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई लंबे समय से जम्मू कश्मीर में आतंक फैलाने वाले संगठनों को समर्थन देती रही है। लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर इन संगठनों की कमर तोड़ दी है।

आज घाटी में विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। सड़कें बन रही हैं, पर्यटन बढ़ रहा है, निवेश आ रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। यही बदलाव पाकिस्तान और उसके समर्थकों को सबसे अधिक परेशान करता है। वे नहीं चाहते कि जम्मू कश्मीर शांति और विकास के रास्ते पर आगे बढ़े, क्योंकि इससे उनका झूठा प्रचार कमजोर पड़ता है। इसलिए समय समय पर आतंकवादी गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी के जरिए माहौल खराब करने की कोशिश की जाती है।

भारत ने हमेशा स्पष्ट किया है कि बातचीत और शांति तभी संभव है जब आतंकवाद पूरी तरह बंद हो। एक तरफ पाकिस्तान शांति की बात करता है और दूसरी तरफ आतंकवादी संगठनों को संरक्षण देता है। यह दोहरा चरित्र अब दुनिया से छिपा नहीं है। भारत की नीति साफ है कि आतंक और वार्ता साथ साथ नहीं चल सकते।

चीन और पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि नया भारत हर चुनौती का जवाब देने में सक्षम है। भारत केवल सैन्य शक्ति के आधार पर ही नहीं बल्कि आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक कूटनीति के दम पर भी मजबूत हुआ है। भारतीय सेना सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है और देश की जनता भी राष्ट्रीय एकता के मुद्दे पर पूरी मजबूती से सरकार के साथ खड़ी है।

जम्मू कश्मीर और लद्दाख भारत की पहचान, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता का हिस्सा हैं। इन्हें भारत से अलग देखने की कल्पना भी असंभव है। चीन और पाकिस्तान चाहे जितने संयुक्त बयान जारी कर लें, चाहे जितने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचा लें, इससे जमीन पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। भारत ने साफ कर दिया है कि उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सर्वोपरि है और इस पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी या हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि दुनिया आतंकवाद को समर्थन देने वाली ताकतों को पहचानें और दक्षिण एशिया में स्थायी शांति के लिए भारत के प्रयासों का समर्थन करे। भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा की कीमत पर नहीं। यही संदेश भारत ने चीन और पाकिस्तान को दिया है और यही संदेश आने वाले समय में भी पूरी दृढ़ता के साथ दोहराया जाता रहेगा।

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है पत्रकारिता

(हिन्दी पत्रकारिता दिवस 30 मई 2026 पर विशेष)

पत्रकारिता समाचारों, विचारों और घटनाओं को एकत्र करके उन्हें जनता तक पहुँचाने का माध्यम है, यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जिसका उद्देश्य समाज को जागरूक, निष्पक्ष और सूचित रखना है इंसानी इतिहास में, पत्रकारिता ने अपनी अहम जगह और ऊँचे आदर्शों पर पक्के भरोसे के ज़रिए हमेशा अपनी अलग पहचान बनाई है। भारत में, पत्रकारिता का इतिहास लगभग दो सौ साल पुराना है। आज, पत्रकारिता शब्द हमारे लिए कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है। सुबह होते ही हमें अखबार की ज़रूरत महसूस होती है; इसके बाद, पूरे दिन हमें रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसे अलग-अलग तरीकों से खबरें मिलती रहती हैं। इसके अलावा, रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया सुबह से शाम तक हमारे साथ रहते हैं। इस लगातार जुड़ाव के पीछे एक खास इच्छा है—एक जिज्ञासा—नई और ताज़ा जानकारी पाने की। लोग पिछले कुछ घंटों में या पिछली रात से हुए बदलावों या सामने आई नई घटनाओं के बारे में जानकारी रखना चाहते हैं। इस बात का निचोड़ यह है कि हम अपने दोस्तों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और साथ काम करने वालों से अपने आस-पास हो रही घटनाओं के बारे में लगातार जानना चाहते हैं। अपने आस-पास की चीज़ों, घटनाओं और लोगों के बारे में अप-टू-डेट जानकारी पाना इंसान की एक जन्मजात आदत है; जिज्ञासा की भावना हमारे अंदर एक बहुत बड़ी ताकत है। यही जिज्ञासा न्यूज़ का बुनियादी हिस्सा है—और, बड़े पैमाने पर कहें तो, खुद पत्रकारिता का भी। अगर यह जिज्ञासा खत्म हो जाए, तो न्यूज़ की ज़रूरत भी खत्म हो जाएगी। पत्रकारिता इसी अंदरूनी जिज्ञासा को पूरा करने की कोशिश के तौर पर शुरू हुआ—यह एक ऐसा मिशन है जिसे यह आज भी पूरा कर रहा है, और अपने बुनियादी उसूलों पर मज़बूती से टिका हुआ है। इस जिज्ञासा के ज़रिए, हमें अपने आस-पड़ोस, शहर, राज्य और पूरी दुनिया के बारे में बहुत सारी जानकारी मिलती है। यह जानकारी न सिर्फ़ हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर बल्कि पूरे समाज पर असर डालती है। इसके अलावा, यह जानकारी हमारे अगले कदम को तय करने में हमारी मदद करने में भी अहम भूमिका निभाती है। यही वजह है कि आज के समाज में इन्फॉर्मेशन और कम्युनिकेशन मीडिया का महत्व तेज़ी से बढ़ा है। आज, हम देश और दुनिया भर में हो रही घटनाओं के बारे में ज़्यादातर जानकारी अलग-अलग न्यूज़ मीडिया आउटलेट से लेते हैं। इन अलग-अलग चैनलों के ज़रिए—चाहे वह अखबार हों, टेलीविज़न, रेडियो, इंटरनेट, या सोशल मीडिया—दुनिया भर की खबरें सीधे हमारे घरों तक पहुँचती हैं। न्यूज़ ऑर्गनाइज़ेशन में काम करने वाले जर्नलिस्ट लोकल और ग्लोबल लेवल पर होने वाली घटनाओं को न्यूज़ रिपोर्ट में बदलते हैं और हम तक पहुँचाते हैं। ऐसा करने के लिए, वे रोज़ाना जानकारी इकट्ठा करते हैं, उसे न्यूज़ फ़ॉर्मेट में ढालते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं। इस पूरे प्रोसेस को पत्रकारिता कहते हैं। कोई भी जानकारी जो किसी व्यक्ति, समाज, देश या पूरी दुनिया पर असर डालती है, वह न्यूज़ होती है। दूसरे शब्दों में, किसी खास घटना पर रिपोर्ट, डेफिनिशन के हिसाब से, न्यूज़ है। या, जैसा कि अक्सर कहा जाता है, न्यूज़ जल्दबाज़ी में लिखा गया इतिहास है। हिंदी शब्द "पत्रकारिता" इंग्लिश शब्द पत्रकारिता का सीधा ट्रांसलेशन है। मतलब के नज़रिए से, पत्रकारिता शब्द जर्नल से बना है, जिसका मतलब है रोज़ का रिकॉर्ड, डायरी, या डेबुक—असल में, रोज़ाना की एक्टिविटीज़ का डिटेल्ड अकाउंट वाला डॉक्यूमेंट। सिर्फ़ एंटरटेनमेंट के अलावा, ये मीडिया हमें बहुत सारी जानकारी से जान-पहचान कराते हैं। इसके अलावा, एडवरटाइज़िंग ने हमें कंज्यूमर कल्चर में अच्छे से जोड़ दिया है। कुल मिलाकर, पत्रकारिता के अलग-अलग मीडियम—जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया—ने लोगों से लेकर ग्रुप तक और देशों से लेकर पूरी दुनिया तक, सबको एक साथ जोड़ दिया है। इसलिए, आज पत्रकारिता में नेशनल लेवल पर आइडिया, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिक्स और यहाँ तक कि कल्चर को भी प्रभावित करने की काबिलियत है। अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के बारे में सोचने के लिए थोड़ा समय निकालें। एक ही मोहल्ले में रहने वाले दो लोग रोज़ एक-दूसरे से मिल सकते हैं—शायद बाज़ार में, सड़क पर चलते हुए, या एक-दूसरे के घर पर। जब वे बातचीत करते हैं, तो आमतौर पर उनका पहला सवाल क्या होता है? उनका पहला सवाल हमेशा यही होता है= हालात कैसे हैं? या आप कैसे हैं? या क्या खबर है? हालाँकि ऐसे आम, रोज़मर्रा के सवालों में कुछ खास खास नहीं लग सकता है, लेकिन एक पल सोचने पर एक गहरा मतलब पता चलता है= आज, जर्नल शब्द मैगज़ीन, अखबार और डेली डेलीज़ के लिए एक निशानी के तौर पर इस्तेमाल होने लगा है। 'पत्रकारिता'—यानी, "पत्रकारिता"—अखबारों और मैगज़ीन से जुड़े एक प्रोफ़ेशन को दिखाता है, जिसमें न्यूज़ इकट्ठा करना, लिखना, एडिट करना, दिखाना और बांटना शामिल है। आज के ज़माने में, पत्रकारिता कई मीडियम जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, वेब पत्रकारिता, सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए विकसित हुई है। हिंदी में पत्रकारिता का मतलब असल में यही है। इस कॉन्सेप्ट को "पत्र" (लेटर/पेपर) से "पत्रकार" (पत्रकार), और आखिर में "पत्रकारिता" (पत्रकारिता) तक के विकास को देखकर समझा जा सकता है। "बृहत् हिंदी शब्दकोष" (कॉम्प्रिहेंसिव हिंदी) के अनुसार (हिंदी शब्दकोश), "पत्र" का अर्थ है कोई चिट्ठी या कागज़ का पन्ना—विशेष रूप से, ऐसा कागज़ जिस पर कुछ लिखा या छापा गया हो; कोई कागज़ या धातु की प्लेट जिस पर किसी लेन-देन से जुड़ा कोई प्रामाणिक लेख (जैसे कि दान-पत्र या ताम्र-पत्र अनुदान) अंकित हो; कोई दस्तावेज़ी रिकॉर्ड जो किसी लेन-देन या घटना के प्रमाण के रूप में काम करे (जैसे कि पट्टा या कानूनी विलेख); या, अंत में, कोई वाहन, सवारी, या समाचार-पत्र। "पत्रकार" का तात्पर्य किसी समाचार-पत्र के संपादक या लेखक से है। और "पत्रकारिता" का अर्थ है किसी पत्रकार का काम या पेशा—वह विषय-क्षेत्र जो समाचारों के विश्लेषण, संपादन और संकलन से संबंधित है। "बृहत् शब्दकोश" यह स्पष्ट करता है कि "पत्र" का तात्पर्य किसी भी ऐसे कागज़ या माध्यम से है—चाहे वह लिखित हो या मुद्रित—जो प्रामाणिक हो और किसी विशिष्ट घटना के संबंध में दस्तावेज़ी प्रमाण के रूप में कार्य करता हो। "पत्रकार" उस व्यक्ति को कहते हैं जो ऐसे कागज़ या दस्तावेज़ को लिखता या संपादित करता है। और "पत्रकारिता" उस अकादमिक विषय-क्षेत्र को कहते हैं जो इस क्षेत्र के अध्ययन और विश्लेषण के लिए समर्पित है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि, इन सभी पारंपरिक माध्यमों में, संदेशों या सूचनाओं का प्रसार ऐतिहासिक रूप से एक-तरफ़ा प्रक्रिया रही है। इस सूचना को प्राप्त करने वालों से मिलने वाली प्रतिक्रिया (फीडबैक) लगभग न के बराबर रही है। दूसरे शब्दों में, इन विभिन्न माध्यमों में, संचारक या प्रसारक आम तौर पर सूचना प्राप्त करने वालों के साथ दो-तरफ़ा संवाद स्थापित करने में असमर्थ रहे हैं। संवाद का स्तर—पत्रों और इसी तरह के अन्य माध्यमों से प्राप्तकर्ताओं से मिलने वाली प्रतिक्रिया या जवाबों के रूप में—नगण्य रहा है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, अत्याधुनिक जनसंचार तकनीकों के आगमन के साथ, दो-तरफ़ा संवाद बनाए रखने की प्रथा ने जड़ पकड़ना शुरू कर दिया है। किसी भी विशिष्ट घटना के संबंध में... रिपोर्टिंग ही समाचार का रूप लेती है—ऐसी सूचना जो व्यक्तियों, समाज और समग्र रूप से दुनिया को प्रभावित करती है। चूँकि यह एक ऐसी कलात्मक सेवा है जिसके माध्यम से पत्रकार शब्दों और चित्रों का उपयोग करके समकालीन घटनाओं का दैनिक वृत्तांत तैयार करते हैं, इसलिए इसे, एक अर्थ में, 'दैनिक इतिहास-लेखन' के रूप में वर्णित किया जा सकता है। ऊपरी तौर पर, यह कार्य काफी सरल प्रतीत होता है; हालाँकि, वास्तविकता में, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। अपनी पूर्ण स्वायत्तता के बावजूद, पत्रकारिता सामाजिक और नैतिक मूल्यों से अविभाज्य रूप से जुड़ी हुई है। उदाहरण के लिए, सांप्रदायिक दंगों की रिपोर्टिंग करते समय, एक पत्रकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि उसकी रिपोर्ट तनाव को भड़काए नहीं या आगे की हिंसा को उकसाए नहीं। वे दंगों के दौरान मारे गए या घायल हुए लोगों की सामुदायिक पहचान ज़ाहिर करने से परहेज़ करते हैं। बलात्कार से जुड़े मामलों में, पत्रकार पीड़िता का नाम या तस्वीर प्रकाशित नहीं करते, जिससे उसकी सामाजिक गरिमा और प्रतिष्ठा किसी भी संभावित नुकसान से सुरक्षित रहती है। पत्रकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे पेशेवर आचार संहिता का पालन करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी रिपोर्टें—अनावश्यक रूप से या ठोस सबूतों के बिना—किसी की भी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को नुकसान न पहुँचाएँ, और न ही समाज में अराजकता या अशांति के बीज बोएँ। सार्थक पत्रकारिता इसी बात में निहित है कि वह सामाजिक चिंताओं को सत्ता के गलियारों तक पहुँचाने की ज़िम्मेदारी निभाए, और साथ ही प्रशासन की लोक-कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं को समाज के सबसे निचले तबके तक प्रसारित करे। पत्रकारिता को अक्सर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। लोकतांत्रिक ढाँचे के भीतर यह महत्वपूर्ण दर्जा उसे अपने-आप नहीं मिल गया; बल्कि, समाज ने ही उसे यह विशिष्ट सम्मान प्रदान किया, क्योंकि उसने पत्रकारिता की सामाजिक ज़िम्मेदारियों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के गहरे महत्व को पहचाना। लोकतंत्र तभी वास्तव में मज़बूत हो सकता है।

- संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ट्रक भाड़ों में बढ़ौतरी के असर से चने व मसूर में बाजार तेजी के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में मजबूती बनी। किराना जिंसों में हल्दी बाजार सुस्त नज़र आये। शक्कर में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने व मसूर सहित अन्य दलहनों में ट्रक भाड़ों की वृद्धि का असर दिखने लगा है। चने में आज बाजार 6200-6300 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। वहीं, मूंग व मसूर में भी सुर्खी रही। तिलहनों में सोयाबीन में सुर्खी रही। उधर, किराना जिंसों में हल्दी बाजार सुस्त नज़र आये। शक्कर में मजबूती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4280-4340, खोपरा गोला 380-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सींगदाना 1620-1640, मुम्बई 1640, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1415-1420, सोया रिफाईंड 1475-1485, कपास्या 1500, धूलिया 1510, कड़ी 1510,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 7200-7300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6200-6300, एवरेज 6000-6050, विशाल 6100-6150, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5900-6000, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7350, मूंग पुराना बोल्ड 7800-8000, मीडि?यम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 254000, चाँदी (99) 253800, टंच 253500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151300,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में 67 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.91 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया पांच पैसे मजूबत होकर 95.53 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.77 पर खुला और शुरुआती कारोबार में बढ़त बनाते हुए 95.53 तक पहुंच गया, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की मजबूती दर्शाता है। डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में रुपया 95.78 तक भी गया। रुपया बुधवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.58 पर बंद हुआ था। ईद-उल-अजहा के अवसर पर गुरुवार को घरेलू शेयर और विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के कारण बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह भारतीय बजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर संशय पनपने से बाजार नीचे आने लगा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर पहुंच गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 359.40 अंक टूटकर 23,547.75 पर आ गया। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,220.02 तक पहुंचा। वहीं निफ्टी 24,002.80 तक उछला। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.33 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.85 फीसदी की गिरावट रही। वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2.47 फीसदी की गिरावट, निफ्टी मेटल में 2.02 फीसदी की गिरावट और निफ्टी वित्तीय

सेवाओं में 2.02 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। वहीं निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.60 फीसदी की बढ़त रही। आज एचसीएल टेक, विप्रो, नेस्ले इंडिया और एलएंडटी के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। वहीं इंडिगो, ओएनजीसी, मैक्सहेल्थ, आयशर मोटर के के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के लगभग 471 लाख करोड़ रुपए से गिरकर करीब 465 लाख करोड़ रुपए रह गया। इससे एक ही सत्र में निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजर तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी बढ़त के साथ 23,957.75 पहुंचा जबकि बीएसई सेंसेक्स 76,087.75 पर पहुंच गया। सुबह कारोबार में निफ्टी5 36.90 अंकों की बढ़त के साथ 23,957.75 पर कारोबार किया, वहीं सेंसेक्स 219.95 अंक बढ़कर 76,087.75 के स्तर पर पहुंचा।

वैश्विक बाधाओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत-आरबीआई

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत बनी रहेगी। केंद्रीय बैंक ने सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए बताया कि देश के मजबूत वृहद आर्थिक आधार, कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के बेहतर बही-खाते और सरकार के पूंजीगत व्यय पर जोर से आगामी वित्त वर्ष में वृद्धि को बल मिलेगा। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और अन्य वैश्विक चुनौतियां प्रमुख जोखिम बनी रहेंगी। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद भारत की वृद्धि गति मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में उभरे भू-राजनीतिक जोखिम, विशेषकर पश्चिम एशिया में संघर्ष का लंबा खिंचना, वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों के लिए एक नकारात्मक जोखिम उत्पन्न कर सकता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। इसके बावजूद रिपोर्ट में कहा गया कि मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 प्रतिशत थी। यह मजबूत घरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही। विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भी वृद्धि को गति देगा। कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति पर निर्भर करेगा। अल नीनो की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा करती है, हालांकि हिंद महासागर द्विध्रुवीय स्थिति इसके प्रतिकूल प्रभावों को आंशिक रूप से कम कर सकती है।

जापान नहीं जाएगा भारतीय आम, आम निर्यातक और किसान की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय आमों की मिठास इस बार जापान तक नहीं पहुंच पाएगी। करीब दो दशक पहले हटाए गए प्रतिबंध के बाद लगातार जारी भारतीय आमों के निर्यात पर जापान ने एक बार फिर अस्थायी रोक लगा दी है। इस फैसले से आम निर्यातकों और किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि यह प्रतिबंध ऐसे समय लगाया गया है जब अप्रैल से जून के बीच आमों का निर्यात अपने चरम पर होता है। इस रोक का सबसे ज्यादा असर अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली जैसी आम किस्मों पर पड़ेगा, जिनकी जापान में अच्छी मांग है। जानकारी के मुताबिक जापान हर साल आम के निर्यात सीजन से पहले अपनी क्वारंटीन टीम भारत भेजता है। यह टीम उन वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्रों का निरीक्षण करती है, जहां जापान भेजे जाने वाले आमों को प्रोसेस किया जाता है। इस प्रक्रिया में आमों को गर्म और नमी वाली हवा में रखा जाता है ताकि फल मक्खियों और अन्य कीटों को खत्म किया जा सके। जापान के लिए आम निर्यात करने में यह प्रक्रिया अनिवार्य है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल मार्च में उत्तर प्रदेश के रहमानपुर स्थित वेपर हीट ट्रीटमेंट केंद्र का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान जापानी अधिकारियों को वहां सफाई व्यवस्था और फ्यूमिगेशन प्रक्रिया से जुड़ी कुछ तकनीकी खामियां मिलीं। हालांकि दोनों देशों की सरकारों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वास्तव में कौन-कौन सी कमियां मिली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मौजूदा निर्यात सीजन के दौरान यह समस्या सुलझ पाएगी या नहीं। जापान के प्लांट प्रोटेक्शन स्टेशन और भारत की कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अभी तक किसी समयसीमा की घोषणा नहीं की है। इस कारण निर्यातकों के सामने अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। बता दें जापान ने पहली बार 1986 में भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि उसे फल मक्खियों के संक्रमण का खतरा था। करीब 20 साल बाद 23 जून 2006 को यह प्रतिबंध हटाया गया था और उसके बाद भारत से जापान को आमों का निर्यात दोबारा शुरू हुआ।

मेष- आज आपका रहन-सहन और लाइफस्टाइल पहले से ज्यादा आकर्षक नजर आएगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपको सही फैसले लेने में मदद करेगी। पैसों के मामले में अनजान लोगों पर भरोसा करना नुकसान दे सकता है, इसलिए सावधानी जरूरी है। यदि कहीं आपका पैसा फंसा हुआ था, तो उसके वापस मिलने के संकेत हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आपकी पकड़ मजबूत होगी, लेकिन आपकी बढ़ती लोकप्रियता कुछ लोगों को चुभ भी सकती है।

वृषभ- आज का दिन आराम, सुख-सुविधाओं और खुशियों से भरा रहेगा। आप अपने घर और जरूरतों पर खुलकर खर्च कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन खास रहेगा, क्योंकि बॉस के साथ संबंध मजबूत होंगे और प्रमोशन की चर्चा भी हो सकती है। घर में कोई नई चीज आने से माहौल और खुशनुमा बनेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपका दिल गर्व से भर जाएगा।

मिथुन- आज किस्मत अचानक आपको बड़ा फायदा दे सकती है। पुरानी इन्वेस्टमेंट से अच्छा लाभ मिलने के योग हैं और रुका हुआ पैसा भी वापस आ सकता है। आपकी लोकप्रियता और सम्मान में वृद्धि होगी। मन भगवान की भक्ति में डूबा रहेगा और किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है। हालांकि अतीत की कोई पुरानी बात या गलती अचानक सामने आ सकती है, इसलिए संभलकर रहें।

कर्क- आज लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होने की दिशा में बढ़ेंगे, जिससे मन को राहत मिलेगी। अपनी निजी बातें या जरूरी जानकारी किसी से साझा करने से बचें। खास लोगों से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। भाई-बहनों की सलाह आज आपके बहुत काम आएगी। किसी सहयोगी की बात दिल को ठेस पहुंचा सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें।

सिंह- आज आमदनी के मामले में दिन शानदार रहने वाला है। सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को कोई अच्छी खबर या उपलब्धि मिल सकती है। विद्यार्थियों का पढ़ाई में खूब मन लगेगा और वे भविष्य को लेकर गंभीर नजर आएंगे। किसी दूर के रिश्तेदार से जुड़ी खबर मन थोड़ा उदास कर सकती है। मां की सेहत को लेकर सतर्क रहें, क्योंकि पुरानी बीमारी फिर परेशान कर सकती है।

कन्या- आज आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। नई नौकरी या करियर से जुड़ी कोई खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज आपका दिन खास बना देगा। कामों में जल्दबाजी करना नुकसान दे सकता है, इसलिए हर फैसला सोच-समझकर लें।

तुला- आज आपके आसपास का माहौल खुशियों और उत्साह से भरा रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात तय हो सकती है, जिससे घर में रौनक बढ़ जाएगी। हालांकि पैसों से जुड़ा कोई वादा पूरा करने में थोड़ी परेशानी आ सकती है। बिजनेस में नई पार्टनरशिप आपके लिए लाभदायक साबित होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी अटकी हुई डील भी आज आगे बढ़ सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन बाकी दिनों से कहीं ज्यादा सुखद और राहतभरा महसूस होगा। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई सरप्राइज आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगा। आसपास के लोगों की असली नीयत को पहचानकर चलना जरूरी होगा। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिलने के योग हैं। आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरी समझदारी और ईमानदारी से निभाएंगे।

धनु- आज का दिन हंसी-मजाक, मौज-मस्ती और नए अनुभवों से भरा रहेगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपके लिए बहुत काम आएगी। कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहें। पड़ोस या किसी और के विवाद में पड़ना नुकसानदेह हो सकता है। राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी और लोग आपके विचारों की तारीफ करेंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए उम्मीद और सकारात्मकता लेकर आया है। आप अपने कामों को लेकर बेहद उत्साहित रहेंगे और बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। जीवनसाथी हर कदम पर आपका साथ देंगे, जिससे मुश्किलें आसान लगेंगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होती नजर आएगी। परिवार से जुड़ी कोई चिंता जो लंबे समय से मन पर बोझ बनी हुई थी, उससे राहत मिलने के संकेत हैं।

कुंभ- आज विद्यार्थियों के लिए दिन बेहद शानदार रहने वाला है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आप पढ़ाई पर पूरा ध्यान देंगे और आपका फोकस पहले से मजबूत होगा। दोस्तों का साथ और सहयोग आपको प्रेरित करेगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को नया अवसर मिल सकता है। धन और सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। लंबे समय से रुका हुआ कोई काम आज पूरा होने की दिशा में बढ़ सकता है।

मीन- आज काम का दबाव आपको थकान महसूस करा सकता है। छोटी-छोटी परेशानियां मन का तनाव बढ़ा सकती हैं। परिवार में किसी पुरानी बात को लेकर बहस छिड़ सकती है, इसलिए बीती बातों को दोहराने से बचें। अपने स्वभाव में नरमी और वाणी में मिठास बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। किसी से उधार लेने से बचें, क्योंकि बाद में उसे चुकाना मुश्किल हो सकता है।

शब्दजाल - 8274

बं	म	म	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	ब	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

शब्द जाल में 'म' नाम से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, नीचे से ऊपर, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

मंजिल, मर्यादा, मदर इंडिया, मर्द, मशाल, मरते दम तक, मकसद, मनचली, मंगल पांडे, मन की आंखें.

शब्दजाल - 8273 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7218

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'हवाई हवाई मैं हूँ हवाई' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके ख्याल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओढ़नी उड़ती जाये बहुता है' गीत वाली सनी देओल, सोहैल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, शशि कपूर, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'रहना है तेरे दिल में' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-२
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक दो तीन' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सौंसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'हम दिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिसमें शेत्रुगिन, हरवास, कविता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम चाहे मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इक इक इश्क में' गीत वाले देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्राण, ऐश्वर्य राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिविंकल की 'कश्मीर लड़के रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
३०. अमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'होते होते हैसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी आँखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचे गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी सनी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरुद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टि्वंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7217

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.22 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कर्क	08.36 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.52 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	13.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.14 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.29 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.50 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.37 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मीन	01.09 बजे से
		मेष	02.40 बजे से
		वृष	04.20 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 150 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 11.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 13.21 बजे को समाप्त।
योग शिव अहोरात्र।
करण वणिज 11.58 बजे तदनन्तर विष्टि 01.06 बजे रात को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872725
जूलियन दिन 2461190.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 13
विशेष पूर्णिमा व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः परोपकार की सीख

अरब के एक खलीफा बेहद ईमानदार और न्यायप्रिय थे। एक बार वह बीमार हो गए। उनका काफी इलाज कराया गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अपना अंत समय जान खलीफा ने खजांची को बुलाया और उससे पूछा, 'बताओ, खलीफा बनने के बाद मेरी निजी संपत्ति कितनी बढ़ी है?' खजांची ने हिसाब लगाया और बोला, 'हुजूर, आपकी निजी संपत्ति में एक ऊंट, एक दुशाला और एक बकरी का इजाफा हुआ है।' खलीफा ने उन्हें गरीबों में बांट देने का हुक्म दिया। इसके बाद उन्हें यह भी पता चला कि उन्होंने राजकोष से पांच हजार दिरहम लिए थे। इस पर वह बोले, 'मेरा घर बेचकर पांच हजार दिरहम खजाने में जमा कर दिए जाएं और जो बचें उन्हें गरीब लोगों व अनाथ बच्चों में बांट दिया जाए।' इसके बाद वह अपने आसपास खड़े सभी लोगों से बोले, 'मेरी आखिरी यात्रा में सिर्फतीन कपड़े मेरे जिस्म पर हों, जिनमें से दो तो इस वक्त मेरे शरीर पर हैं ही। तीसरा कपड़ा खरीद कर मुझ पर डाल दिया जाए।' यह सुनकर उनके कुछ मित्र बोले, 'हम तीनों नए कपड़े खरीद ही सकते हैं और फिर अंतिम यात्रा में तो नए कपड़े लिए जाने चाहिए, भला पुरानों से काम क्यों चलाया जाए?' उन मित्रों की बात सुनकर खलीफा बोले, 'अरे भाई, क्या तुम इतना भी नहीं जानते कि धरती पर नए कपड़ों की जरूरत मुर्दों के बजाय जिंदा लोगों को ज्यादा है। आप लोग कृपया जिंदा लोगों को ही नए कपड़े देने का प्रयास करें।' यह सुनकर सभी लोग खलीफा के प्रति श्रद्धा से भर उठे।

सूडोकु नवजाल- 7527

★★★ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवजाल -7526 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8742

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण-4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला-4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -8741 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

पहले आओ, पहले पाओ के तहत मध्यप्रदेश पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने पशुपालकों, किसानों एवं डेयरी व्यवसाय से जुड़े हितग्राहियों के लिए जारी की योजनाएं

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा वर्ष 2026 के लिए पशुपालकों, किसानों एवं डेयरी व्यवसाय से जुड़े हितग्राहियों हेतु विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से डेयरी व्यवसाय, बकरी पालन, पशुधन संवर्धन तथा नस्ल सुधार को बढ़ावा दिया जाएगा। विभाग ने पात्र हितग्राहियों से 30 जून 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। विभाग के अनुसार योजनाओं का लाभ सीमित लक्ष्य के आधार पर ₹पहले आओ, पहले पाओ₹ प्रणाली से दिया जाएगा।

कामधेनु योजना- बड़ी डेयरी यूनिट स्थापित करने वाले किसानों के लिए यह योजना संचालित की जा रही है।- 25 गाय अथवा भैंस की यूनिट - परियोजना लागत ₹36 लाख रुपए से 42 लाख रुपए - 33 प्रतिशत सब्सिडी, - अधिकतम 10 लाख रुपए तक अनुदान।

डेयरी प्लस कार्यक्रम- छोटे एवं मध्यम किसानों के लिए यह योजना विशेष रूप से लाभकारी है। 2 मुर्रा भैंस प्रदान की जाएंगी- कुल लागत 2.95 लाख रुपए, सामान्य वर्ग को 50 प्रतिशत सब्सिडी लगभग 1.47 लाख रुपए, एससी /एसटी वर्ग को 75 प्रतिशत सब्सिडी

आचार्य विद्यासागर योजना- 5 पशुओं वाली डेयरी यूनिट के लिए संचालित इस योजना में बैंक ऋण एवं ब्याज सहायता का लाभ मिलेगा। परियोजना लागत 10 लाख रुपए तक, 75 प्रतिशत बैंक ऋण सुविधा, सामान्य वर्ग हेतु 25 प्रतिशत सब्सिडी 1.5 लाख रुपए तक, एससी/ एसटी वर्ग हेतु 33 प्रतिशत सब्सिडी = 2 लाख रुपए तक, 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज का भुगतान शासन द्वारा, अधिकतम 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष तक सहायता

(10+1) बकरी इकाई योजना- ग्रामीण क्षेत्रों में बकरी पालन को बढ़ावा देने हेतु योजना लागू है। 10 बकरी एवं 1 बकरा यूनिट, कुल लागत = 77,456 रुपए एससी/एसटी वर्ग को 60 प्रतिशत अनुदान 46,474 रुपए सामान्य वर्ग को 40 प्रतिशत अनुदान = 30,982 रुपए।

पशुपालन केसीसी योजना-पशुओं के चारा, दवाई एवं रखरखाव के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिया जा रहा है। 1.6 लाख रुपए तक बिना गारंटी ऋण, ब्याज दर मात्र 4 प्रतिशत जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखाओं से साख सीमा के आधार पर 0 प्रतिशत ब्याज पर भी केसीसी उपलब्ध नस्ल सुधार योजनाएं, नंदिशाला योजना, गोवंश नस्ल सुधार हेतु हरियाणा, गिर एवं साहीवाल नस्ल के सांड उपलब्ध कराए जाएंगे। 75 प्रतिशत अनुदान 25 प्रतिशत हितग्राही अंशदान प्रदाय किया जायेगा। मुर्रा सांड प्रदाय योजना भैंस नस्ल सुधार के लिए उन्नत मुर्रा सांड उपलब्ध कराए जाएंगे। 75 प्रतिशत अनुदान, 25 प्रतिशत हितग्राही अंशदान।

केंद्र सरकार की योजनाओं का भी लाभ- विभाग द्वारा राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन एवं एफएमडीएफ जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया जाएगा।

आवेदन हेतु आवश्यक दस्तावेज- आधार कार्ड, वोटर आईडी, बैंक पासबुक, समग्र आईडी, 2 पासपोर्ट साइज फोटो, भूमि संबंधी दस्तावेज (पट्टा/ऋण पुस्तिका/खसरा) उपलब्ध पशुओं की फोटो, पशु आधार नंबर एवं ईयर टैग नंबर मोबाइल नंबर, योजना अनुसार ग्राम सभा प्रस्ताव/अनुमोदन, बैंक सहमति पत्र, भरा हुआ आवेदन फॉर्म। आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए पशु चिकित्सालय लांजी, मोहझरी, कारंजा एवं पशु औषधालय साडरा में संपर्क किया जा सकता है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग बालाघाट ने जिले के सभी पात्र पशुपालकों एवं किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि से पूर्व अपने सभी दस्तावेज पूर्ण कर आवेदन जमा करें तथा अधिक से अधिक लोगों तक इस जानकारी को पहुंचाएं, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे।

कम वसूली होने पर होगी कार्यवाही-सीईओ बघेल

शाखा प्रबंधकों, पर्यवेक्षकों एवं संस्था प्रबंधकों की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट के सभाकक्ष में 28 मई को शाखा प्रबंधकों, पर्यवेक्षकों एवं संस्था प्रबंधकों की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में किया गया। बैठक में बैंक के सीईओ अभिनव सिंह बघेल एवं प्रबंधक लेखा पी. जोशी ने बैंकिंग कार्यों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की। बैठक में ऋण वसूली की वन-टू-वन समीक्षा करते हुए सीईओ श्री बघेल ने निर्देश दिए कि सभी शाखाएं उन्हें आवंटित लक्ष्य के अनुरूप वसूली कार्य पूर्ण करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गत वर्ष की तुलना में कम वसूली होने पर संबंधित शाखाओं एवं समितियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी, जबकि बेहतर वसूली करने वाली शाखाओं एवं समितियों को प्रोत्साहित भी किया जाएगा। उन्होंने समिति कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे कालातीत एवं अकालातीत कृषकों से घर-घर जाकर संपर्क करें और वसूली कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करें। बैठक में खरीफ ऋण वितरण, वर्ष 2025-26 के कृषि ऋणों की समीक्षा, शाखा समायोजन, समिति निरीक्षण, पैक्स कम्प्यूटरीकरण तथा सहकारी से समृद्धि अभियान की भी समीक्षा की गई। समितियों को अन्य व्यवसायों के लिए आवेदन करने के निर्देश दिए गए, ताकि उन्हें अतिरिक्त आय के स्रोत प्राप्त हो सकें। श्री बघेल ने बताया कि पैक्स समिति मोरवाही द्वारा इफको मार्ट प्रारंभ किया गया है, जिससे समिति को लाभांश प्राप्त हुआ है। इसके अलावा समितियों के पुनर्गठन, मध्यमकालीन ऋण प्रकरण तैयार करने, समिति कर्मचारियों के खातों के संधारण, मत्स्य पालन एवं पशुपालन केसीसी प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को जोड़ने के निर्देश दिए गए। साथ ही किसानों को समय पूर्व रासायनिक खाद उठाव के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि खाद का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित हो सके। बैठक में चार्टर्ड अकाउंटेंट रविन्द्र वैद्य ने नए आयकर अधिनियम में हुए परिवर्तनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीडीएस, पैन कार्ड और आधार कार्ड बैंकिंग कार्यों में अनिवार्य हैं तथा खाताधारकों की केवाईसी समय पर पूर्ण करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारी अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच रखते हैं, इसलिए उन्हें आरबीआई और नाबार्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर प्र. विपणन अधिकारी अशोक भवरे, शाखा प्रबंधक आशीष मिश्रा, ऋषि बिसेन, सुनील राहंगडाले, प्रकाश साहू, ऋषि हरिनखेड़े, मोरेश्वर फुंडे, ज्ञानचंद नेवारे, जयकुमार नंदनवार, आई.आर. भगत, मुकेश ठाकरे, गिरीश हनवत, रक्षपोष भूरे, दीपक देशमुख, राजेश दुबे, अनिरुद्ध वागदे, दीनदयाल ठाकरे, दिलीप रामटेके, श्रीमती भूमेश्वरी नागेश्वर, श्रीमती लता गौतम, सारंग बिसेन, रौनक चैकसे, नीरज बिसेन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों व डिब्बे में पेट्रोल डीजल देने पर रोक

सरकार तुगलकी आदेश वापस ले - अजय अवसरे

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला कलेक्टर के द्वारा जारी आदेश को लेकर लांजी जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय अवसरे ने जिला प्रशासन द्वारा जारी उस आदेश पर कड़ी आपत्ति जताई है, जिसमें बिना नंबर प्लेट वाले किसी भी वाहन को पेट्रोल एवं डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय, मध्य प्रदेश, भोपाल के पत्र क्रमांक 3061/पेट्रोलियम/2026 दिनांक 26.05.2026 के निर्देशों के पालन में जिला बालाघाट में आदेश जारी किया गया है कि कोई भी पेट्रोल पंप संचालक बिना नंबर प्लेट वाले दुपहिया, चार पहिया, ट्रैक्टर, ट्रक अथवा अन्य व्यावसायिक वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं देगा। साथ ही प्लास्टिक के डिब्बों में डीजल प्रदाय पर भी रोक लगाई गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले पेट्रोल पंप संचालकों के विरुद्ध ₹मोटर स्पिरिट और उच्च वेग डीजल (प्रदाय तथा वितरण का विनियमन और अनाचार निवारण) आदेश 2005₹ एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस आदेश को लेकर क्षेत्र के किसानों, छोटे व्यापारियों एवं ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। उपाध्यक्ष जनपद पंचायत लाँजी अजय अवसरे ने कहा कि वर्तमान समय खरीफ खेती की तैयारी का है और ऐसे में यह आदेश किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन सकता है। उन्होंने कहा कि गांवों में उपयोग होने वाली मिक्सर मशीन, स्लेब मशीन, जनरेटर, मोटर पंप तथा खेतों में कार्यरत ट्रैक्टरों के लिए कई बार डीजल डिब्बों में ले जाना आवश्यक होता है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण खेतों में ही खड़े रहते हैं, जिससे पेट्रोल पंप तक वाहन ले जाना अतिरिक्त खर्च और परेशानी का कारण बनेगा। अजय अवसरे ने आरोप लगाया कि सरकार जनहित के मुद्दों पर विफल हो चुकी है और इस प्रकार के अनावश्यक एवं अव्यावहारिक आदेश देकर किसानों, व्यापारियों एवं आम जनता की कमर तोड़ने का काम कर रही है। उन्होंने मांग की कि जनहित को देखते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार कर इसे तत्काल निरस्त कर वापस लिया जाये। अन्यथा क्षेत्र के किसानों के साथ मिलकर आंदोलन किया जायेगा।

सिविल हॉस्पिटल लांजी में उमंग स्वास्थ्य केंद्र द्वारा मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। सिविल हॉस्पिटल लांजी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के निर्देशानुसार एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराडे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उमंग स्वास्थ्य केंद्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराडे , शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अंकित खरोले, मेडिकल ऑफिसर डॉ ओ पी नेवारे, दंत चिकित्सक डॉ संस्कृति अग्रवाल, डॉ सृष्टि गुप्ता, बी पी एम मनीष पांडे, राज्य समन्वयक मुन्ना लाल शर्मा, नर्सिंग ऑफिसर राजेश्री नारनौरे, नीता पांडे, एमटीएस श्याम लाल डोहरे, उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े एवं किशोरियां, महिलाओं सहित हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान किशोरियों एवं महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस की महत्वता को बताते हुए बताया गया कि माहवारी क्या है, माहवारी के पूर्व में होने वाले लक्षणों के बारे में बताते हुए, मासिक धर्म संबंधी विकारों के बारे में अवगत कराते हुए समाज में फैली माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को बताया गया साथ ही माहवारी स्वच्छता का प्रबंध कैसे करें, सेनेटरी पैड की उपलब्धता के बारे में बताते हुए सेनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल एवं इस्तेमाल किए हुए सेनेटरी नैपकिन का डिस्पोज कैसे किया जाये इस बारे में बताया गया। माहवारी के दौरान स्वच्छता का ध्यान न रखने के कारण होने वाले संक्रमण के बारे में जानकारी दी गई।

उमंग काउंसलर ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े के द्वारा बताया गया कि माहवारी स्वच्छता दिवस राष्ट्रीय स्तर पर प्रति वर्ष मनाया जाता है ताकि अधिक से अधिक महिलाओं, किशोरियों एवं समुदाय में जागरूकता फैल सकें। दुनिया भर में करोड़ों लड़कियों और महिलाओं के पास आज भी पीरियड्स के दिनों में इस्तेमाल होने वाले सुरक्षित उत्पादों और साफ शौचालयों की कमी है। इस दिन के जरिए सरकार और सामाजिक संस्थाओं का ध्यान इस ओर खींचा जाता है ताकि हर महिला तक ये बुनियादी जरूरतें पहुंच सकें। किशोरियों को उचित जानकारी और स्कूल में साफ शौचालयों या पैड्स की कमी के कारण कई लड़कियां पीरियड्स के दिनों में स्कूल नहीं जा पातीं या पढ़ाई छोड़ देती हैं। यह दिन स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देने की वकालत करता है ताकि किसी भी लड़की की पढ़ाई सिर्फ पीरियड्स की वजह से न छूटे। इसी क्रम में उमंग काउंसलर द्वारा उमंग स्वास्थ्य केंद्र द्वारा दी जाने वाली परामर्श सेवाएं जैसे कि पोषण सम्बन्धी परामर्श, स्वच्छता संबंधी परामर्श, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, शैक्षणिक संबंधी परामर्श, कैरियर काउंसिलिंग परामर्श, विवाह पूर्व/गर्भ निरोधक/परिवार नियोजन संबंधी परामर्श, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत परामर्श, एमटीपी संबंधी परामर्श, तनाव, अवसाद, आत्मघात संबंधी परामर्श, प्रजनन एवं यौन संबंधी रोग आरटीआई एसटीआई, एचआईवी निवारण हेतु परामर्श, नशीले पदार्थ के सेवन संबंधी परामर्श एनीमिया से रोकथाम एवं उपचार संबंधी परामर्श, हिंसा जोखिम युक्त व्यवहार संबंधी परामर्श माहवारी स्वच्छता संबंधी परामर्श, संचारी बीमारी टीबी, लेप्रोसी व असंचारी बिमारी जैसे मोटापा, मधुमेह, हाइपर टेंशन, कैंसर संबंधी परामर्श उक्त सेवाऐं प्रदान की जाती हैं किशोरावस्था में शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक समस्याओं के लिए उचित समाधानात्मक परामर्श, सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए उमंग स्वास्थ्य केंद्र आने के लिए, प्रेरित करना साथ ही उमंग हेल्प लाइन नम्बर 14425 , मनहित ऐप, मनहित हेल्पलाइन नंबर 14416 एवं जस्ट आस्क चैट बोट के उपयोग के बारे में बताया गया। परामर्श के दौरान सभी बाते गोपनीय रखी जाती हैं इसकी जानकारी दी गई।

नया राम मंदिर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित हुआ आध्यात्मिक प्रवचन और रसमय संकीर्तन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के नया राम मंदिर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन और रसमय संकीर्तन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। पंचम मूल जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज की कृपा पात्र वरिष्ठ प्रचारिका सुश्री ब्रज किशोरी देवी जी के सान्निध्य में चल रहे इस आध्यात्मिक आयोजन के चतुर्थ दिवस मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। अपने प्रवचन में सुश्री ब्रज किशोरी देवी जी ने कहा कि भगवान की असीम कृपा से मनुष्य शरीर प्राप्त होता है और चौरासी लाख योनियों में मानव जीवन सबसे श्रेष्ठ माना गया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य योनि बुद्धि, कर्म और भक्ति प्रधान है तथा सही महापुरुष के मार्गदर्शन में साधना कर भगवान की कृपा प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि भगवान अपने जीवों पर कृपा करने के लिए समय-समय पर स्वयं और अपने परिकरों को इस धरती पर भेजते हैं, ताकि जीव किसी न किसी माध्यम से उनसे जुड़कर अपने परम लक्ष्य को प्राप्त कर सके। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भी बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। श्रीकृष्ण के प्राकट्य से लेकर मथुरा से नंदगांव आगमन और नंदगांव में स्वागत की झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। देवी जी के सानिध्य में केक काटा गया और भक्तों द्वारा भगवान बालकृष्ण का अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान बालकृष्ण को पालने में झुलाया गया तथा आरती-अर्चन और लूट लीला का आयोजन किया गया। जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी के जयघोषों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति संगीत और संकीर्तन में देर तक झूमते रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को बेल जूस, पंचामृत और लड्डू का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ बनी रही और पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत नजर आया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्रॉडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में तबादलों की तैयारी तेज, विभागों ने जुटाया अफसरों-कर्मचारियों का ब्यौरा

- इंजीनियरों से लेकर शिक्षकों और पुलिसकर्मियों तक की पोस्टिंग की हो रही समीक्षा

भोपाल। प्रदेश में तबादलों की अवधि नजदीक आते ही अलग-अलग विभागों में हलचल तेज हो गई है। विभागाध्यक्षों ने जहां अपनी-अपनी तबादला नीति लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, वहीं जिलों में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों का विस्तृत ब्यौरा जुटाने का काम भी तेजी से चल रहा है। लोक निर्माण, जल संसाधन, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य और गृह विभाग सहित कई विभागों ने अपने अधीनस्थ कार्यालयों में कर्मचारियों की वर्तमान पोस्टिंग, अतिरिक्त प्रभार, रिक्त पदों और सेवा अवधि की जानकारी मांगी है।

मोहन सरकार द्वारा तबादलों पर लगी रोक हटाने और 22 मई को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा नई तबादला नीति जारी किए जाने के बाद प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हो गई हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले राज्य एवं जिला संवर्ग स्तर पर तय प्रक्रिया के अनुसार किए जाएंगे। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा नहीं करता है तो उसे तीन वर्ष की तय अवधि से पहले भी प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरित किया जा सकता है।

मांगी अतिरिक्त प्रभार की जानकारी

जल संसाधन विभाग ने सबसे पहले अपने यहां व्यापक स्तर पर जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू की है। विभाग की ओर से आयुक्त कमांड क्षेत्र एवं विकास संचालनालय, आयुक्त भू-अर्जन एवं पुनर्वास बाणसागर रीवा, सभी मुख्य अभियंता, परियोजना संचालक, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्रियों को पत्र भेजा गया है। इसमें विभाग के प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की विस्तृत जानकारी मांगी गई है। अधिकारियों से कहा गया है कि वे कर्मचारियों के नाम, पदनाम, वर्तमान पदस्थापना स्थल, वेतन आहरण कार्यालय, गृह जिला, सेवानिवृत्ति तिथि और अतिरिक्त प्रभार से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं। जिन अधिकारियों या कर्मचारियों के पास अतिरिक्त प्रभार है, उनके संबंधित कार्यालय और प्रभार ग्रहण करने की तारीख भी बताने को कहा गया है। विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तबादलों के दौरान वास्तविक रिक्तियों और अतिरिक्त पदस्थापनाओं की स्थिति स्पष्ट रहे तथा प्रशासनिक जरूरत के अनुसार समायोजन किया जा सके।

स्कूल शिक्षा विभाग ने शुरू की शिक्षकों की मैपिंग

स्कूल शिक्षा विभाग भी तबादलों की तैयारी में सक्रिय हो गया है। विभाग ने एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर विद्यालयवार और विषयवार शिक्षकों की जानकारी अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को कहा गया है कि प्रत्येक स्कूल में पदस्थ प्रत्येक शिक्षक का पूरा ब्यौरा पोर्टल पर दर्ज किया जाए। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन शिक्षकों की मृत्यु हो चुकी है या जो सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उनके नाम तत्काल सूची से हटाए जाएं। कई जिलों में ऐसी शिकायतें सामने आई थीं कि पोर्टल पर पद भरे दिख रहे हैं जबकि वास्तविकता में स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं। इसके कारण नई पदस्थापना में दिक्कतें आती हैं। विभाग का मानना है कि यदि वास्तविक आंकड़े उपलब्ध होंगे तो तबादलों के दौरान शिक्षक विहीन स्कूलों की पहचान करना आसान होगा और जरूरत के अनुसार पदस्थापना की जा सकेगी। लोक शिक्षण आयुक्त ने 30 मई को जिलावार समीक्षा बैठक बुलाकर इस प्रक्रिया की प्रगति का आकलन करने के निर्देश दिए हैं।

जनगणना ड्यूटी वाले शिक्षकों के तबादले पर रोक

स्कूल शिक्षा विभाग ने एक अन्य महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किया है। जिन शिक्षकों की ड्यूटी आगामी जनगणना कार्य में लगाई गई है, उनके तबादले फरवरी 2027 तक नहीं किए जाएंगे। ऐसे शिक्षकों की संख्या प्रदेश में 58 हजार से अधिक बताई जा रही है। लोक शिक्षण आयुक्त ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा है कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों की जानकारी एक जून 2026 तक एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर अपडेट की जाए। इससे तबादला सूची तैयार करते समय ऐसे शिक्षकों को बाहर रखा जा सकेगा और जनगणना कार्य प्रभावित नहीं होगा।

एनएचएम में संविदा कर्मचारियों से ऑनलाइन आवेदन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने भी संविदा कर्मचारियों के तबादलों की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अपर मिशन संचालक दिशा नागवंशी ने एनएचएम के अंतर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारियों से स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। आवेदन प्रक्रिया 27 मई से शुरू हो चुकी है और दो जून की रात 12 बजे तक आवेदन किए जा सकेंगे। एनएचएम ने संविदा तबादला नीति भी जारी की है, जिसमें कई शर्तें निर्धारित की गई हैं। आवेदन केवल ग्रामीण क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र से शहरी क्षेत्र के लिए ही स्वीकार किए जाएंगे। तबादले के लिए कर्मचारी को कम से कम पांच संस्थाओं का विकल्प देना होगा। इसके अलावा तीन माह की सार्थक एप उपस्थिति रिपोर्ट अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। जिन कर्मचारियों की नियुक्ति दो वर्ष के भीतर हुई है या जिनका पिछले दो वर्षों में तबादला हो चुका है, उन्हें इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि ऑनलाइन प्रक्रिया से पारदर्शिता बढ़ेगी और जरूरत के अनुसार मानव संसाधन का बेहतर वितरण किया जा सकेगा।

पुलिस विभाग में भी तबादलों की तैयारी

गृह विभाग के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय ने भी आरक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर स्तर तक तबादलों की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस मुख्यालय ने भोपाल और इंदौर के पुलिस आयुक्तों, एसपी रेल तथा सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि किसी भी कर्मचारी को एक ही थाने में एक पद पर पांच वर्ष से अधिक पदस्थापना नहीं होनी चाहिए। साथ ही एक बार किसी थाने में पदस्थ रहने के बाद उसी कर्मचारी की दोबारा उसी थाने में पोस्टिंग नहीं की जाएगी। पुलिस मुख्यालय ने यह भी कहा है कि अलग-अलग पदों पर पदस्थापना के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर होना चाहिए। इसके अलावा कोई भी आरक्षक, प्रधान आरक्षक, एएसआई या एसआई एक ही पुलिस अनुविभाग में दस वर्ष से अधिक समय तक पदस्थ नहीं रह सकेगा। इन मानकों के आधार पर पांच जून तक तबादला सूची तैयार कर पुलिस मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर फोरलेन कॉरिडोर बनेगा विकास धुरी

- एनएचएआई 158 किलोमीटर लंबे प्रोजेक्ट की तैयार कर रहा है डीपीआर

भोपाल। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच सड़क संपर्क को मजबूत बनाने के लिए सिवनी-छिंदवाड़ा-सावनेर फोरलेन परियोजना पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) इस परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर रहा है। करीब 158 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग-547 और एनएच-347 के अंतर्गत विकसित किया जाएगा।

इस परियोजना का उद्देश्य महाराष्ट्र के नागपुर और सावनेर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, सिवनी और मध्य भारत के अन्य हिस्सों से बेहतर तरीके से जोड़ना है। वर्तमान में इस मार्ग पर भारी वाहनों और औद्योगिक ट्रैफिक का दबाव लगातार बढ़ रहा है, जिससे जाम और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या बनी रहती है। फोरलेन बनने के बाद यातायात अधिक तेज, सुरक्षित और सुगम हो सकेगा। यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच आर्थिक और औद्योगिक संपर्क मजबूत करने वाली बड़ी पहल माना जा रहा है। सावनेर और नागपुर क्षेत्र कोयला, ऊर्जा और औद्योगिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण हैं, जबकि छिंदवाड़ा क्षेत्र कोयला खदानों, टेक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग उद्योगों के कारण तेजी से विकसित हो रहा है।

उद्योगों को मिलेगी बेहतर लॉजिस्टिक सुविधा

फोरलेन बनने से माल परिवहन आसान होगा और उद्योगों को बेहतर लॉजिस्टिक सुविधा मिलेगी। इससे परिवहन लागत कम होगी, समय की बचत होगी और नए निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी। परियोजना से वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। छिंदवाड़ा और नागपुर के बीच यात्रा करने वाले लोगों को भी बड़ी राहत मिलेगी। अभी दो-तीन सड़क और भारी ट्रैफिक के कारण यात्रा में अधिक समय लगता है। कई स्थानों पर ओवरटेकिंग की सुविधा सीमित होने से दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। फोरलेन बनने के बाद यात्रा समय कम होगा और सड़क सुरक्षा में सुधार आएगा।

पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान

पर्यटन क्षेत्र को भी इस परियोजना से बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। पेंच नेशनल पार्क, तामिया, पचमढ़ी, देवगढ़ किला और जाम सांवली हनुमान मंदिर जैसे पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान हो जाएगी। इससे होटल, ट्रांसपोर्ट और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बन सकते हैं। एनएचएआई के अनुसार डीपीआर तैयार करते समय सड़क सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। परियोजना में जरूरत के अनुसार फ्लाईओवर, अंडरपास, सर्विस रोड, जंक्शन सुधार, रोड मार्किंग और आधुनिक ट्रैफिक सिस्टम जैसी सुविधाएं शामिल की जाएंगी। ब्लैक स्पॉट सुधार और बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था पर भी फोकस रहेगा।

ट्विशा शर्मा मामले में पति समर्थ और सास 5 दिन की सीबीआई रिमांड पर

भोपाल। भोपाल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में गिरफ्तार पति समर्थ सिंह और सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह को 5 दिन की सीबीआई की रिमांड में भेज दिया। सीबीआई अब दोनों को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करेगी। सीबीआई ने कोर्ट से गिरिबाला सिंह को 5 दिन की रिमांड मांगी थी, वहीं समर्थ की भी रिमांड 5 दिन और बढ़ाने की मांग की थी।

सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि वह मां और बेटे दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करना चाहती है। इस पर गिरिबाला सिंह के वकील ने कहा है कि उन्हें सीबीआई के अनुरोध पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद कोर्ट ने सीबीआई की मांग मंजूर करते हुए दोनों को 2 जून तक रिमांड में भेजने का आदेश दिया है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा निचली अदालत से 15 मई को गिरिबाला सिंह को मिली अंतरिम जमानत रद्द किए जाने के बाद सीबीआई ने गुरुवार को करीब 7 घंटे तक पूछताछ के बाद गिरिबाला को गिरफ्तार किया था। उन पर सबूतों से छेड़छाड़ करने का आरोप है।

वहीं, समर्थ पहले से ही सीबीआई की कस्टडी में था। सीबीआई ने इस मामले में 25 मई की रात औपचारिक एफआईआर दर्ज की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सोमवार को स्वतः संज्ञान लेते हुए सीबीआई को जांच अपने हाथ में लेने और तेजी से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने आरोपी और पीड़ित दोनों परिवारों से इस मामले में चल रही जांच पर पब्लिक और मीडिया में बयान देने से बचने की भी अपील की थी। ??

बता दें यूपी के नोएडा की रहने वाली ट्विशा शर्मा की शादी दिसंबर 2025 में भोपाल के रहने वाले वकील समर्थ सिंह से हुई थी। 12 मई को ट्विशा संदिग्ध परिस्थितियों में अपने ससुराल में पंखे से लटकी मिली थी। ट्विशा की मौत के बाद उनके परिवार ने पति और ससुरालवालों पर उसे दहेज हत्या का आरोप लगाया था।

बांधवगढ़ में बाघ की मौत की जांच करेगा एनटीसीए

एक महिला पर हमला करने वाले बाघ की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर क्षेत्र में एक महिला पर हमला करने वाले बाघ की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत की जांच अब राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) करेगा। मध्य प्रदेश वन विभाग के अनुरोध पर एनटीसीए के नागपुर क्षेत्रीय कार्यालय से एआइडी और वन्यजीव विशेषज्ञों का दल बांधवगढ़ पहुंच सकता है। टीम पूरे मामले का तकनीकी विश्लेषण और स्वतंत्र मूल्यांकन करेगी।

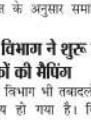

सूत्रों के अनुसार, प्रदेश में लगातार हो रही बाघों की मौतों और वन्यजीव प्रबंधन को लेकर भी एनटीसीए की नजर है। इसी क्रम में कैमाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) से बाघों की मौत रोकने की समीक्षा भी की जाएगी। गौरतलब है कि एनटीसीए ने इससे पहले वर्ष 2013, 2014 और 2015 में भी इस वायरस को लेकर एडवाइजरी जारी की थी। इसके बावजूद प्रदेश में पांच बाघों की मौत सीडीवी संक्रमण से हो चुकी है। अब जांच में यह भी देखा जाएगा कि रोकथाम और निगरानी व्यवस्था में कहां चूक हुई।

बजट उपयोग और वन्यजीव प्रबंधन की भी होगी जांच

एनटीसीए का दल यह भी परखेगा कि वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए जारी बजट का उपयोग किस स्तर पर और कितनी प्रभावशीलता से किया गया। टाइगर रिजर्व और जंगलों में विचरण करने वाले बाघों के संरक्षण के लिए हर वर्ष केंद्र और राज्य सरकार की ओर से बड़ी राशि खर्च की जाती है।

जबलपुर में हुआ शव का पुनः परीक्षण

बांधवगढ़ में मृत बाघ के शव का पुनः परीक्षण जबलपुर में कराया गया है। बाघ के 15 अंगों के नमूने अलग-अलग प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पूरे मामले की निगरानी एनटीसीए स्तर पर की जा रही है।

मप्र में तीन राज्यसभा सीटों पर सियासी घमासान

- भाजपा की तीसरी सीट पर नजर, कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का डर

भोपाल। मध्यप्रदेश में होने वाले तीन राज्यसभा सीटों के चुनाव ने प्रदेश की राजनीति को गर्मा दिया है। विधानसभा में स्पष्ट बहुमत होने के बावजूद भाजपा तीसरी सीट पर भी रणनीतिक दांव लगाने की तैयारी में दिखाई दे रही है, जबकि कांग्रेस अपनी एकमात्र संभावित सीट को सुरक्षित रखने की चुनौती से जूझ रही है। राजनीतिक गलियारों में सबसे अधिक चर्चा क्रॉस वोटिंग और विधायकों की नाराजगी को लेकर हो रही है।

निर्वाचन आयोग ने मध्यप्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इन सीटों पर 18 जून को मतदान होना है। जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनमें भाजपा के जॉर्ज कुरियन और सुमेर सिंह सोलंकी के साथ कांग्रेस के दिग्विजय सिंह शामिल हैं। यदि मुकाबला तीसरी सीट तक पहुंचता है तो हर वोट की अहमियत बढ़ जाएगी। राजनीतिक दलों की नजर उन विधायकों पर भी है जो पिछले कुछ समय से अपनी पार्टी नेतृत्व से नाराज बताए जा रहे हैं। भाजपा की कोशिश चुनाव को एकतरफा बनाने की होगी, जबकि कांग्रेस अपनी एक सीट बचाने को प्रतिष्ठा का प्रश्न मान रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में प्रदेश की राजनीति और अधिक गर्माने के संकेत हैं।

संख्या बल भाजपा के पक्ष में

230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 165 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 64 सदस्य हैं। एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए करीब 58 वोटों की आवश्यकता मानी जा रही है। इस गणित के आधार पर भाजपा आसानी से दो सीटें जीत सकती है, जबकि कांग्रेस के खाते में एक सीट जाती दिख रही है। लेकिन भाजपा तीसरी सीट पर भी मुकाबला खड़ा करने की संभावनाएं तलाश रही है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी अतिरिक्त उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस पर दबाव बनाने की रणनीति पर विचार कर रही है। इससे कांग्रेस खेमे में चिंता बढ़ गई है।

कांग्रेस की चिंता बढ़ा रही क्रॉस वोटिंग

राज्यसभा चुनाव में विधायकों द्वारा खुला मतदान होता है, इसलिए दल-बदल और क्रॉस वोटिंग की आशंका हमेशा बनी रहती है। कांग्रेस को डर है कि यदि कुछ विधायक अनुपस्थित रहे या क्रॉस वोटिंग हुई तो उसकी स्थिति कमजोर हो सकती है। इसी कारण पार्टी अपने विधायकों की लगातार बैठकें कर रही है और संगठन स्तर पर निगरानी बढ़ा दी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा की रणनीति केवल जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्षी एकजुटता और कांग्रेस संगठन की मजबूती की भी परीक्षा मानी जा रही है। यदि भाजपा तीसरी सीट पर गंभीर दावेदारी पेश करती है तो चुनाव का रोमांच और बढ़ सकता है।

उम्मीदवार चयन पर भी मंथन

दोनों दलों में उम्मीदवारों को लेकर भी गहन मंथन जारी है। भाजपा सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर उम्मीदवार तय करना चाहती है। वहीं कांग्रेस अपनी सीट सुरक्षित रखने के लिए ऐसा चेहरा उतारने पर विचार कर रही है जो संगठन और विधायकों दोनों में स्वीकार्य हो। सूत्रों का कहना है कि भाजपा संगठन नए चेहरों और केंद्रीय नेतृत्व से जुड़े नेताओं को मौका दे सकती है। कांग्रेस में भी वरिष्ठ नेताओं और संगठन के बीच रायशुमारी जारी है।

भाजपा की नई प्रदेश कार्यसमिति जल्द

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा में नई प्रदेश कार्यसमिति को लेकर संगठनात्मक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में बनने जा रही नई कार्यसमिति को अंतिम रूप देने का काम लगभग पूरा हो चुका है। पार्टी सूत्रों के अनुसार नई कार्यसमिति की घोषणा जल्द की जा सकती है। इसके बाद अगले महीने ऐतिहासिक नगरी ओरछा में पहली प्रदेश कार्यसमिति बैठक आयोजित करने की तैयारी है। भाजपा संगठन इस बैठक को आगामी नगरीय निकाय चुनाव और 2028 विधानसभा चुनाव की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मान रहा है। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, चुनावी रणनीति तैयार करने और आगामी तीन महीने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

इस बार भाजपा संगठन कार्यसमिति का आकार सीमित रखने की रणनीति पर काम कर रहा है। पार्टी संविधान के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यसमिति को करीब 105 सदस्यों तक सीमित रखने का निर्णय लिया है। वहीं विशेष आमंत्रित सदस्यों को संख्या भी कुल का अधिकतम 30 प्रतिशत यानी लगभग 32 तक रखने का फार्मूला तय किया गया है। इसे भाजपा संगठन में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। पिछले कुछ कार्यकालों में कार्यसमिति का आकार लगातार बढ़ता गया था। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, नंदकुमार सिंह चौहान और राकेश सिंह के कार्यकाल में कार्यसमिति सदस्य, स्थायी आमंत्रित और विशेष आमंत्रित मिलाकर संख्या 400 से अधिक तक पहुंच गई थी। पिछली कार्यसमिति में कुल 463 सदस्य शामिल थे। संगठन का मानना है कि सीमित आकार होने से कार्यसमिति अधिक प्रभावी, सक्रिय और निर्णय लेने में सक्षम बन सकेगी।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

नई कार्यसमिति के गठन में महिला प्रतिनिधित्व भाजपा की प्राथमिकता में शामिल है। सूत्रों के मुताबिक पिछली कार्यसमिति में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत थी, जिसे इस बार बढ़ाकर 25 से 30 प्रतिशत तक ले जाने की तैयारी है। भाजपा संगठन महिला मोर्चा से जुड़े सक्रिय चेहरों, जनप्रतिनिधियों और संगठनात्मक अनुभव रखने वाली महिला नेताओं को अवसर देने को रणनीति पर काम कर रहा है। माना जा रहा है कि नई कार्यसमिति में 30 से अधिक महिलाओं को जगह मिल सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाने के पीछे भाजपा की नजर शहरी महिला मतदाताओं और युवा महिला नेतृत्व को मजबूत करने पर भी है।

सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश

भाजपा संगठन इस बार सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने पर विशेष ध्यान दे रहा है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाले नेताओं को प्राथमिकता दिए जाने के संकेत हैं। सूत्रों के अनुसार पार्टी नए सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए ऐसे चेहरों को आगे लाना चाहती है, जो जमीनी स्तर पर सक्रिय हों और संगठनात्मक पकड़ रखते हों। जिला प्रभारियों और लंबे समय से संगठन में सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी कार्यसमिति में स्थान मिलने की संभावना है। भाजपा की कोशिश है कि संगठन में व्यापक प्रतिनिधित्व दिखाई दे, जिससे आगामी चुनावों में सामाजिक आधार और मजबूत हो सके।

बड़े शहरों का प्रभाव हो सकता है कम

कार्यसमिति का आकार छोटा होने से इस बार बड़े शहरों का दबदबा कम हो सकता है। अब तक भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सागर और जबलपुर जैसे बड़े जिलों का कार्यसमिति में अधिक प्रभाव रहा है। लेकिन इस बार छोटे जिलों और नए चेहरों को भी अवसर देने की तैयारी है। संगठन का मानना है कि इससे क्षेत्रीय संतुलन बेहतर होगा और जिलों में संगठनात्मक सक्रियता बढ़ेगी।

हर तीन महीने में होगी बैठक

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल लगभग दस महीने बाद नई कार्यसमिति का गठन कर रहे हैं। कार्यसमिति घोषित होने के बाद उनके कार्यकाल की पहली बैठक ओरछा में आयोजित की जाएगी। पार्टी नेतृत्व ने संकेत दिए हैं कि अब कार्यसमिति की बैठकें नियमित रूप से हर तीन महीने में आयोजित की जाएंगी। हर बैठक में अगले तीन महीने की कार्ययोजना तैयार की जाएगी और उसके आधार पर संगठनात्मक गतिविधियां संचालित होंगी। भाजपा इसे सतत सक्रिय संगठन मॉडल के रूप में विकसित करना चाहती है।

भोपाल एसटीएम ने डेढ़ करोड़ का नशीला कफ सिरप किया बरामद

भोपाल। भोपाल एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के गांधीनगर इलाके के डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी में देर रात एक मकान पर रेड मारकर वहां भारी मात्रा में अवैध नशीले कफ सिरप का जखीरा बरामद किया है। यह गुरुवार देर रात को रेड मारी गई जिसके बाद तड़के 3 बजे तक टीम की कार्यवाही लगातार जारी रही। एसटीएफ ने लगभग डेढ़ करोड़ रुपये कीमत के 75 हजार प्रतिबंधित कफ सिरप की बोतलें जब्त की है। छापे की जानकारी स्थानीय गांधीनगर पुलिस को नहीं थी कार्रवाई के दौरान एसटीएफ के कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद थे।

- दो कमरो की अवैध फैक्ट्री कार्टन और बोतलों में भरा नशीला सिरप मिला

अफसरो के अनुसार एसटीएफ को लंबे समय से सूचना मिल रही थी, कि गांधीनगर इलाके में अवैध रूप से नशीला कफ सिरप तैयार कर उसकी सप्लाई की जा रही है। मुखबिर से मिले पुख्ता इनपुट के बाद एसटीएफ टीम ने गुरुवार देर रात डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी स्थित एक मकान पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने मकान की तलाशी ली, तलाशी के दौरान मकान के दो अलग-अलग कमरों में बड़ी संख्या में कार्टन और बोतलों में भरा नशीला कफ सिरप रखा मिला। मकान में 'आफ कफ' नाम की अवैध कफ सिरप तैयार की जा रही थी। बरामद माल की मात्रा देखकर एसटीएफ अधिकारी भी हैरान रह गए।

- देहात इलाको में सप्लाई की आशंका

एसटीएफ एसपी राजेश सिंह भदौरिया ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की शुरुआती जांच में आशंका है, कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था। इस कफ सिरप को शहर सहित आसपास के देहात इलाकों में सप्लाई किया जा रहा था। यहां से एसटीएफ ने करीब 75 हजार सिरप की बोतलें बरामद की है। जिसकी कीमत डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोपी सिरप का रैपर हटाकर दूसरा रैपर लगाकर बेचते थे। एक सिरप की कीमत करीब दो सौ रुपये होती है।

- तीन नाबालिग सहित दस आरोपी गिरफ्तार

एसपी भदौरिया ने आगे बताया की कार्यवाही के दौरान 700 से ज्यादा पेटियां और शीशें जब्त की। पूरे सेटअप की कीमत डेढ़ करोड़ रुपए बताई जा रही है। वहीं तीन नाबालिग सहित दस आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है, आगे की जांच में कई चौकीने वाले खुलासे होने की संभावना है। एसटीएफ की टीम ने मौके से कफ सिरप के सैंपल जब्त कर जांच के लिए लैब भेज दिए हैं। जाँच रिपोर्ट आने के बाद साफ हो सकेगा कि बरामद सिरप में कौन-कौन से प्रतिबंधित तत्व मौजूद हैं। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

- नेटवर्क में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी एसटीएफ

कार्रवाई के दौरान कॉलोनी में देर रात तक पुलिस और एसटीएफ की आवाजाही बनी रही। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी अपने घरों से बाहर निकल आए और कार्रवाई को लेकर चर्चाएं होती रहीं। सूत्रों के मुताबिक एसटीएफ नेटवर्क से जुड़े

मेसी की कप्तानी में फीफा विश्वकप में उतरेगी अर्जेंटीना

स्कालोनी ने 26 सदस्यीय दल घोषित किया

ब्यूनस आयर्स । डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपने 26 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। कोच लियोनेल स्कालोनी ने इस टीम की कप्तानी स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को सौंपी है। मेसी का प्रयास लगातार दूसरी बार विश्व कप ट्रॉफी जीतने का रहेगा। विश्व फुटबॉल के इतिहास में ब्राजील ने आखिरी बार 1962 में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था, जिसके बाद से कोई भी टीम लगातार दो बार यह उपलब्धि हासिल नहीं कर पाई है। अर्जेंटीना इस चुनौती को तोड़ने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

टीम का आक्रम बेहद मजबूत है, जिसकी अगुवाई मेसी करेंगे। स्ट्राइकर लुटारो मार्टिनेज और एलेटिको मैड्रिड के युवा जूलियन अल्वारेज उनके साथ मिलकर विपक्षी डिफेंस को भेदने की जिम्मेदारी संभालेंगे। स्कालोनी ने इस बार कुछ नए और युवा चेहरों पर भी भरोसा जताया है, जो कतर वर्ल्ड कप 2022 का हिस्सा नहीं थे। इनमें यूरोप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले वैलैंटिन बार्को शामिल हैं। ब्राजील के क्लब पाल्मेरास के सेंटर-फॉरवर्ड जोस मैनुअल लोपेज को भी मौका मिला है, जो जरूरत

पड़ने पर अल्वारेज और मार्टिनेज के बैकअप के रूप में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। कोमो 1907 के लिए शानदार खेल दिखाने वाले निको पाज को भी कोचिंग स्टाफ की पसंद के चलते टीम में जगह मिली है।

मेसी अपना छठा विश्व कप खेलने के लिए तैयार हैं, हालांकि इंटर मियामी के लिए अपने आखिरी मैच में उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा था। क्लब ने उनकी चोट को गंभीर नहीं बताया है, इसे केवल बाएं हैमस्ट्रिंग की मांसपेशियों में थकान करार दिया गया है। कोच स्कालोनी ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम मेसी का खेल देख रहे थे जब हमें लगा कि उन्होंने सब्स्टीट्यूट होने के लिए कहा। वह ठीक महसूस नहीं कर रहे थे। शुरुआती रिपोर्ट बहुत बुरी नहीं हैं, लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि आगे चीजें कैसे बढ़ती हैं। गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज, जिनकी पिछले हफ्ते यूईएफए यूरोपा लीग फाइनल के दौरान एक उंगली में फ्रैक्चर हो गया था, और घुटने की चोट से उबर रहे डिफेंडर क्रिस्टियन रोमेरो, दोनों की भी टीम में शामिल किया गया है, जो टीम के लिए राहत की बात है।

अर्जेंटीना फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान का आगाज 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद ग्रुप ज में टीम की भिड़ंत ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना का स्क्वॉड

गोलकीपर: एमिलियानो मार्टिनेज (एस्टन विला), गेरोनिमो रुल्ली (ओलंपिक डे मार्सिले), जुआन मुसो (एटलेटिको मैड्रिड)

डिफेंडर: लियोनार्डो बालेरडी (ओलंपिक डे मार्सिले), निकोलस टैग्लियाफिको (ओलंपिक लियोनिस), गोंजालो मोंटिएल (रिवर प्लेट), लिसैंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम हॉटस्पर), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), फैकुंडो मदीना (ओलंपिक डे मार्सिले), नाहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड)

मिडफील्डर: लिएंड्रो पारेडेस (बोका जूनियर्स), रोड्रिगो डी पॉल (इंटर मियामी), वैलैन्टिन बार्को (रेसिंग स्ट्रासबर्ग), जियोवानी लो सेल्सो (रियल बेटिस), एक्सीक्विएल पालासियोस (बायर लेवरकूसेन), एलेक्सिस मैक स्टर (लिवरपूल), एंजो फर्नांडीज (चेल्सी)

फॉरवर्ड: जूलियन अल्वारेज (एटलेटिको मैड्रिड), लियोनेल मेस्सी (इंटर मियामी), निको गोंजालेज (एटलेटिको मैड्रिड), थियागो अल्माडा (एटलेटिको मैड्रिड), गिडलिआनो शिमोन (एटलेटिको मैड्रिड), निको पाज (कोमो), जोस मैनुअल लोपेज (पाल्मेरास), लुटारो मार्टिनेज (इंटर मिलान)।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को रोहित सहित इन खिलाड़ियों ने नई पहचान दी

मुम्बई। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रारूप आजकल छाया हुआ है। इसमें तेजी से लगने वाले चौके और छक्कों से खेल का रोमांच बना रहता है। जिससे दर्शकों की भारी भीड़ स्टेडियमों में नजर आती है। टी20 प्रारूप में कई पावर हिटर हुए हैं जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से खेल को एक अलग पहचान दी है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा सहित कई ऐसे बल्लेबाज हुए हैं। जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से इस प्रारूप का रोमांच बढ़ाया है हालांकि अब रोहित ने इस प्रारूप से संन्यास ले लिया है और वह केवल लीग क्रिकेट ही खेलते हैं।

रोहित शर्मा - रोहित ने साल 2007 से 2024 तक के अपने शानदार करियर में 159 मैचों की 151 पारियों में 4231 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। 140.89 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए, रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक 205 छक्के दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रारूप का सबसे खतरनाक सलामी बल्लेबाज बनाता है।

मुहम्मद वसीम - एसोसिएट टीम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के कप्तान मुहम्मद वसीम इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। 2021 से 2026 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाले वसीम ने

99 मैचों में 3371 रन बनाए हैं। 36.24 की औसत और 150.96 के तूफानी स्ट्राइक रेट के साथ, उन्होंने 196 छक्के लगाये हैं। वसीम रोहित के रिकॉर्ड (205 छक्के) के बेहद करीब हैं, जो एक एसोसिएट नेशन के खिलाड़ी के रूप में उनकी असाधारण क्षमता को दिखाता है।

करणबीर सिंह - ऑस्ट्रिया के करणबीर सिंह ने अपने छोटे से अंतरराष्ट्रीय करियर (2024-2026) में ही अपनी छाप छोड़ी है। केवल 53 मैचों की 52 पारियों में उन्होंने 2220 रन बनाए हैं। 48.26 की बेहतरीन औसत और 172.76 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट के साथ, करणबीर ने 180 छक्के लगाए हैं, जिससे वह दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों की सूची में खड़े हो गए हैं।

सूर्यकुमार यादव - भारत के सूर्यकुमार यादव, जिन्हें मिस्टर 360 के नाम से जाना जाता है, इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। 2021 में पदार्पण करने वाले सूर्या ने 113 मैचों की 107 पारियों में 3272 रन बनाए हैं। 162.94 के लाजवाब स्ट्राइक रेट के साथ, सूर्या ने अब तक 179 छक्के लगाए हैं, जो मैदान के हर कोने में शॉट खेलने की उनकी अनोखी कला को दिखाता है।

जोस बटलर - इंग्लैंड के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर इस सूची में शामिल हैं। बटलर ने साल 2011 से 2026 तक इंग्लैंड के लिए 155 मैचों की 143 पारियों में 4037 रन बनाए हैं। वहीं 147.76 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए, बटलर ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 175 छक्के लगाए हैं, जो उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी को दिखाता है।

अंबाती ने यशस्वी को किसी अन्य टीम में जाने सुझाव दिया

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को किसी अन्य टीम में जाना चाहिये। रायडू के अनसार राजस्थान रॉयल्स में जिस प्रकार से है उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी खेल रहे हैं। उसके कारण सभी का ध्यान उनपर है। ऐसे में यशस्वी की अच्छी पारियों पर भी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। रायुडू के अनुसार इन हालातों में यशस्वी को किसी दूसरी फ्रैंचाइजी के लिए खेलना चाहिये। रायुडू के अनुसार यशस्वी अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं पर रॉयल्स में वैभव की चमक में वह पीछे होते जा रहे हैं।

रायुडू ने कहा कि यशस्वी को अब ऐसी टीम में जाना चाहिए जहां वह अपने को बेहतर तरीके से स्थापित कर सकें। रायुडू ने कहा, उसे टीम बदलनी चाहिए, क्योंकि वह हर बार वैभव के साथ बल्लेबाजी करते हुए दब नहीं सकता। वह खुद भी बड़ा खिलाड़ी है। अगर वह किसी दूसरी टीम में जाता है तो अपने बल पर टीम को मैच जिताने में सक्षम है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उसे एक ऐसा मंच चाहिये जिसपर वह खुलकर खेल सके। वैभव लगातार बाकी खिलाड़ियों पर भारी पड़ता पड़ता जा रहा है। उसके साथ एक अनुभवी साझेदार होना चाहिए जो इस स्थिति को समझ सके और मुकाबला करने का प्रयास न करे। आप उसके साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते।

साथ ही कहा कि यशस्वी को मुंबई इंडियंस जाना चाहिये जहां वह पारी की शुरुआत भी कर सकते हैं। रायुडू ने माना कि मुंबई इंडियंस उनके लिए एक अच्छी फ्रैंचाइजी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, मुंबई इंडियंस यशस्वी के लिए शानदार टीम हो सकती है। वह मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट भी खेलते हैं, इसलिए यह उनके लिए ठीक रहेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में जहां वैभव ने आक्रामक बल्लेबाजी की। वहीं वैभव धीमी गति से खेलते दिखे। पावरप्ले में यशस्वी ने 16 गेंदों में केवल 19 रन बनाए, जबकि वैभव ने 20 गेंदों में 60 रन बनाये। इस सत्र में यशस्वी रॉयल्स के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज रहे। उन्होंने 15 पारियों में 426 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 32.76 और स्ट्राइक रेट 153.23 का रहा है। सत्र में उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाए। राजस्थान रॉयल्स ने यशस्वी जायसवाल को 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, जो कप्तान रियान पराग से भी 4 करोड़ ज्यादा थे।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने वैभव की तुलना शाहिद अफरीद से की

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ भी आईपीएल में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे वैभव सूर्यवंशी के मुरीद हो गये हैं। वैभव ने जिस प्रकार आईपीएल के 19 वें सत्र में बल्लेबाजी की है उसकी तारीफ करते हुए यूसुफ ने कहा कि उनकी बल्लेबाजी देखकर उन्हें पूर्व विस्फोटक ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के शुरुआती दिनों की याद आती है। उन्होंने वैभव को अफरीदी की तरह बेखौफ, आक्रामक और ऊर्जा से भरपूर बताते हुए क्रिकेट का भविष्य कहा है। ।

वहीं मोहम्मद यूसुफ की इस तुलना से भारतीय क्रिकेट प्रशंसक भड़क गये। जैसे ही यूसुफ ने वैभव की तुलना अफरीदी से की, सोशल मीडिया पर क्रिकेट प्रशंसकों ने यूसुफ को जमकर ट्रोल किया। अधिकतर प्रशंसकों का मानना था कि वैभव एक तकनीकी रुप से अच्छे बल्लेबाज हैं जबकि अफरीदी अपने पूरे करियर में निरंतरता नहीं रख पाए थे। कुछ प्रशंसकों ने कहा कि इस प्रकार की तुलना कर वे वैभव को नजर न लगायें। प्रशंसकों का कहना था कि वैभव का करियर अभी शुरू हुआ है और उन्हें अफरीदी जैसा अप्रत्याशित बनाने की जगह पर स्वाभाविक रुप से बल्लेबाजी करने दी जानी चाहिए।

वहीं यूसुफ जिस अफरीदी से वैभव की तुलना कर रहे थे। उनका शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर भी काफी हैरानी भरा रहा है। अफरीदी ने केवल 16 साल की उम्र में 1996 में पाकिस्तान के लिए डेब्यू करते हुए अपने दूसरे ही मैच में श्रीलंका के खिलाफ केवल 40 गेंदों में 102 रन बना दिये थे। इस दौरान अफरीदी ने 37 गेंदों में शतक लगा दिया था। यूसुफ के अनुसार शायद वैभव में वही 16 साल के अफरीदी वाली बेखौफ और निडरता नजर आ रही है। वहीं भारतीय प्रशंसक इससे सहमत नहीं हैं और वैभव की इस प्रकार की तुलना के खिलाफ हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स में बड़े बदलाव होना तय

मुम्बई । आईपीएल 2026 के सत्र में अंतिम स्थान पर रही लखनऊ सुपर जायंट्स में अब बड़े बदलाव की संभावना है। ये भी कहा जा रहा है कि अगले सत्र में टीम में कई स्टार खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। ऋषभ पंत की कप्तान में टीम 14 मुकाबलों में से केवल चार में ही जीती है। जिससे उसके केवल 8 अंक ही मिले पाये। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रकार के प्रदर्शन से प्रबंधन नाराज है और अगले सत्र के लिए एक बेहतर टीम बनाना चाहता है। रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी आईपीएल 2027 सत्र के लिए होने वाली मिनी नीलामी से पहले कई बड़े और महंगे खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जाना तय है। यहां तक कि कप्तान ऋषभ पंत भी इससे बाहर नहीं हैं।

टीम ने उन्हें 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर टीम में शामिल किया था पर करीब दो सत्र बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। 28 मैचों में उन्होंने सिर्फ 581 रन बनाए, जो उनकी क्षमता के हिसाब से काफी कम हैं। बतौर कप्तान भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली नहीं रहा, क्योंकि

उनके नेतृत्व में टीम लगातार दो सत्र में प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी। ऐसे में फ्रैंचाइजी अब उनके भविष्य पर गंभीरता से विचार कर रही है और संभव है कि उन्हें अगले सत्र में नई भूमिका या टीम से बाहर का रास्ता देखना पड़ सकता है।

इसके अलावा वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन भी टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। 21 करोड़ रुपये में रिटेन किए गए पूरन ने इस सत्र में 14 मैचों में केवल 234 रन बनाए। मध्यक्रम में उनकी असफलता से टीम को कई महत्वपूर्ण मैचों में हार झेलनी पड़ी। वहीं, तेज गेंदबाज मयंक यादव अपनी तेज़ गति से तो प्रभावित करते हैं, लेकिन लगातार चोटों से जूझने के कारण वह दो सत्र में सिर्फ छह मैच ही खेल पाए हैं। फ्रैंचाइजी अब उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह का जोखिम उठाने के मूड में नहीं है, जो उनके टीम से बाहर होने का संकेत देता है।

तेज गेंदबाज आवेश खान भी बेहद महंगे साबित हुए। 9.75 करोड़ रुपये में खरीदे गए आवेश ने सात मैचों में केवल छह विकेट लिए और उनका इकोनॉमी रेट 11 से भी अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट के लिहाज से स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा भी चोट के कारण पूरे सत्र में उपलब्ध नहीं रहे, जिससे टीम को उनके अनुभव की कमी खली। युवा बल्लेबाज अब्दुल समद को फिनिशर की भूमिका दी गई थी पर उसमें वह वह असफल रहे हैं।

ललित मोदी का खुलासा, 2005 के बीसीसीआई चुनाव में बोर्ड सदस्यों को होटलों में बंद रखा था

लंदन । आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2005 के बीसीसीआई चुनाव में प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने बोर्ड मेंबरों को होटलों में बंद रखा। वहीं दूसरे पक्ष के समर्थक मेंबरों की उड़ानों का ठिकाना ही बदलवा दिया। दोनों पक्ष इन प्रकार से एक दूसरे के समर्थक सदस्यों को बैठक में पहुंचने से ही रोकने के प्रयास कर रहे थे। भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसे ललित मोदी आज भारत से भागकर ब्रिटेन में रह रहे हैं। हालांकि देश में आईपीएल की शुरुआत का श्रेय उन्हें ही जाता है। आज बीसीसीआई का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभाव हैडसमें आईपीएल की भूमिका सबसे अहम है।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगायी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने ये कदम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अत्याधुनिक संचार उपकरणों के बढ़ते चलन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया है। ऐसे में अब सहयोगी स्टाफ के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की गयी है। इसके तहत अब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम, डगआउट और मैदान के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस, सनग्लासेस और गॉगल्स नहीं पहन सकेंगे। यह कदम लीग की अखंडता और निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

बीसीसीआई की भ्रष्टाचार-रोधी और सुरक्षा इकाई से बोर्ड को जानकारी दी गयी थी कि कुछ कंपनियां टी20 लीग में शामिल खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को ऐसे विशेष उपकरण बेचने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही कहा गया कि स्मार्ट आईवियर प्रोडक्ट्स लाइव स्ट्रीमिंग करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने और वाई-फाई या मोबाइल डेटा के जरिए ऑडियो-वीडियो कॉल करने में सक्षम हैं। इन क्षमताओं ने बोर्ड की चिंता बढ़ा दी है। उसे आशंका है कि इन उपकरणों का लाइव मैच के दौरान गलत इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे मैच फिक्सिंग या संवेदनशील जानकारी साझा करने जैसी गतिविधियां हो सकती हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहनने योग्य तकनीक लगातार उन्नत हो रही है, जिससे छिपे हुए संचार तरीकों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इस कार्रवाई से साफ है कि लीग जोखिमों से निपटने के लिए लगातार सतर्क है। यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब बीसीसीआई ने लीग पर अपनी निगरानी बढ़ा दी है। इसी महीने की शुरुआत में ही बोर्ड ने एक और एडवायजरी जारी की थी, जिसमें खिलाड़ियों, टीम मालिकों और अधिकारियों द्वारा किए गए गंभीर प्रोटोकॉल उल्लंघनों के बारे में बताया गया था।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सभी दस फ्रैंचाइजी को लिखा था कि, मौजूदा आईपीएल सीजन के दौरान खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और टीम अधिकारियों के बीच कुछ अनुचित व्यवहार और प्रोटोकॉल उल्लंघन की घटनाएं हुई हैं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि इन घटनाओं को नजरअंदाज किया गया, तो इससे टूर्नामेंट, संबंधित फ्रैंचाइजी और बीसीसीआई की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। साथ ही इससे व्यक्तियों और फ्रैंचाइजी को कानूनी और सुरक्षा संबंधी जोखिम भी हो सकते हैं। यह

गौरतलब है कि इससे पहले भी, खेल के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन के मामले सामने आ चुके हैं। बीसीसीआई का यह नया निर्देश खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को स्पष्ट संदेश देता है कि खेल की पवित्रता बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

तो वैभव पर लग सकती है 50 करोड़ की बोली- आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल के 19 वें सत्र में जिस प्रकार से राजस्थान रॉयल्स के 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए और लगातार नये रिकार्ड बना रहे हैं। उससे उनकी मांग काफी बढ़ गयी है और कई टीमें उन्हें लेना चाहती है। इसी को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव की मांग तेजी से बढ़ी है। उसको देखते हुए अगर वैभव अगले सत्र में बड़ी आईपीएल नीलामी में उतरते हैं, तो उन पर 50 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है, जिससे नीलामी का एक नया इतिहास बन जाएगा। साथ ही कहा कि वैभव सहित इन 5 अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह, कार्तिक त्यागी और साकिब हुसैन को भी नीलामी में मोटी रकम मिल सकती है। वर्तमान ईपीएल सीजन में वैभव ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उससे सभी हैरान हैं। उन्होंने अपनी टीम के लिए अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 680 रन बनाये हैं और वह सबसे अधिक रनों के लिए मिलनी वाली ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे हैं। पिछले आईपीएल सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनके मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए यह उम्मीद कम ही है कि राजस्थान रॉयल्स उन्हें किसी भी कीमत पर अपनी टीम से जाने देना चाहेगी पर अगर बड़ी नीलामी के नियम बदलते हैं और वैभव नीलामी टेबल पर आते हैं, तो सभी नौ टीमें उन पर अपनी दावं लगाना चाहेंगी। आकाश के अनुसार ऐसे में वैभव पर लगाने वाली मोटी रकम से आईपीएल इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने भविष्यवाणी की है कि टीमें उन पर 30 करोड़ रुपये तक की बोली लगाने से पीछे नहीं हटेंगी। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अगर भविष्य में आईपीएल की रकम बढ़कर 200 करोड़ रुपये तक होती है, तो वैभव सूर्यवंशी 50 करोड़ रुपये में भी बिक सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने विनेश को एशियन गेम्स के ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को राहत देते हुए एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गयी थी। इस मामले में शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई की याचिका को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। ऐसे में अब विनेश के गेम्स 2026 के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने कहा कि विनेश ने देश का सिर ऊंचा किया है। साथ ही कहा, अगर कोई और होता तो बात दूसरी होती। उसने देश को गर्व कराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने जिस तरह सुनवाई की, उस पर चिंता भी जताई पर उनके आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने जिस तरीके से इस मामले की सुनवाई की, वह ठीक नहीं है। अदालत ने चेताया कि खेल प्रशासन में अदालतों की जरूरत से ज्यादा दखलअंदाजी से स्पोर्टिंग इकोसिस्टम पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

इससे पहले 22 मई को दिल्ली हाई कोर्ट की एक बेंच ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। अपने फैसले में हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई की फटकार लगाते हुए कहा था कि फेडरेशन की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनकी नीति में दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकार नहीं था। हाई कोर्ट के इस फैसले को डब्ल्यूएफआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने अपने आदेश दिया था कि फेडरेशन 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग कराये। इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया साई) और भारतीय

ओलिंपिक संघ का एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद रहे।

दिल्ली हाई कोर्ट की बेंच ने आदेश दिया था कि विनेश एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेंगी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई के इस रवैये पर भी नाराजगी जताई कि उसने कारण बताओ नोटिस में फोगाट के 2024 पेरिस ओलिंपिक खेलों से बाहर होने को राष्ट्रीय शर्मिंदगी बताया था। अदालत ने कहा कि ऐसा बयान बेहद अफसोसजनक और पूरी तरह गलत सोच पर आधारित है जिससे बचना चाहिए था। अदालत ने कहा, इस तरह की टिप्पणियां पिछड़ी सोच दिखाती हैं और डब्ल्यूएफआई (प्रतिवादी नंबर एक) की दुर्भावना भरी भावना को जाहिर करती हैं जो अपील करने वाली खिलाड़ी के प्रति बदले की भावना से काम कर रहा है।

गौरतलब है कि इसी महीने की शुरुआत में डब्ल्यूएफआई ने फोगाट को 26 जून 2026 तक किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। डब्ल्यूएफआई ने इसके पीछे यह तर्क दिया था कि डोपिंग-रोधी नियमों के तहत, संन्यास से वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए छह महीने का अनिवार्य नोटिस पीरियड पूरा करना जरूरी होता है।

हरभजन के सवाल पर सहवाग और चोपड़ा बोले, वैभव को नीलामी में मिल सकते है 30 करोड़ रुपये

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव ने जिस प्रकार एक एक के बाद एक नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे भी उनकी कीमतें बढ़ी हैं। अब कहा जा रहा है कि वैभव पर अगली नीलामी में 30 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है। वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में केवल 16 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगा दिया था। उनकी 29 गेंदों में 97 रनों की विस्फोटक देखकर सभी हैरान हैं।

इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी ने एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का वैभव की इसी आक्रामक बल्लेबाजी को देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कमेंट्री के दौरान वीरेंद्र सहवाग से पूछा कि अगर यह युवा खिलाड़ी नीलामी में आता है तो वह कितनी रकम देंगे। सहवाग ने बिना देर किये कहा कि वह 30 करोड़ रुपये देंगे। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने भी इतनी ही रकम देने की बात कही। वहीं अभी राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल नीलामी में केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो उसके प्रदर्शन को देखते हुए काफी कम है।

15 साल के वैभव ने आईपीएल 2026 में अब तक 15 मैचों में कुल 680 रन बनाए हैं। उनका औसत 45.33 का रहा है और सबसे हैरानी की बात है कि उनका 242.86 का अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। इस सीजन में वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाए हुए हैं, जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक असाधारण उपलब्धि है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और आईपीएल आइकन एबी डिविलियर्स ने भी वैभव की जमकर प्रशंसा की। डिविलियर्स ने कहा कि 15 साल की उम्र में सूर्यवंशी की मैच की समझ बेमिसाल है। उन्होंने विशेष रूप से दबाव में भी वैभव द्वारा दिखाए गए संयम और स्पष्टता पर जोर दिया।

सिद्दरमैया के इस्तीफे के बाद अब नई सरकार में बन सकत हैं चार डिप्टी सीएम

दिल्ली में हाईकमान मंत्रिमंडल में फेरबदल पर करेगा चर्चा, डिप्टी सीएम पर होगा मंथन

नई दिल्ली। सीएम सिद्दरमैया के इस्तीफे के बाद से कर्नाटक की राजनीति में बड़ा उलफेर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक कर्नाटक में डीके शिवकुमार के नेतृत्व में बनने जा रही नई सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए चार डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक कर्नाटक के डिप्टी सीएम शिवकुमार दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर राज्य मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा करेंगे, जिसमें चार डिप्टी सीएम को लेकर भी मंथन होगा।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्दरमैया, डीके शिवकुमार और कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इस बैठक के दौरान राज्यसभा उम्मीदवारों, एमएलसी उम्मीदवारों और मँत्रिमंडल में फेरबदल पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाएगा। सूत्रों ने आगे बताया कि सिद्दरमैया के मंत्रिमंडल के कई मँत्रियों को डीके के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना कम है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया है कि सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने चार डिप्टी सीएम बनाए जा सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक सिद्दरमैया के बेटे और विधान परिषद के सदस्य यतींद्र को डीके शिवकुमार की कैबिनेट में शामिल किए जाने की उम्मीद है। उन्हें कोई अहम मंत्रालय मिलने की संभावना है, ताकि सिद्दरमैया की विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश दिया जा सके। कांग्रेस विधायक दल की बैठक की तारीख आज तय की जाएगी जो कि अब महज एक औपचारिकता ही लगती है। इसके बाद कर्नाटक के सीएम के तौर पर डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय होगी।

बता दें कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया ने बीते गुरुवार अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को राज्यपाल की अनुपस्थिति के कारण उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ था। शुक्रवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सिद्दरमैया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। राज्यपाल ने इस्तीफा स्वीकार करते हुए लिखा- मैं थावरचंद गहलोत कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उनके नेतृत्व वाली मँत्रिपरिषद को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है।

नाले मे यूरिया मिला पानी पीने से 2 चीतल की मौत

छापामार कार्यवाही में चीतल का मास बरामद,मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वन्य प्राणी शिकार के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।जहां कुछ लोग वन्य प्राणियों का शिकार उनके अवशेषों की तस्करी के लिए कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग महज मांस खाने के लिए वन्य प्राणियों का शिकार कर आए दिन इन वारदातों को बढ़ा रहे हैं। लगातार बढ़ते जा रहे वन्य प्राणियों के शिकार वाले मामलों के बीच दक्षिण लामता सामान्य वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटेगांव /कछूना जंगल से, नाले के पानी में यूरिया सोडा मिलाकर चीतल का शिकार करने का एक मामला सामने आया है। जहां यूरिया मिला हुआ नाले का पानी पीने से एक नर और एक मादा चीतल की मौत हो गई।पिछले दिनों किए गए चीतल के शिकार वाले इस मामले में वन्य कर्मियों 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।बताया गया कि इन आरोपियों ने वन्य प्राणियों के शिकार करने के उद्देश्य से नाले के पानी में यूरिया सोडा मिलाकर 2 चीतल का शिकार किया था।जिनके घर की गई छापेमार कार्यवाही के दौरान सभी आरोपियों के घर से चीतल का मांस,भी बरामद किया गया है। इन सभी पांचो आरोपियों पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जिला जेल भेज दिया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में इनका शमावेश

वन्य प्राणियों के पीने के पानी में यूरिया सोडा मिलकर चीतल का शिकार करने के इस मामले में विभागीय अमले ने दो गांवो में एक साथ छापेमार कार्यवाही की। मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम कटेगांव /कछूना में की गई छापेमार कार्यवाही में वनकर्मियों ने 5 आरोपियों के घर से चीतल का मांस बरामद किया है।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में ग्राम कटेगांव से 3 आरोपी जिनमे अनिल पिता मेहरतसाव सुमगडे , सुरेश पिता रामचरण भंवरगढे, और संजय पिता सुरेश डहरवाल के नाम का शमावेश है तो वही कछूना में की गई छापेमार कार्यवाही में 2 आरोपी गिरफ्तार किए गए है जिंसमे गणेश पिता चरणसिंह मडावी और श्यामराज पिता राधेलाल टेकाम के नाम का शमावेश है।

चीतल का शिकार कर, मांस का किए थे बटवारा

विभागीय जानकारी के अनुसार इन आरोपियों का सरगना सुरेश पिता रामचरण भंवरगढे बताया गया है जिसने अपने अन्य 4 साथियों के साथ मिलकर ग्रीष्म ऋतु का फायदा उठाकर जंगली जीव का मांस खाने के उद्देश्य से कक्ष क्रमांक पी-1389 के नाले के पानी में यूरिया सोडा मिलाया गया था, जहां वन्यजीव चीतल द्वारा पानी पीने के कारण 1 नर व 1 मादा चीतल कि मृत्यु हो गई थी जिसे सुरेश ने अपने अन्य साथियों के साथ चीतलों को काटकर कच्चे मांस का बंटवारा किया गया था।

मुखबिर से मिली सूचना पर की गई कार्यवाही, आरोपी भेजे गए जेल

उधर वन अधिकारियों को मुखबिर ने सूचना दी की इन 5 आरोपियों ने नाले के पानी में यूरिया सोडा मिलाकर चीतल का शिकार किया था।जहा मांस का बटवारा कर उसके मांस को आरोपी घर पर पकाकर खा रहे हैं। मुखबिर से मिली इस सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए रेशमसिंह धूर्वे वनमण्डलाधिकारी उत्तर सामान्य वनमण्डल बालाघाट के निर्देशन में एवं तरुण डहेरिया उपवनमंडलअधिकारी उकवा (सा), शिवम् पूरी गोस्वामी वनपरिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण लामता (सा) के मार्गदर्शन में अधिनस्थ वन अमला द्वारा एक टीम का गठन किया गया। इस टीम ने दोनों गांव में एक साथ छापामार कार्यवाही की,जिसमें आरोपियो के घर से चीतल का पका हुआ मांस बरामद किया गया। वहीं दोनों गांव से इन 5 आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया,बताया गया कि विभागीय कार्यवाही द्वारा की गई पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया है।जिसपर पी0ओ0आर0 क्रमांक 2744/56 दि. 27 मई को प्रकरण दर्ज कर, गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय बालाघाट के समक्ष पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल बालाघाट भेजा गया,।

आरोपियों को गिरफ्तार करने में, इनकी रही अहम भूमिका

उक्त कार्यवाही में परिक्षेत्र सहायक मगरदर्रा रूपसिंग परते, परिक्षेत्र सहायक समनापुर कंचन खण्डागले, जप्तीकर्ता बीट प्रभारी टिटवा यश भैरम, वनरक्षक गिरीश चौहान, दिशा दमाहे, रजत बोपचे, आशीष नेहर ,मानेंद्र पटेल, नीरज खटीक, तुलसीदास तिवारी, हिमांशु डहरवाल, दीपक सेंगर, राजा माड़वी, स्थाई कर्मी मंगल ऐडे सहित अन्य सुरक्षा श्रमिक साथी वाहन चालक नरेंद्र सोनी का भी विशेष योगदान रहा।

गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को बड़ा तोहफा- मिलेगा कैश, लोन और बीमा का सुरक्षा कवच

नई दिल्ली । नरेंद्र मोदी सरकार देश के गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए व्यापक सामाजिक सुरक्षा योजना लाने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। इस नई स्कीम के तहत इन कामगारों को एक्सीडेंटल इंश्योरेंस, स्वास्थ्य सुविधाएं, मातृत्व लाभ, बुजुर्गों के लिए सुरक्षा, नकद सहायता, शिक्षा ऋण और यहां तक कि अंतिम संस्कार के खर्चों के लिए भी आर्थिक मदद मिलेगी। यह महत्वपूर्ण जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय के संयुक्त सचिव और महानिदेशक (श्रम कल्याण), आशुतोष पेडनेकर ने साझा की है।

केंद्र की मोदी सरकार ने गिग वर्कर्स को ये सुविधाएं मुहैया कराने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। इसके तहत नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड फॉर गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स के गठन को मंजूरी दे दी है। यह बोर्ड इस क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का खाका तैयार करेगा। साथ ही, इन वर्कर्स के लिए एक समर्पित सोशल सिक्योरिटी फंड भी स्थापित हो रहा है।

इस फंड के जरिए ही केंद्र सरकार दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुविधा, मातृत्व सहायता, बुजुर्गों की सुरक्षा, नकद आर्थिक मदद, शिक्षा ऋण और अंतिम संस्कार जैसे खर्चों में सहायता प्रदान करेगी। इन योजनाओं के स्वरूप को अंतिम रूप देने के लिए मोदी सरकार फंड मैनेजर्स और अन्य संबंधित पक्षों के साथ गहन चर्चा कर रही है। पारदर्शिता और सीधे लाभ हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने प्लेटफॉर्म कंपनियों को अपने कर्मचारियों का डेटा 22 जून तक ई-श्रम पोर्टल से जोड़ने का निर्देश दिया है। इससे कामगारों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके खाते में मिल सकेगा। योजना के तहत, एग्रीगेटर कंपनियों का डेटा सीधे ई-श्रम पोर्टल से एकीकृत किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं की रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव हो सकेगी। कामगार अपने अधिकारों और योजनाओं के उपयोग की जानकारी मोबाइल ऐप के जरिए आसानी से देख सकते है। वर्तमान में देश में लगभग 1 करोड़ गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स कार्यरत हैं, और सरकार को उम्मीद है कि यह संख्या इस दशक के अंत तक बढ़कर 2.5 करोड़ तक पहुँच सकती है।

एनआईए का पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्क पर प्रहार : 12 ठिकानों पर सघन छापेमारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े एक बड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत चार राज्यों में स्थित 12 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई, जिससे सीमा पार से संचालित होने वाली भारत विरोधी गतिविधियों को करारा झटका लगा है। यह छापेमारी पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और उसके भारतीय सहयोगियों से जुड़े आतंकी मॉड्यूल को निशाना बनाकर की गई है। जांच एजेंसियों को अंदेशा है कि यह नेटवर्क भारत में हथियार, गोला-बारूद और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा था।

एनआईए के बड़े तलाशी अभियान में उत्तर प्रदेश में पांच, राजस्थान में दो, बिहार में दो और महाराष्ट्र में तीन स्थानों पर एक साथ टीमें पहुंचीं। केंद्रीय एजेंसियों और लोकल पुलिस के सहयोग से की गई कार्रवाई के दौरान कई संदिग्धों से गहन पूछताछ की गई। मौके से महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं, जिनकी फोरेंसिक जांच की जा रही है। इन डिजिटल सबूतों से इस आतंकी मॉड्यूल की आगे की गतिविधियों और इसमें शामिल अन्य सदस्यों के बारे में अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जांच में यह खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान स्थित इस नेटवर्क ने भारत-पाकिस्तान सीमा के रास्ते ड्रोन के द्वारा भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री भारत भेजी थी। इन हथियारों और आईईडी का इस्तेमाल पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों में बड़े आतंकी हमलों और विस्फोटों को अंजाम देने के लिए किया जाना था। एजेंसियों का मानना है कि यदि यह बड़ी साजिश सफल होती, तब देश को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ सकता था।

यह पूरी जांच केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद एनआईए द्वारा अपने हाथ में ली गई थी। एजेंसी कई महीनों से इस आतंकी नेटवर्क, ड्रोन सप्लाई चेन और आईईडी मॉड्यूल से जुड़े संदिग्धों की गतिविधियों पर बारीक नज़र रख रही थी। तकनीकी और खुफिया इनपुट के आधार पर ही संयुक और सुनियोजित कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। जांच एजेंसियां अब इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क के तार देश के किन-किन कोनों तक फैले हुए हैं और इसमें कौन-कौन से व्यक्ति शामिल हैं। अधिकारियों को जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और दस्तावेजों से कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर एनआईए अधिकारियों ने फिलहाल ज्यादा जानकारी साझा करने से इंकार किया है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि देश विरोधी गतिविधियों में शामिल किसी भी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

पुणे शराब कांड : आदित्य ठाकरे का सरकार पर हमला, सिर्फ दिखावे की गिरफ्तारी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में जहरीली शराब के सेवन से 18 लोगों की मौत के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। श्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार और पुलिस सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को गिरफ्तार करती है हैं। उन्होंने पुणे के हालिया पोर्श कार हादसे के आरोपी की जेल से रिहाई के बाद जश्न मनाने के वीडियो का भी जिक्र कर कहा, अगर कानून-व्यवस्था की यही हालत है, तब हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं।

पिछले 48 घंटों में हुई इन मौतों ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। पिंपरी चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी और दापोड़ी में 13 लोगों ने जान गंवाई, जबकि पुणे के हडपसर और कालेपदल में पांच लोगों की मौत शराब के सेवन से हुई। पीड़ितों में गंभीर चक्कर आना और पेट दर्द जैसे समान लक्षण दिखाई दिए, जो मेथनॉल विषाक्तता के शुरुआती लक्षण हैं। शुरुआत में पुलिस ने इन मौतों को अलग-अलग बीमारियों से जोड़ने की कोशिश की, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इस मामले में योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आया, जिसने पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया और वानखेड़े को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि उसने पुणे शहर और पिंपरी चिंचवड क्षेत्रों में रासायनिक पदार्थ युक्त शराब की आपूर्ति की थी। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के पुलिस अधीक्षक अतुल कनाडे ने पुष्टि की कि आरोपी ने शराब में जहरीला रसायन मेथनॉल मिलाया था। अवैध शराब के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे पूछताछ जारी है।

पिंपरी-चिंचवड शहर के पुलिस आयुक्त विनय चौबे ने बताया कि वानखेड़े के अलावा पांच आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं, जबकि दो अन्य उत्पाद शुल्क विभाग की हिरासत में हैं। जांच को बाद में क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। लोगों का आरोप है कि दापोड़ी, फुगेवाड़ी और हडपसर जैसे इलाकों में अवैध देसी शराब की बिक्री बेरोकटोक जारी थी और पुलिस व उत्पाद शुल्क अधिकारी इस पर आंखें मूंदे हुए थे। पीड़ितों के परिजनों ने बताया कि शराब पीने के कुछ ही मिनटों बाद उन्हें उल्टी और पेट में तेज दर्द होने लगा था।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को सुप्रीम कोर्ट से राहत, पॉक्सो मामले में दखल से इंकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को पॉक्सो मामले में मिली अग्रिम जमानत में दखल देने से इंकार किया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन.कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी की याचिका खारिज कर कहा, माफ कीजिए, हम इसमें दखल नहीं देने वाले है। इस फैसले से अविमुक्तेश्वरानंद को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) मामले में गिरफ्तारी से राहत दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 25 मार्च को अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले में अग्रिम जमानत दी थी। हाईकोर्ट ने जमानत देकर कुछ महत्वपूर्ण शर्तें भी लगाई थीं। हाई कोर्ट ने दोनों को मीडिया के सामने कोई बयान देने और सार्वजनिक सभाएं करने से रोका था, साथ ही जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया था।

यह मामला प्रयागराज के झूंसी थाने में पॉक्सो अदालत के निर्देश पर दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। प्राथमिकी में आरोपियों पर कई बटुकों (युवा शिष्यों) का कथित तौर पर यौन शोषण करने का गंभीर आरोप लगा था। शिकायतकर्ता आशुतोष ने बाद में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। याचिका में आरोप था कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद अविमुक्तेश्वरानंद सार्वजनिक सभाएं कर बयान दे रहे हैं, जो अदालत की अवहेलना है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में अवमानना याचिका को खारिज किया था। न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने स्पष्ट किया था कि यदि स्वामी जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं, तब याचिकाकर्ता के पास अग्रिम जमानत निरस्त कराने के लिए आवेदन दाखिल करने का वैधानिक उपाय उपलब्ध है। गौरतलब है कि अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ पॉक्सो केस प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान शाही स्नान को लेकर हुए विवाद और उनके धरने पर बैठने के बाद दर्ज किया गया था।

देशभर में लागू होगा नया सुरक्षा ग्रिड

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए बड़ा ऐलान किया है। राजस्थान के बीकानेर में आयोजित उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में नया ‘360 डिग्री सुरक्षा ग्रिड’ लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य सीमा पार घुसपैठ, ड्रग्स तस्करी, आतंकी गतिविधियों और अवैध निर्माणों पर पूरी तरह लगाम लगाना है।

बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और फलोदी के जिला अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल, राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों के बेहतर समन्वय से सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाया जाएगा। गृह मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में बने अवैध निर्माणों को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने घुसपैठ, नारकोटिक्स तस्करी, आतंकी फंडिंग और फर्जी आधार कार्ड नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। अमित शाह ने जिला अधिकारियों को शेल कंपनियों, म्यूल खातों और संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों की पहचान करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में साइबर अपराध रोकने के लिए ‘1930’ हेल्पलाइन के प्रभावी उपयोग और नए आपराधिक कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा ‘वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-दो’ के तहत सीमावर्ती गांवों में सभी सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की सीमाओं को पूरी तरह सुरक्षित और अभेद्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली में एब्सोल्यूट वोदका और शिवास रीगल पर रोक बरकरार

फ्रांसीसी कंपनी पर 3000 करोड़ का टैक्स बकाया

नई दिल्ली । फ्रांसीसी कंपनी पेरनोड रिकार्ड के प्रीमियम शराब ब्रांड एब्सोल्यूट वोदका और शिवास रीगल की नई दिल्ली में बिक्री पर रोक बरकरार रहेगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने कंपनी को कोई राहत देने से इंकार किया है। कंपनी पर करीब 3000 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया है और मामला दिल्ली की 2021 की विवादित शराब नीति से जुड़ा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और अन्य जांच एजेंसियों ने पेरनोड रिकार्ड पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि कंपनी ने अपनी बिक्री और मार्केट शेयर बढ़ाने के लिए कुछ खुदरा विक्रेताओं के साथ सांठगांठ की। इन्हीं आरोपों के चलते दिल्ली सरकार ने कंपनी के शराब लाइसेंस आवेदन को मंजूरी देने से मना किया था, जिसके बाद पेरनोड रिकार्ड 2023 से दिल्ली में अपने उत्पादों की बिक्री नहीं कर सकी है। सिर्फ नीति विवाद ही नहीं, कंपनी एक और बड़े वित्तीय विवाद में फंसी है। जांच एजेंसियों ने पाया है कि पेरनोड रिकार्ड ने स्कॉच व्हिस्की के आयात में महत्वपूर्ण जानकारियां छिपाई है। आरोप है कि कंपनी ने अपनी व्हिस्की की वास्तविक उम्र और उसमें इस्तेमाल सामग्री की सही जानकारी नहीं दी, ताकि शराब की कीमत कम दिखा सके और कम आयात शुल्क देना पड़े। आयात दस्तावेजों में अलग-अलग कोड और नामों का इस्तेमाल करने से सीमा शुल्क अधिकारियों के लिए असली जानकारी समझना और दूसरे ब्रांडों से तुलना करना मुश्किल हो गया। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह सब जानबूझकर किया गया। भारत में विदेशी शराब पर करीब 150 प्रतिशत तक भारी आयात शुल्क लगता है। पेरनोड रिकार्ड पर आरोप है कि उसने स्कॉच की कीमत करीब 67 प्रतिशत तक कम दिखाकर टैक्स बचाने की कोशिश की।

घरेलू यात्री यातायात में मुंबई को पीछे छोड़ बेंगलुरु बना देश का दूसरा सबसे व्यस्त एयरपोर्ट

मुंबई,। घरेलू यात्री यातायात के मामले में बेंगलुरु एयरपोर्ट ने मुंबई को पीछे छोड़ते हुए देश का दूसरा सबसे व्यस्त एयरपोर्ट बनने का स्थान हासिल कर लिया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के अप्रैल महीने के आंकड़ों के अनुसार, बेंगलुरु एयरपोर्ट ने 32.8 लाख घरेलू यात्रियों को संभाला, जबकि मुंबई एयरपोर्ट पर यह संख्या 28.9 लाख रही। इस तरह दोनों एयरपोर्ट्स के बीच लगभग 3.9 लाख यात्रियों का अंतर दर्ज किया गया। हालांकि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को शामिल करने पर मुंबई अब भी कुल यात्री संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। अप्रैल में मुंबई एयरपोर्ट से कुल करीब 40 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जबकि बेंगलुरु एयरपोर्ट पर यह संख्या 36.8 लाख रही। देश का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट दिल्ली बना हुआ है, जिसने सभी श्रेणियों में शीर्ष स्थान कायम रखा। विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू यात्री यातायात में यह बदलाव अब स्थायी रूप ले सकता है। मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहले से ही स्लॉट की कमी और रनवे क्षमता की सीमाओं से जूझ रहा है। वहीं दूसरी ओर बेंगलुरु एयरपोर्ट 2019 से समानांतर रनवे संचालन कर रहा है, जिससे एयरलाइनों को अधिक उड़ानें जोड़ने में आसानी हो रही है। कोविड महामारी के दौरान वर्ष 2020 और 2021 में भी कुछ महीनों के लिए बेंगलुरु एयरपोर्ट ने मुंबई को घरेलू यात्री संख्या में पीछे छोड़ा था, लेकिन उस समय स्थिति अस्थायी मानी गई थी। अब विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव लंबे समय तक बना रह सकता है। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) की अतिरिक्त घरेलू यात्री वृद्धि अब नए नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर स्थानांतरित हो रही है। यह एयरपोर्ट 25 दिसंबर 2025 से परिचालन में आया है। अप्रैल महीने में मुंबई और नवी मुंबई दोनों एयरपोर्ट्स ने मिलकर लगभग 34 लाख घरेलू यात्रियों को संभाला, जो बेंगलुरु के 32.8 लाख यात्रियों से थोड़ा अधिक है। हालांकि आने वाले वर्षों में बेंगलुरु के पक्ष में यह अंतर और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। एयरलाइन उद्योग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक यह बदलाव मांग में कमी की वजह से नहीं, बल्कि एयरपोर्ट क्षमता और संचालन सुविधाओं के कारण हो रहा हैं। मुंबई एयरपोर्ट की क्षमता लगभग पूरी तरह भर चुकी है, जबकि बेंगलुरु एयरपोर्ट के पास विस्तार की पर्याप्त संभावनाएं हैं। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में मुंबई के घरेलू यात्री यातायात में पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं बेंगलुरु में केवल 0.8 प्रतिशत की मामूली गिरावट रही। दूसरी तरफ दिल्ली एयरपोर्ट ने 1.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। जानकारों का अनुमान है कि आने वाले दशक में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट तेजी से विस्तार करेगा और 2030 के शुरुआती वर्षों तक यह मुंबई एयरपोर्ट से अधिक उड़ानों और यात्रियों को संभालने वाला बड़ा केंद्र बन सकता है।

बालाघाट
शनिवार 30 मई 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से मजदूर की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के सरेखा बाईपास पर शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। तेज रफ्तार पिकअप वाहन की चपेट में आने से मृतक राम प्रसाद पिता चमरिया पाचे 52 वर्ष ग्राम सरेखा थाना कोतवाली बालाघाट निवासी बताया गया है। हादसा

29 मई की शाम करीब 6 बजे उस समय हुआ जब यह व्यक्ति मजदूरी कर अपने घर लौट रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राम प्रसाद मकान निर्माण कार्य में मिस्त्री का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटियां, बहू और नाती शामिल हैं। बताया गया है कि वे रोज की तरह शुक्रवार सुबह काम पर गए थे और शाम को काम समाप्त कर पैदल अपने घर लौट रहे थे।इसी दौरान सरेखा बाईपास स्थित किसान राइस मिल के सामने तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उन्हें चपेट में ले लिया। इस हादसे में राम प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। संभावना जताई जा रही है कि उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो चुकी थी।रात्रि होने के कारण जिला अस्पताल पुलिस ने रामप्रसाद का शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। जिसका पोस्टमार्टम 30 मई को किया जाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अधूरे निर्माण के बीच नहीं शुरू होगा गर्रा ओवर ब्रिज पर यातायात

31 मई से ट्रैफिक शुरू करने की तैयारी पर लगी रोक, निरीक्षण में कई काम अधूरे मिले, एसडीएम बोले- पूरा निर्माण होने के बाद ही शुरू होगा आवागमन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट-गर्रा-वारासिवनी मार्ग पर निर्मित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) को 31 मई से यातायात के लिए शुरू किए जाने की सूचना संबंधित विभाग द्वारा पहले ही जारी कर दी गई थी, लेकिन पुल पर अब भी कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्य अधूरे होने के चलते फिलहाल यातायात शुरू करने पर रोक लगा दी गई है। 29 मई को बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी, सेतु विभाग के अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसी के कर्मचारियों ने गर्रा ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ब्रिज पर अभी फुटपाथ निर्माण, गुणवत्ता संबंधी सुधार और कई छोटे तकनीकी कार्य बाकी हैं। ऐसे में अधूरे निर्माण के बीच यातायात शुरू करना जल्दबाजी माना गया। निरीक्षण के बाद एसडीएम गोपाल सोनी ने दुरभाष पर चर्चा में स्पष्ट किया कि 31 मई से गर्रा ओवर ब्रिज पर यातायात प्रारंभ नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक सभी निर्माण कार्य पूरी तरह पूर्ण नहीं हो जाते और सुरक्षा संबंधी सभी मानकों की जांच नहीं हो जाती, तब तक पुल आम लोगों के लिए नहीं खोला जाएगा। विभाग द्वारा पहले ही यातायात शुरू होने की जानकारी जारी किए जाने के बाद आम लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई थी कि अधूरे निर्माण के बीच पुल खोलना जोखिम भरा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने भी गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए थे।

वर्षों से प्रतीक्षित बालाघाट-गर्रा-वारासिवनी मार्ग पर बन रहे रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) को लेकर एक बार फिर लोगों की उम्मीदों को झटका लगा है। प्रशासनिक स्तर पर पहले यह संभावना जताई जा रही थी कि 31 मई से इस ओवरब्रिज पर आवागमन शुरू कर दिया जाएगा, लेकिन अब निर्माण कार्य अधूरा होने और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण काम बाकी रहने के कारण इसके शुभारंभ की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। शुक्रवार को बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी और सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह सनोडिया ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया, जिसके बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया कि फिलहाल

31 मई से इस ब्रिज को जनता के लिए खोलना संभव नहीं होगा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि ओवरब्रिज पर अभी भी कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्य चल रहे हैं। ब्रिज के ऊपरी हिस्से में फुटपाथ निर्माण, चेकर्स टाइल्स लगाने और किनारों की सुरक्षा दीवार (वॉल) तैयार करने का काम अधूरा है। इसके अलावा रेलवे विभाग द्वारा बनाए गए तीन स्पॉन पर 20 मई को बेरिंग कोड का कार्य किया गया था। तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार इस प्रक्रिया के बाद कम से कम 14 दिन तक संरचना को पूरी तरह सूखने और मजबूत होने का समय देना आवश्यक होता है। ऐसे में यदि जल्दबाजी में भारी वाहनों और आम यातायात को शुरू कर दिया जाता है तो भविष्य में तकनीकी समस्याएं उत्पन्न होने की संभावना बनी रह सकती है। सूत्रों की मानें तो प्रशासन इस बार किसी भी प्रकार की जल्दबाजी से बचना चाहता है। विशेष रूप से सरेखा ओवरब्रिज में सामने आई तकनीकी दिक्कतों के बाद अधिकारी अब अतिरिक्त सतर्कता बरत रहे हैं, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की संरचनात्मक समस्या या दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न न हो। यही कारण है कि अधूरे कार्य के बीच आवागमन शुरू करने के बजाय निर्माण को पूरी तरह पूरा कराने पर जोर दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम गोपाल सोनी ने संबंधित एजेंसी और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शेष कार्य गुणवत्ता के साथ जल्द पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है और किसी भी स्थिति में अधूरे ब्रिज पर यातायात प्रारंभ नहीं किया जाएगा। अनौपचारिक चर्चा में उन्होंने यह भी माना कि वर्तमान स्थिति में 31 मई से आवागमन शुरू करना व्यवहारिक नहीं है। वहीं एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि ब्रिज निर्माण का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन कुछ फिनिशिंग और सुरक्षा संबंधी कार्य अब भी जारी हैं। फुटपाथ और सुरक्षा व्यवस्थाओं को पूर्ण किए बिना ब्रिज को यातायात के लिए खोलना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी कार्य पूर्ण होने के बाद अंतिम तकनीकी निरीक्षण किया जाएगा और उसके बाद ही यातायात शुरू करने की नई तिथि घोषित की जाएगी। गौरतलब है कि लगभग 750 मीटर लंबे और करीब 7.5 मीटर चौड़े इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण 21 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से किया गया है। रेलवे क्रॉसिंग वाले हिस्से को छोड़कर शेष निर्माण कार्य प्रदेश सरकार की स्वीकृत राशि से 13 स्पॉन पर तैयार किया गया है। सेतु निर्माण संभाग ने अपना अधिकांश कार्य लगभग दो माह पहले ही पूरा कर लिया था, लेकिन रेलवे विभाग की ओर से निर्माण कार्य में हुई देरी के कारण पूरा प्रोजेक्ट समय पर शुरू नहीं हो सका। यह ओवरब्रिज शुरू होने के बाद बालाघाट-गर्रा-वारासिवनी मार्ग पर यातायात व्यवस्था को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में रेलवे फाटक बंद होने के दौरान लंबे समय तक वाहनों की कतारें लग जाती हैं, जिससे लोगों को घंटों जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से इस ब्रिज के शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि इसके प्रारंभ होने के बाद आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाएगा। निरीक्षण और मौजूदा स्थिति को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि यदि शेष कार्य समय पर पूर्ण हो जाते हैं तो जून के दूसरे सप्ताह के बाद ही गर्रा रेलवे ओवरब्रिज आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

नपा. कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल 2 जून से, विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट नगर पालिका में कार्यरत कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ द्वारा 2 जून से अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल और धरना प्रदर्शन किए जाने की घोषणा की गई है। बीते कुछ दिनों से इस संबंध में जारी पत्र सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद नगर पालिका कर्मचारियों और आम नागरिकों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। वायरल पत्र में बताया गया है कि भारतीय मजदूर संघ बालाघाट के नेतृत्व में नगर पालिका के कर्मचारी 2 जून, सुबह 6 बजे से नगर पालिका कार्यालय के मुख्य गेट पर अनिश्चितकालीन कलम बंद एवं काम बंद हड़ताल पर बैठेंगे। संगठन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हड़ताल के दौरान नगर में यदि किसी प्रकार की अव्यवस्था या क्षति होती है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी नगर पालिका प्रबंधन की होगी। इस संबंध में भारतीय मजदूर संघ बालाघाट के जिला मंत्री मनोज सुहागपुरे से चर्चा किए जाने पर उन्होंने बताया कि नगर पालिका में कार्यरत कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं और मांगों को लेकर कई बार प्रशासन एवं प्रबंधन का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। इसी कारण कर्मचारियों को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। संगठन द्वारा जारी मांगपत्र में कहा गया है कि 1 अप्रैल 2026 से मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू किए गए न्यूनतम वेजेस का लाभ नगर पालिका में कार्यरत विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों को तत्काल दिया जाए। इसके साथ ही कर्मचारियों को पुराने वेतनमान और नए न्यूनतम वेतनमान के बीच का अंतर यानी डिफ्रेंस एरियर्स एकमुश्त भुगतान

के रूप में दिए जाने की भी मांग की गई है। भारतीय मजदूर संघ ने यह भी मांग उठाई है कि नगर पालिका में कार्यरत सभी कर्मचारियों को पेमेंट ऑफ वेजेस एक्ट के तहत प्रत्येक माह की 10 तारीख से पहले वेतन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। संगठन का कहना है कि कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। संगठन ने कर्मचारियों को वेतन भुगतान से पूर्व वेतन पर्ची या वाउचर उपलब्ध कराने की मांग भी की है। इसमें कर्मचारी की उपस्थिति, पूर्ण वेतन भुगतान और भविष्य निधि (पीएफ) कटौती का स्पष्ट विवरण दर्ज करने की बात कही गई है, ताकि कर्मचारियों को उनके भुगतान संबंधी जानकारी पारदर्शी रूप से मिल सके। हड़ताल को लेकर जारी मांगपत्र में कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया है। संगठन ने कहा है कि सफाई कर्मचारियों को कार्य के दौरान जूते, दस्ताने एवं अन्य सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराई जाए। वहीं विद्युत कर्मचारियों को उच्च सुरक्षा कवच और आवश्यक सुरक्षा उपकरण दिए जाएं, ताकि कार्य के दौरान दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। महिला कर्मचारियों को मातृत्व अवकाश प्रदान करने की मांग भी संगठन द्वारा उठाई गई है। इसके अलावा पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करने तथा दस वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मचारियों को प्रतिमाह दो हजार रुपये वरिष्ठता भत्ता दिए जाने की मांग भी प्रमुख रूप से शामिल है। नगर पालिका कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल को लेकर अब नगर प्रशासन और प्रबंधन की भूमिका पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। यदि समय रहते कर्मचारियों की मांगों पर चर्चा कर समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले दिनों में नगर की सफाई व्यवस्था सहित अन्य कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

आवश्यकता है
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

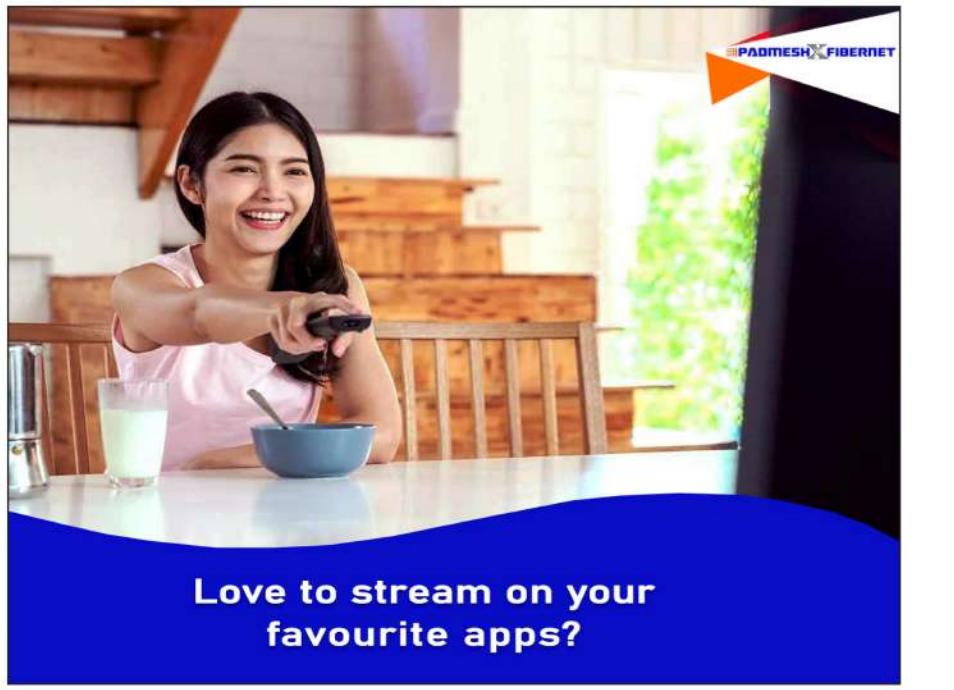

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट